अब वेब पर भी www.rashtriyaprastavana.com

उत्तर प्रदेश (लखनऊ व कानपुर) से एक साथ प्रकाशित प्रमुख समाचार पत्र

आर.एन.आई. नं.-यूपीएचआईएन/2011/37605

दैनिक

राष्ट्रीय प्रस्तावना

गाँव से गवर्नेन्स तक

लखनऊ, रायबरेली, इलाहाबाद, आजमगढ़, अयोध्या, झांसी, अम्बेडकरनगर, एटा, औरैया, अमेठी, फतेहपुर, बांदा, उन्नाव, लखीमपुर, मुरादाबाद, कन्नौज, बाराबंकी, सीतापुर, जौनपुर, श्रावस्ती, उरई, जालौन, फिरोजाबाद, हरदोई, मथुरा, कानपुर, ललितपुर, गोण्डा, सहारनपुर, सिद्धार्थनगर, सन्तकबीरनगर, नोयडा, सुलतानपुर, कासगंज सहित प्रदेश के समस्त क्षेत्रों में बहुप्रसारित

वर्ष : 15 अंक 256 लखनऊ, रविवार, 05 अप्रैल 2026 पृष्ठ: 8 मूल्य : 2.00

संक्षिप्त

ईरानी कच्चे तेल के कार्गो के चीन डायवर्ट किए जाने की खबरें तथ्यात्मक रूप से गलत: सरकार

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने ईरानी कच्चे तेल के एक कार्गो को पेमेंट से जुड़ी दिक्कतों के कारण गुजरात के वाडिनार से चीन की ओर मोड़ दिए जाने की खबरों को तथ्यात्मक रूप से गलत एवं भ्रामक बताते हुए खारिज किया है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने शनिवार को एक्स पोस्ट में उन हालिया रिपोर्टों को खारिज कर दिया, जिनमें कहा गया था कि पेमेंट से जुड़ी दिक्कतों के कारण ईरान से आने वाले कच्चे तेल की एक खेप को भारत के बजाय चीन भेज दिया गया था। मंत्रालय ने इन दावों को ''तथ्यात्मक रूप से गलत'' बताया और भरोसा दिलाया कि देश की ऊर्जा आपूर्ति पूरी तरह सुरक्षित है। मंत्रालय ने बताया, ल्ईरानी कच्चे तेल के एक कार्गो को 'पेमेंट से जुड़ी दिक्कतों' के कारण भारत के वाडिनार से चीन की ओर मोड़े जाने की खबरें और सोशल मीडिया पोस्ट तथ्यात्मक रूप से गलत हैं।

महाराष्ट्र के नासिक जिले में कार कुएं में गिरी, नौ की मौत

मुंबई। महाराष्ट्र के नासिक जिले के डिंडोरी में एक अनियंत्रित कार बीती रात कुंए में गिर गई। इस हादसे में एक ही परिवार के नौ लोगों की मौत हो गई। नासिक पुलिस की टीम ने शनिवार सुबह तक सभी शव कुएं से निकाल लिए। पुलिस जांच अधिकारी ने बताया कि नासिक जिले के शिवाजी नगर इलाके में स्थित एक स्कूल में आयोजित प्रोग्राम में शामिल होने के लिए दरगोड़े परिवार गया था। वहां से लौटते समय शुक्रवार रात करीब 10 बजे दरगोड़े परिवार की कार अचानक अनियंत्रित होकर कुएं में गिर गई। सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन, नगर पंचायत की फायर ब्रिगेड की टीम और पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। कुआं पानी से भरा होने और रात होने की वजह से शुरू में रेस्क्यू ऑपरेशन में दिक्कत आई।

भविष्य गढ़ने की जिम्मेदारी ईश्वर ने सिर्फ शिक्षकों को दी : योगी

मुख्यमंत्री ने किया वाराणसी के कंपोजिट विद्यालय शिवपुर वरुणापार जोन में शैक्षणिक सत्र 2026-27 में 'स्कूल चलो अभियान' का शुभारंभ

- मुख्यमंत्री ने की समाज के हर वर्ग से अपील- कोई बच्चा स्कूल जाने से छूटने न पाए
- 2017 के पहले ड्रॉप आउट रेट 19 फीसदी था, अब यह महज 3 फीसदी रह गया, इसे शून्य तक लाना है: मुख्यमंत्री

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

वाराणसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शिक्षकों, अभिभावकों, जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों समेत समाज के हर वर्ग का आह्वान किया कि कोई भी बच्चा स्कूल जाने से छूटने न पाए। सीएम ने शिक्षा को सबसे पवित्र कार्य बताते हुए कहा कि हर व्यक्ति के सामने बड़ा और यशस्वी बनने का अवसर आता है, जो उसके अनुरूप खुद को ढालता है वह यशस्वी बनता है। इसलिए हर बच्चे को स्कूल लेकर जाएं। बच्चा जब पढ़ लिखकर संस्कारी बनेगा तो कृतज्ञता ज्ञापित करेगा। जीवन के किसी भी मोड़ पर जब उससे मिलेंगे तो वह सम्मान देगा। जब एक बच्चा साक्षर होता है तो समाज साक्षर और राष्ट्र समृद्धि की नई ऊंचाइयों को प्राप्त करता है। जब बच्चा निरक्षर रह जाता है तो समाज निर्धन और प्रदेश-देश बीमारू बनता है। हमें हर बच्चे को शिक्षित करना है, समृद्धि की नई ऊंचाइयों तक पहुंचना और विकसित भारत की दिशा में बढ़ना है।

मुख्यमंत्री ने कंपोजिट विद्यालय शिवपुर वरुणापार जोन में शनिवार को शैक्षणिक सत्र 2026-27 के तहत 'स्कूल चलो अभियान' का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने विद्यालय परिसर में बच्चों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन किया, फिर बच्चों से संवाद भी किया। सीएम योगी ने विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामना दी और स्कूल चलो अभियान की सार्थकता पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि 9 वर्ष में लगभग 60 लाख नए बच्चों को बेसिक शिक्षा के स्कूलों से जोड़ा गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 में सरकार बनने के बाद 1 जुलाई को 'स्कूल चलो अभियान' का शुभारंभ किया गया था।

उससे पहले जब मैं अलग-अलग जनपदों में गया तो बेसिक शिक्षा विभाग के जर्जर भवनों, बंदी के कगार पर पहुंचे विद्यालयों की स्थिति देखी। एक जनपद के विद्यालय के प्रधानाचार्य ने बताया कि बच्चों की संख्या लगातार कम हो रही है। सिर्फ 10 बच्चे रह गए, हो सकता है कि नए सत्र में वे बच्चे भी न आएं। मैंने पूछा कि ये बच्चे जा कहां रहे हैं, प्रधानाचार्य ने कहा कि बच्चों में पढ़ने की रूचि नहीं है। मैंने कहा कि उनकी पढ़ने में रूचि नहीं है या आपकी पढ़ाने में, दोनों में अंतर है। बच्चों की जिज्ञासा बढ़ाना हमारा काम है। 3 वर्ष बाद फिर उस विद्यालय में गया तो वहां 250 बच्चे मिले और उन्हीं प्रधानाचार्य का चयन राष्ट्रपति पुरस्कार के लिए हुआ था। सभी विद्यालय ऐसे उदाहरण प्रस्तुत कर सकते हैं। इस दौरान योगी सरकार के मंत्री राकेश सचान, अनिल राजभर, रविंद्र जायसवाल, महापौर अशोक तिवारी, विधायक नीलकंठ तिवारी, अवधेश सिंह, त्रिभुवन राम, सुशील सिंह, विधान परिषद सदस्य हंसराज विश्वकर्मा, धर्मेंद्र सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्या आदि की मौजूदगी रही।

हर घर पर दें दस्तक, कोई बच्चा स्कूल जाने से छूट न जाए

सीएम ने शिक्षकों से अनुरोध किया कि 1 से 15 अप्रैल तक हर शिक्षक को स्कूल चलो अभियान से जुड़ना चाहिए। प्रधानाचार्य अभिभावकों के साथ संवाद करें और शिक्षक स्कूल खुलने से थोड़ा पहले निकलकर गांव-मोहल्ले के घरों पर दस्तक दें। अभिभावकों से पूछें कि स्कूल जाने से कोई बच्चा वंचित तो नहीं है। उन्हें बताएं कि सरकार सब निशुल्क दे रही है, आप बच्चों का पंजीकरण कराइए। हर शिक्षक, शिक्षामित्र, अनुदेशक का संकल्प हो कि स्कूल जाने से कोई बच्चा छूटने न पाए। पहले चरण में 15 अप्रैल तक यह मेहनत कीजिए। जैसे ही बेसिक शिक्षा विभाग के सभी डेटा (बच्चों की संख्या, कितने बच्चों ने कहां प्रवेश लिया आदि) अपलोड हो जाएंगे, उसके तीन-चार दिन के अंदर लखनऊ में समारोह कर डीबीटी के माध्यम से पैसा अभिभावकों के खाते में भेज दिया जाएगा। 15 से 30 अप्रैल के बीच बच्चों की यूनिफॉर्म, जूते-मोजे आदि के लिए अभिभावकों के साथ बैठक करनी चाहिए। यह प्रक्रिया सतत रूप से चलनी चाहिए।

लखनऊ की कंपनी ला रही आईपीओ 13 अप्रैल को होगी लिस्टिंग

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। पावर ट्रांसमिशन, डिस्ट्रीब्यूशन और सोलर एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र में कार्यरत लखनऊ की कंपनी सेफ्टी कंट्रोल्स एण्ड डिवाइसेस लिमिटेड अपना आईपीओ ला रही है, जिसकी शेयर बाजार में लिस्टिंग 13 अप्रैल 2026 को होगी। इस आईपीओ के तहत अधिकतम 60 लाख शेयर जारी किए जाएंगे, जिनका फ़ेस वैल्यू 10 रुपये प्रति शेयर है। कंपनी ने प्राइस बैंड 75 से 80 रुपये प्रति शेयर तय किया है, जबकि एक लॉट में 1600 इक्विटी शेयर होंगे।

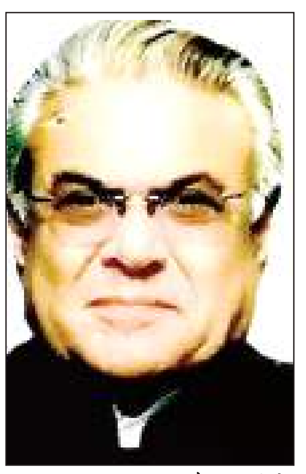

कंपनी के शेयर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज के SME प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध किए जाएंगे, जिसका उद्देश्य लघु एवं मध्यम उद्यमों को पूंजी जुटाने का अवसर प्रदान करना है। कंपनी के चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर रजनीश चोपड़ा ने बताया कि 11 वर्ष पुरानी इस कंपनी का मुख्यालय लखनऊ में स्थित है। आईपीओ से पहले ही 12.67 करोड़ रुपये का एंकर निवेश पूरी तरह सब्सक्राइब होना निवेशकों के मजबूत विश्वास को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि देश में तेजी से बढ़ते इंफ्रास्ट्रक्चर और एनर्जी सेक्टर के अवसरों के बीच यह कदम कंपनी के विस्तार और दीर्घकालिक विकास में सहायक साबित होगा। आईपीओ 06 अप्रैल 2026 को खुलेगा और 08 अप्रैल 2026 को बंद होगा। इसके बाद 09 अप्रैल को अलॉटमेंट, 10 अप्रैल को रिफंड और 13 अप्रैल को लिस्टिंग प्रस्तावित है। गौरतलब है कि कंपनियां भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड की अनुमति से अपने विस्तार और व्यावसायिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए आईपीओ जारी करती हैं।

केरल में डबल इंजन सरकार से विकास को मिलेगी रफ्तार: मोदी

एजेंसी

तिरुवल्ला। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को केरल के तिरुवल्ला में चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए राज्य में सत्ता परिवर्तन का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भाजपा-नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार बनने पर विकास कार्यों में आ रही सभी बाधाएं दूर होंगी। उन्होंने विश्वास जताया कि आगामी चुनावों में केरल की जनता ऐतिहासिक बदलाव के लिए तैयार है।

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन की शुरुआत केरल की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक परंपराओं को नमन करते हुए की। उन्होंने श्री वल्लभम मंदिर, संत तिरुवल्लुवर, सबरीमाला और स्वामी अयप्पा को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि राज्य में इस बार चुनावी माहौल बदला हुआ नजर आ रहा है और लोगों में राजग के प्रति समर्थन स्पष्ट दिख रहा है।

मोदी ने कहा कि पूर्वोत्तर के राज्यों और गोवा में, जहां ईसाई आबादी भी महत्वपूर्ण संख्या में है, राजग सरकारों ने विकास के नए आयाम स्थापित किए हैं। पिछले 50-60 वर्षों में जो काम नहीं हुआ, वह राजग सरकारों ने करके दिखाया है। उन्होंने दावा किया कि केरल में भी राजग सरकार बनने पर राज्य विकास की नई ऊंचाइयों को छुएगा और किसानों व मछुआरों की समस्याओं का समाधान किया जाएगा।

प्रधानमंत्री ने राज्य की वामपंथी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि सबरीमाला रेल परियोजना में अनावश्यक देरी की गई है, जिससे तिरुवल्ला और आसपास के क्षेत्रों के लोगों को नुकसान हुआ है। यह परियोजना न केवल श्रद्धालुओं के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि इससे स्थानीय व्यापार को बढ़ावा मिलेगा और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा होंगे। उन्होंने भरोसा दिलाया कि ल्डबल इंजनङ्क सरकार बनने पर इस परियोजना से जुड़ी सभी अड़चनें दूर कर दी जाएंगी।

राज्य के बुनियादी ढांचे की स्थिति पर चिंता जताते हुए मोदी ने कहा कि सड़कों, पुलों और स्वास्थ्य सुविधाओं की हालत खराब है। उन्होंने आरोप लगाया कि एलडीएफ और यूडीएफ सरकारों ने लंबे समय तक इस क्षेत्र की उपेक्षा की है, जिससे लोगों के जीवन स्तर पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने अपने कार्यकाल में केरल को पहले की तुलना में पांच गुना अधिक धनराशि दी है, लेकिन उसका अपेक्षित लाभ जनता तक नहीं पहुंच पाया।

यूपी की सत्ता की चाबी दलितों के हाथ

- 'UP में 21% दलित वोट का महासंग्राम: सपा का 'संविधान' दांव, कांग्रेस का जगजीवन राम कार्ड– बसपा के कोर वोट बैंक में सेंध की जंग तेज, दलित वोटर बना सबसे बड़ा गेमचेंजर''

मनोज कुमार शुक्ला

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजनीति में 2027 विधानसभा चुनाव से पहले दलित वोट बैंक को लेकर घमासान तेज हो गया है। करीब 20-21% आबादी वाले दलित मतदाता इस बार सबसे बड़े ल्गेमचेंजरङ्क के तौर पर उभर रहे हैं। समाजवादी पार्टी, कांग्रेस और बहुजन समाज पार्टी–तीनों की रणनीति का केंद्र अब यही वर्ग बन गया है, जबकि भाजपा भी अपने गैर-जाटव आधार को मजबूत बनाए रखने की कोशिश में है। हाल के दिनों में आए बयानों से साफ संकेत मिलते हैं कि दलित वोटर्स को लेकर सियासी दल पूरी ताकत झोंक चुके हैं। अखिलेश यादव गांव-गांव 'संविधान बचाओ' अभियान चलाने की बात कर रहे हैं, तो कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय दलितों के बीच सीधा संवाद बढ़ाने में जुटे हैं।

कांग्रेस का 'जगजीवन राम' दांव-कांग्रेस ने दलित राजनीति के अपने पुराने आधार को फिर से मजबूत करने के लिए बाबू जगजीवन राम को केंद्र में रखा है। आजादी के बाद सत्ता के शीर्ष तक पहुंचने वाले इस बड़े दलित चेहरे की विरासत के जरिए पार्टी दलित समाज को संदेश देना चाहती है कि उनकी राजनीतिक भागीदारी और सम्मान कांग्रेस के साथ सुरक्षित है। इसी रणनीति के तहत पार्टी ने उनकी जयंती पर कार्यक्रम आयोजित कर उनकी बेटी और पूर्व लोकसभा अध्यक्ष मीरा कुमार को सामने लाने की तैयारी की है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं को निर्देश दिया गया है कि वे दलित बस्तियों में जाकर लगातार संपर्क बनाए रखें और स्थानीय मुद्दों पर सक्रिय रहें।

सपा का 'संविधान' नैरेटिव- दूसरी ओर, सपा ने दलितों को जोड़ने के लिए 'संविधान खतरे में है' का मुद्दा उठाया है। अखिलेश यादव ने घोषणा की है कि अंबेडकर जयंती पर गांव-गांव कार्यक्रम होंगे, जहां संविधान और अधिकारों पर चर्चा की जाएगी। यह रणनीति सीधे तौर पर दलितों की संवैधानिक सुरक्षा और सामाजिक न्याय की भावना को संबोधित करती है। 2024 लोकसभा चुनाव में इसी नैरेटिव का असर दिखा था, जब सपा-कांग्रेस गठबंधन को यूपी में बड़ा वोट शेयर मिला।

बसपा की चुनौती और वापसी की कोशिश- दलित राजनीति की पारंपरिक धुरी रही मायावती और उनकी पार्टी बसपा पिछले कुछ वर्षों में कमजोर हुई है। 2012 के बाद से दलित वोट बैंक में बिखराव देखा गया, जिससे अन्य दलों को अवसर मिला। हालांकि, 2025 की रैलियों के बाद यह संकेत मिले कि दलित वोटर्स का एक वर्ग फिर से बसपा की ओर लौट सकता है। यही वजह है कि सपा और कांग्रेस तेजी से सक्रिय हो गई हैं, ताकि इस संभावित वापसी को रोका जा सके।

क्यों निर्णायक हैं दलित वोटर?- उत्तर प्रदेश में दलित वोटर इसलिए निर्णायक माने जाते हैं क्योंकि उनकी आबादी राज्य की कुल जनसंख्या का लगभग 20S21 प्रतिशत, यानी करीब 4 करोड़ है। राज्य की 84 विधानसभा सीटें दलितों के लिए आरक्षित हैं, जबकि लगभग 120 ऐसी सीटें हैं जहां एक लाख से अधिक दलित मतदाता प्रभाव डालते हैं। ऐसे में यह वर्ग केवल आरक्षित सीटों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि सामान्य सीटों के नतीजों को भी प्रभावित करता है। यही वजह है कि बिना दलित समर्थन के किसी भी राजनीतिक दल के लिए उत्तर प्रदेश में सत्ता तक पहुंचना बेहद मुश्किल माना जाता है।

> 'मायावती ने दलितों का सिर्फ इस्तेमाल किया। फायदा उठाकर उसे छोड़ दिया। आज भी दलित और कमजोर तबका समाज के किनारे पड़ा है।
>
>
>
> **अजय राय, प्रदेश अध्यक्ष, कांग्रेस**
>
> 'अंबेडकर जयंती को हम गांव के स्तर पर मनाएंगे। संविधान पर जिस तरीके का संकट है, उस पर चर्चा करेंगे।
>
> 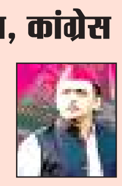
>
> **अखिलेश यादव, राष्ट्रीय अध्यक्ष, सपा**

दलित समाज के भीतर भी समीकरण- दलित वोट बैंक एकरूप नहीं है। राज्य में करीब 66 उप-जातियां हैं, जिनमें 6 प्रमुख जातियां 80% से ज्यादा हिस्सेदारी रखती हैं। जाटवः बसपा का कोर वोट, सबसे संगठित। पासी, कोरी, धोबी, वाल्मीकि, खटिकः गैर-जाटव समूह, जहां बिखराव ज्यादा। भाजपा ने 2017 से 2024 के बीच गैर-जाटव दलितों को साधकर अपनी स्थिति मजबूत की थी। वहीं 2024 में इन वोटर्स का एक हिस्सा सपा-कांग्रेस गठबंधन की ओर गया, जिससे चुनावी समीकरण बदल गए।

नए विकल्प की तलाश में दलित वोटर- राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, दलित मतदाता फिलहाल किसी एक पार्टी के साथ पूरी तरह स्थिर नहीं हैं। वे ऐसे विकल्प की तलाश में हैं जो उन्हें राजनीतिक प्रतिनिधित्व और वास्तविक लाभ दे सके। यही कारण है कि पारंपरिक चेहरों के साथ-साथ नए दलित नेताओं का उभार भी देखने को मिल रहा है। 2027 की कुर्सी का रास्ता दलितों से होकर गुजरता दिख रहा है। आने वाला विधानसभा चुनाव काफी हद तक दलित वोट बैंक की दिशा पर निर्भर करेगा। यदि बसपा अपना पारंपरिक कोर वोट दोबारा समेटने में सफल होती है, तो मुकाबला त्रिकोणीय और बेहद दिलचस्प हो जाएगा। वहीं, अगर सपा-कांग्रेस गठबंधन दलित मतदाताओं को अपने पक्ष में जोड़ने में कामयाब रहता है, तो भाजपा के लिए चुनौती और कड़ी हो सकती है। दूसरी ओर, यदि भाजपा गैर-जाटव दलित आधार को बनाए रखती है, तो चुनावी समीकरण एक बार फिर बदल सकते हैं। साफ है कि इस बार यूपी की सत्ता की चाबी दलित वोटरों के हाथ में है और यही करीब 21% आबादी 2027 के चुनाव में असली किंगमेकर साबित हो सकती है।

भागवत कथा के श्रवण से ही मिल जाती समस्त पापों से मुक्ति : पंडित अभिनव महाराज

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कानपुर। श्री कुंज बिहारी सेवा संस्थान के तत्वाधान में शिवाजी पार्क बर्रा 2 कानपुर मे आयोजित सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा के दूसरे दिन श्री धाम वृन्दावन से पधारे अन्तर्राष्ट्रीय कथा वाचक पंडित श्री अभिनव जी महाराज ने कहा कि भागवत कथा श्रवण मात्र से पाप से समस्त पापो से मुक्ति मिलती है। कहा जिस स्थान पर कथा होती है वहां भगवान विराजमान होते हैं। भगवन नाम के जाप से सारे विपत्ति नाश हो जाते हैं। इस जगत में भगवत कृपा के बिना कुछ भी संभव नहीं है। मनुष्य को समाज में अच्छे काम करना चाहिए। भगवान श्रीकृष्ण ने कहा है की कर्म ही प्रधान है, बिना कर्म कुछ संभव नहीं होता है, जो मनुष्य अच्छा व सत्कर्म करता है उसे अच्छा फल मिलता है व बुरे कर्म करने वाले को हमेशा बुरा फल मिलता है। इस अवसर पर गुरू माँ मोहिता शर्मा, ईशान शर्मा, दिलीप पांडे, पिंकी तिवारी, अंशुमा मिश्रा, मोहिनी तिवारी आदि भक्त मौजूद रहे।

टीएमसी का मतलब टेरर, मर्डर और क्राइम : अनुराग ठाकुर

सिलीगुड़ी। भाजपा सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने शनिवार को बागडोगरा एयरपोर्ट पर उतरते ही तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) पर तीखा हमला बोला। इस्लामपुर रवाना होने से पहले उन्होंने कहा कि टीएमसी का मतलब टेरर, मर्डर और क्राइम है। उन्होंने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल में भ्रष्टाचार, शोषण और माफियागिरी चरम पर है। ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए ठाकुर ने कहा कि पिछले 15 वर्षों में राज्य में भ्रष्टाचार और महिलाओं पर अत्याचार बढ़ा है, जबकि युवाओं की स्थिति भी चिंताजनक है। मालदा की घटना को लेकर उन्होंने कहा कि यह कोई सामान्य घटना नहीं बल्कि एक बड़ा षड्यंत्र था। अधिकारियों को रोके जाने की घटना का जिक्र करते हुए उन्होंने राज्य की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाए।

ईसीआई नेट प्लेटफॉर्म से जानें उम्मीदवारों की शिक्षा और आपराधिक पृष्ठभूमि : चुनाव आयोग

एजेंसी

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने नागरिकों से अपील की है कि वे 2026 के आम और उप चुनावों के दौरान उम्मीदवारों की शैक्षणिक योग्यता, आपराधिक मामले और संपत्ति संबंधी जानकारी जानने के लिए ईसीआई नेट प्लेटफॉर्म का उपयोग करें। चुनाव आयोग के अनुसार 15 मार्च को असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल की विधानसभाओं के आम चुनाव तथा गोवा, गुजरात, कर्नाटक, महाराष्ट्र, नगालैंड और त्रिपुरा की 8 सीटों पर उपचुनाव की घोषणा की गई थी। नौ अप्रैल को होने वाले मतदान के लिए असम, केरल और पुडुचेरी में कुल 1,955 उम्मीदवार मैदान में हैं।

तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल (चरण-1) के लिए नामांकन वापसी की अंतिम तिथि 9 अप्रैल है, जबकि पश्चिम बंगाल (चरण-2) के लिए यह तिथि 13 अप्रैल निर्धारित की गई है।मतदाता ईसीआई नेट के ल्अपने उम्मीदवारों को जानें (केवाईसी)ङ्क मॉड्यूल के जरिए उम्मीदवारों के खिलाफ दर्ज आपराधिक मामलों, उनकी संपत्ति और देनदारियों, शैक्षणिक योग्यता और आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

कमांड एंड कंट्रोल सेंटर के माध्यम से 3,62,517 शिकायतों का हुआ निस्तारण

स्वच्छता रैंकिंग सुधार में कमांड एंड कंट्रोल सेंटर की अहम भूमिका : ए.के. शर्मा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। नगरी निकायों में नगरीय सुविधाओं एवं साफ-सफाई व्यवस्था की प्रभावी मॉनिटरिंग के लिए स्थापित डेडीकेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर में वर्ष 2022 से अब तक कुल 3,63,510 शिकायतों के सापेक्ष 3,62,517 शिकायतों का निस्तारण किया गया है। इसके साथ ही लगभग 7000 घंटे का ऐतिहासिक लाइव मॉनिटरिंग कार्य भी संपन्न किया गया है। डेडीकेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर (डीसीसीसी) के सफल संचालन के 4 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में शनिवार को नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए. के. शर्मा ने एक वर्चुअल बैठक की। मंत्री श्री शर्मा ने बताया कि प्रारंभ में इस केंद्र में हेल्पलाइन नंबर की व्यवस्था नहीं थी, लेकिन बाद में केंद्र सरकार से समन्वय स्थापित कर 1533 टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर जारी किया गया। साथ ही 'संभव' ऑनलाइन पोर्टल भी संचालित किया जा रहा है, जिसके माध्यम से शिकायतकर्ता और संबंधित अधिकारी ऑनलाइन आमने-सामने होकर समस्याओं का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करते हैं। नगर विकास मंत्री ने कहा कि पिछले वर्षों में स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया गया है, लेकिन अभी भी कई ऐसे क्षेत्र हैं जहां सुधार की आवश्यकता है। जिन नगरी निकायों की स्वच्छता रैंकिंग नीचे है, उनका विश्लेषण कर आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाए जाने चाहिए। उन्होंने आगामी वर्षाकाल के दृष्टिगत सभी आवश्यक तैयारियां समय से पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही प्लांटेशन एवं अन्य स्वच्छता अभियानों को प्रभावी एवं सुव्यवस्थित ढंग से संचालित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि रेहड़ी-पटरी पर कार्य करने वाले लोगों, गरीबों, सफाई कर्मियों एवं मलिन बस्तियों में रहने वाले लोगों के जीवन स्तर को सुधारने पर विशेष ध्यान दिया जाए। उनके आवास, आयुष्मान कार्ड एवं स्वच्छता सुविधाओं को प्राथमिकता दी जाए। अपर निदेशक ऋतु सुहास ने बताया कि 'जूम' के माध्यम से दैनिक लाइव मॉनिटरिंग की जाती है तथा राज्यव्यापी टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 1533 एवं 'संभव' पोर्टल के जरिए जनसुनवाई कर शिकायतों का निस्तारण किया जाता है। उन्होंने बताया कि स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत विभिन्न अभियानों जैसे स्वच्छता ही सेवा, स्वच्छ महाकुंभ, क्लीन टॉयलेट अभियान, स्वच्छ तीर्थ, महा सफाई अभियान एवं प्लास्टिक उन्मूलन अभियान की निगरानी भी डीसीसीसी के माध्यम से की जाती है।

विधानसभा चुनाव 2027 से पहले सरधना विधानसभा सीट को लेकर भाजपा में खीचतान, बनाई रणनीति

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले ही सियासी दलों ने अपनी रणनीति के तहत बिसात बिछानी शुरू कर दी है। इसी कड़ी में पश्चिमी उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक दिलचस्प घटनाक्रम सामने आया है। राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी ने आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर मेरठ की सरधना सीट पर अपनी दावेदारी ठोककर भाजपा की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। यह कवायद ऐसे समय में हो रही है जब पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भाजपा के दो प्रभावशाली नेताओं पूर्व सरधना विधायक संगीत सोम और पूर्व मुजफ्फरनगर सांसद संजीव बालियान के बीच तनातनी लगातार बढ़ती जा रही है। दरअसल, 2022 के विधानसभा चुनाव में सरधना सीट से सोम की हार के बाद यह विवाद शुरू हुआ था। ठाकुर समुदाय से आने वाले सोम ने जाट नेता बालियान पर आरोप लगाया था कि उन्होंने चुनाव के दौरान उनके पक्ष में जाट वोटों का ध्रुवीकरण नहीं कराया। उस चुनाव में सोम को समाजवादी पार्टी के अतुल प्रधान ने हराया था, जो गुर्जर समुदाय से आते हैं। इसके जवाब में बालियान ने भी पलटवार करते हुए सोम पर हरेंद्र मलिक की मदद करने का आरोप लगाया। मलिक ने 2024 के लोकसभा चुनाव में मुजफ्फरनगर सीट से बालियान को शिकस्त दी थी। सरधना विधानसभा क्षेत्र इसी लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आता है। हाल ही में सरधना में 18वीं सदी के जाट शासक महाराजा सूरजमल की प्रतिमा के अनावरण के दौरान बालियान के बयान ने इस विवाद को और हवा दे दी। उन्होंने 2024 की हार को 'अपमान बताते हुए 'ब्याज समेत बदला लेने की बात कही थी। हालांकि उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन सियासी हलकों में इसे सोम पर निशाना माना गया था। इसी पृष्ठभूमि में रालोद ने मेरठ की कम से कम तीन सीटों सरधना, सिवालखास और किठौर को लेकर भाजपा से बातचीत शुरू की है। गौरतलब है कि 2022 में ये तीनों सीटें भाजपा हार गई थी। उस समय रालोद समाजवादी पार्टी की सहयोगी थी और सिवालखास सीट रालोद के खाते में गई थी, जबकि किठौर से सपा उम्मीदवार विजयी रहे थे। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि सरधना सीट रालोद को देने से भाजपा को सोम और बालियान के बीच चल रही खींचतान को संतुलित करने का रास्ता मिल सकता है। रालोद के लिए भी सरधना सीट खास महत्व रखती है, क्योंकि यह जाट बहुल क्षेत्र के केंद्र में स्थित है। 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले राजग में शामिल होने के बाद रालोद के सामने अपने पारंपरिक जाट वोट बैंक को बनाए रखने के साथ-साथ गठबंधन धर्म निभाने की चुनौती है।

मिशन 2027 की तैयारियों में जुटी मायावती, 14 अप्रैल को करेंगी महा शक्ति प्रदर्शन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने अपनी कवायद शुरू कर दी है। पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती लगातार संगठन की बैठकें ले रही हैं। बसपा के पदाधिकारियों की मानें तो मायावती के निर्देश पर 14 अप्रैल को राजधानी लखनऊ में बड़ा शक्ति प्रदर्शन करने जा रही है। पार्टी अभी से इसकी तैयारी में जुट गई है। पार्टी के एक पूर्व सांसद ने कहा कि पार्टी 14 अप्रैल को भीम राव अंबेडकर की जयंती पर बड़े आयोजन की तैयारी में जुटी है। यह रैली अब तक के सारे रिकॉर्ड तोड़ेगी। यह विरोधी पार्टियों के लिए एक बड़ा संदेश होगा। इस दौरान पार्टी कार्यकर्ता डॉक्टर भीम राव अंबेडकर को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। बसपा के नेता ने बताया कि हाल ही में लखनऊ में आयोजित पार्टी की बैठक में मायावती ने प्रदेश के सभी 18 मंडलों के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को लखनऊ स्थित अंबेडकर स्मारक पर एकत्र होने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि खास बात यह है कि इस बार पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कार्यकर्ता भी लखनऊ में ही जुटेंगे, क्योंकि दलित प्रेरणा स्थल फिलहाल नवीनीकरण कार्य चल रहा है। ऐसे में इस बार रिकॉर्ड भीड़ जुटने की संभावना जताई जा रही है। हालांकि मायावती ने कार्यकर्ताओं से अपील की है कि वे अपने परिवार के साथ इस कार्यक्रम में शामिल हों, जिससे आयोजन को और व्यापक बनाया जा सके। इससे पहले 9 अक्टूबर 2025 को बसपा ने अपने संस्थापक कांशीराम की 19वीं पुण्यतिथि पर भी लखनऊ में बड़ा कार्यक्रम आयोजित किया था, जिसमें पूरे प्रदेश से कार्यकर्ता जुटे थे। इस कार्यक्रम को 2016 के बाद बसपा का सबसे बड़ा शक्ति प्रदर्शन माना गया था, जहां मायावती ने एक दशक बाद कांशीराम स्मारक पर कार्यकर्ताओं को संबोधित किया था। इधर, राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि 14 अप्रैल का यह आयोजन 2027 के विधानसभा चुनावों को देखते हुए बसपा के चुनावी अभियान की औपचारिक शुरुआत साबित हो सकता है। हालांकि, इस कार्यक्रम में मायावती की मौजूदगी को लेकर पार्टी की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। बसपा के सूत्रों की मानें तो पार्टी पदाधिकारी इस आयोजन को भव्य बनाने की तैयारियों में जुटे हैं। इसकी एक बड़ी वजह यह भी है कि आगामी विधानसभा चुनाव में अब लगभग एक वर्ष का समय शेष है और प्रदेश के अन्य दल भी अंबेडकर की विरासत को लेकर सक्रिय हैं। दरअसल, बसपा खुद को बहुजन विचारधारा की सबसे मजबूत वाहक और अंबेडकर की सच्ची अनुयायी बताती रही है। पार्टी का दावा है कि उसका नेतृत्व बहुजन समाज का प्रतिनिधित्व करता है। गौरतलब है कि कांशीराम ने बामसेफ और डीएस 4 जैसे संगठनों के माध्यम से दलित और पिछड़े वर्गों की आवाज को मजबूत किया था, जिसके बाद बसपा का गठन हुआ। काशी हिंदू विश्वविद्यालय के राजनीतिक शास्त्र के प्रोफ़ेसर रह चुके ए के सिंह कहते हैं, मायावती के लिए 2027 का चुनाव काफी महत्वपूर्ण होने वाला है। पिछले कुछ वर्षों में पार्टी का चुनावी प्रदर्शन कमजोर रहा है। लगातार खराब प्रदर्शन की वजह से कार्यकर्तावों का मनोबल गिर रहा है। यही स्थिति रही तो उनका कोर वोटर दूसरी पार्टी में धीरे धीरे शिफ्ट हो जाएगा। जिससे पार्टी को बड़ा नुकसान उठाना पड़ेगा। कुमार ने कहा कि 2022 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में बसपा को केवल एक सीट रसड़ा (बलिया) पर जीत मिली थी और पार्टी का वोट शेयर 12.8 प्रतिशत रहा था। इसके बाद 2024 में हुए लोकसभा चुनाव में भी पार्टी का प्रदर्शन काफी निराशाजनक रहा था। पार्टी को एक भी सीट नहीं मिली। यही नहीं मायावती के नेतृत्व में पार्टी ने उत्तर प्रदेश और देश भर में सभी सीटों पर हार का सामना किया, जो इसका अब तक का सबसे खराब प्रदर्शन है। उन्होंने कहा कि पार्टी का वोट शेयर भी 10% से अधिक घटकर लगभग 9.24% रह गया था जो पार्टी के लिए अच्छे संकेत नहीं हैं। ऐसे में आगामी अंबेडकर जयंती का यह आयोजन पार्टी के लिए अपनी राजनीतिक ताकत दिखाने का महत्वपूर्ण अवसर माना जा रहा है।

लखनऊ में बंदूक साफ करते समय चली गोली से व्यक्ति की मौत

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के जानकीपुरम थाना क्षेत्र में शनिवार को लाइसेंसी बंदूक साफ करते समय व्यक्ति की मृत्यु हो गई। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल की जांच कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की छानबीन शुरू कर दी। थाना प्रभारी विनोद कुमार तिवारी ने बताया कि जानकीपुरम के पिंक सिटी मिर्ज़ापुर निवासी प्रकाश मिश्रा (50) आज घर पर अपनी लाइसेंसी बंदूक साफ कर रहे थे। तभी अचानक गोली चल गई, जिससे उनकी मृत्यु हो गई। इस सूचना के मिलते ही मौके पर पहुंची थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लिया। घटना की स्पष्ट जांच के लिए घटनास्थल को सुरक्षित करते हुए फॉरेंसिक टीम को मौके पर बुलाया गया, जो साक्ष्यों का संकलन कर रही है। थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस ने घटनास्थल का सूक्ष्म निरीक्षण करते हुए आसपास के लोगों से घटना के संबंध में विस्तृत जानकारी एकत्र की जा रही है। ताकि घटना के वास्तविक कारणों का सही पता लगाया जा सके। फिलहाल पंचायतनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर पुलिस सभी बिन्दुओं पर जांच कर रही है।

बहुविकल्पीय प्रश्नों से विद्यार्थियों की लेखन क्षमता व अभिव्यक्ति में पड़ा रहा असर : डॉ गौरव

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। भारत सरकार की नई शिक्षा नीति पर अब सवाल उठने शुरू हो गए हैं। नई परीक्षा प्रणाली से छात्रों की लेखन क्षमता एवं उनकी अभिव्यक्ति की क्षमता पर भारी असर पड़ रहा है। यह बातें कुशीनगर पीजी कॉलेज के प्रवक्ता डॉ.गौरव तिवारी ने हिन्दुस्थान समाचार से एक विशेष बातचीत में कही। उन्होंने कहा कि दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की ओर से नैक से 'ए प्लस प्लस' ग्रेड प्राप्त करने के बाद सत्र 2021-22 से राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को लागू किया गया। इसके तहत सभी स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों को सेमेस्टर प्रणाली में परिवर्तित कर दिया गया। साथ ही बीए, बीएससी और बीकॉम की परीक्षाएं पूरी तरह बहुविकल्पीय प्रश्न पद्धति से आयोजित की जा रही है। इस नई परीक्षा प्रणाली में भाषा विषयों (हिंदी, संस्कृत, अंग्रेजी और उर्दू) के विद्यार्थियों को बिना किसी वर्णनात्मक उत्तर लिखे ही उत्तीर्ण होने का अवसर मिल रहा है। इससे उनकी लेखन क्षमता और अभिव्यक्ति कौशल का परीक्षण नहीं हो पा रहा है। उन्होंने विज्ञान वर्ग के विद्यार्थियों के संदर्भ में भी चिंता जताते हुए कहा कि बीएससी के छात्र बिना चित्रांकन, व्याख्या या जटिल प्रश्नों के चरणबद्ध समाधान के ही परीक्षा उत्तीर्ण कर रहे हैं। इससे उनकी विश्लेषणात्मक क्षमता और व्यावहारिक समझ पर असर पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि गोरखपुर विश्वविद्यालय, जो ज्ञान, विज्ञान और राजनीति के क्षेत्र में एक प्रमुख केंद्र माना जाता है, वहां इस मुद्दे पर व्यापक चर्चा का अभाव भी चिंता का विषय बना हुआ है। शिक्षाविदों और विद्यार्थियों के एक वर्ग का मानना है कि पूरी स्नातक शिक्षा केवल बहुविकल्पीय प्रश्न आधारित परीक्षा से पूरी करना शिक्षा की गुणवत्ता पर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है। बुद्ध पीजी कॉलेज कुशीनगर में प्रवक्ता डा. गौरव तिवारी ने इस व्यवस्था पर गहरी पीड़ा व्यक्त करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय स्तर पर भाषा और साहित्य के विद्यार्थियों का बिना लिखित परीक्षा के उत्तीर्ण होना बेहद चिंताजनक है। उन्होंने बताया कि इस मुद्दे को उन्होंने विभिन्न मंचों पर उठाया, लेकिन इसे गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है। इसके अतिरिक्त परीक्षा परिणामों में देरी भी विद्यार्थियों के लिए परेशानी का कारण बनी हुई है। कई छात्रों को समय पर अंकपत्र की मूल प्रति नहीं मिल पा रही है और वे केवल ऑनलाइन कॉपी पर निर्भर हैं। अप्रैल 2025 में परीक्षा देने वाले विद्यार्थियों को भी अप्रैल 2026 तक प्रमाणिक अंकपत्र मिलने को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। समग्र रूप से देखा जाए तो समयबद्ध परीक्षा और प्रक्रिया को प्राथमिकता देने के बीच विद्यार्थियों की वास्तविक शैक्षणिक गुणवत्ता, लेखन क्षमता और कौशल विकास जैसे महत्वपूर्ण पहलू पीछे छूटते नजर आ रहे हैं।

सैफई, खेत में ड्रोन गिरने से इलाके में हड़कंप अखिलेश यादव ने की जांच व मुआवजे की मांग

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने इटावा के सैफई क्षेत्र के नंदपुर गांव में गेहूं के खेत में ड्रोन गिरने की घटना पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि इस घटना से इलाके में दहशत और अफरातफरी का माहौल बन गया, ग्रामीणों को आशंका हुई कि कहीं कोई मिसाइल तो नहीं गिर गई। सपा अध्यक्ष ने कहा कि यदि यह किसी सरकारी परीक्षण या प्रयोग का हिस्सा था, तो स्थानीय लोगों को पहले से सूचित किया जाना चाहिए था। बिना भरोसे और पर्याप्त तैयारी के आबादी वाले क्षेत्रों के आसपास ऐसे परीक्षण करना गंभीर जोखिम पैदा करता है। उन्होंने आशंका जताई कि यदि ड्रोन खेत के बजाय किसी बस्ती में गिरता, तो जान-माल का बड़ा नुकसान हो सकता था। अखिलेश यादव ने राज्य सरकार से घटना की उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग करते हुए कहा कि प्रभावित किसान के नुकसान और मानसिक आघात का आकलन कर उचित मुआवजा दिया जाए। साथ ही भविष्य में ऐसे सभी परीक्षण निर्जन क्षेत्रों में ही कराए जाने की आवश्यकता पर बल दिया।

स्थापना दिवस पर बस्ती सम्पर्क अभियान चलाएगी भाजपा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) छह अप्रैल को पार्टी का स्थापना दिवस समारोह बूथ स्तर पर मनाएगी। छह अप्रैल को पार्टी के सभी जिला कार्यालयों पर ध्वजारोहण होगा और मिष्ठान वितरण किया जाएगा। स्थापना दिवस को लेकर जिला कार्यालयों को सजाया जाएगा। इसके अलावा पार्टी कार्यकर्ता अपने–अपने घरों पर पार्टी का ध्वज लहराकर स्थापना दिवस मनाएंगे। साथ ही पंडित दीनदयाल उपाध्याय और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित की जाएगी। जिलास्तर पर सक्रिय कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे। भाजपा के अवध क्षेत्र के अध्यक्ष कमलेश मिश्रा ने शनिवार को बताया कि छह अप्रैल से 12 अप्रैल के बीच बस्ती सम्पर्क अभियान चलाया जाएगा। इस दौरान पार्टी पदाधिकारी गांवों में जाकर स्वच्छता अभियान चलाएंगे। इसके अलावा लाभार्थियों से संवाद करेंगे व सरकारी योजनाओं की जानकारी देंगे। साथ ही भाजपा की विकास यात्रा पर चर्चा करेंगे। इस संबंध हर जिलों में तैयारी बैठकें की गयी हैं। राजधानी लखनऊ के निरालानगर स्थित पार्टी के क्षेत्रीय कार्यालय पर भी पदाधिकारियों और अभियान से जुड़े दायित्वधारियों के साथ शुक्रवार को बैठक की गयी। उल्लेखनीय है कि भाजपा अपने स्थापना दिवस को उत्सव के रूप में मनाने की तैयारी में जुटी है। पार्टी नेतृत्व इस उत्सव के माध्यम से कार्यकर्ताओं में ऊर्जा भरने के साथ ही अपनी सरकार की उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाने का भी कार्य करेगी।

रवि किशन और अनंत जोशी 'मामला लीगल है' का जबरदस्त धमाल लेकर पहुँचे लखनऊ

लखनऊ। रवि किशन और अनंत जोशी मामला लीगल है सीजन 2 को प्रमोट करने के लिए लखनऊ पहुँचे। यहाँ पर उन्होंने शो के ड्रामा, हाजिर-जवाबी, और मस्ती की बेहतरीन डोज के साथ स्थानीय मीडिया से बात की। 'मामला लीगल है' में अपनी मजेदार बातों का जादू बिखेरने वाले अनंत जोशी ने कहा, हम सभी सेट पर बहुत मजे करते हैं, साथ में अच्छा समय बिताते हैं, एक-दूसरे का सम्मान करते हैं और एक-दूसरे को वैसे ही स्वीकार करते हैं, जैसे हम हैं। 'मामला लीगल है' शो की खूबसूरती यही है और यही जोश स्क्रीन पर दिखती है और इसलिए ही 'मामला लीगल है' को दर्शकों से इतना प्यार मिल रहा है। रवि किशन के मुताबिक दर्शकों को 'मामला लीगल है' जरूर देखना चाहिए, उन्होंने कहा, यह शो सच्ची घटनाओं से प्रेरित है। ये घटनाएं वास्तव में हुई हैं। इसलिए यह शो पूरी दुनिया के दर्शकों के जीवन से जुड़ा हुआ है। यह शो आपके हृदय को छू लेगा और आपको ऐसा महसूस होगा कि ये किरदार आपके परिवार के ही सदस्य हैं।

घाटमपुर तापीय विद्युत परियोजना की तीसरी यूनिट का सिंक्रोनाइजेशन पूरा उप्र ऊर्ज़ा आत्मनिर्भरता की दिशा में साबित होगा मील का पत्थर : ए.के. शर्मा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार में नगर विकास एवं ऊर्ज़ा मंत्री ए. के. शर्मा ने शनिवार को कानपुर के घाटमपुर में तापीय विद्युत परियोजना की 660 मेगावाट क्षमता वाली यूनिट-3 का सफलतापूर्वक सिंक्रोनाइजेशन पूरा होने की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि प्रदेश की बढ़ती ऊर्ज़ा आवश्यकताओं को पूरा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगी। उन्होंने बताया कि यह परियोजना नेवेली उत्तर प्रदेश पावर लिमिटेड (एनयूपीपीएल) की ओर से संचालित की जा रही है, जो एनएलसी इंडिया लिमिटेड (51%) एवं उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (49%) का संयुक्त उपक्रम है। ऊर्ज़ा मंत्री ने बताया कि यूनिट-3 का सिंक्रोनाइजेशन 765 केवी ग्रिड से सफलतापूर्वक किया गया, जो परियोजना के वाणिज्यिक संचालन (सीओडी) की दिशा में एक अहम और सराहनीय उपलब्धि है। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि से प्रदेश की विद्युत उत्पादन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। परियोजना के पूर्ण रूप से संचालित होने के बाद प्रतिदिन लगभग 47.52 मिलियन यूनिट बिजली का उत्पादन किया जाएगा, जिससे प्रदेश की निरंतर बढ़ती ऊर्ज़ा मांग को पूरा करने में महत्वपूर्ण सहयोग मिलेगा तथा आमजन को बेहतर और निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित हो सकेगी। परियोजना की तीसरी इकाई के जुड़ने से प्रदेश की कुल स्थापित उत्पादन क्षमता बढ़कर लगभग 13,388 मेगावाट तक पहुंचने की संभावना है। ऊर्ज़ा मंत्री ए. के. शर्मा ने कहा कि यह उपलब्धि उत्तर प्रदेश को ऊर्ज़ा आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक मजबूत और निर्णायक कदम है। राज्य सरकार उपभोक्ताओं को विश्वसनीय, निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और इस दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। यह उल्लेखनीय उपलब्धि न केवल ऊर्ज़ा क्षेत्र में प्रदेश की प्रगति को दर्शाती है, बल्कि औद्योगिक विकास, निवेश को आकर्षित करने तथा समग्र आर्थिक वृद्धि को भी नई गति प्रदान करेगी। उत्तर प्रदेश अब ऊर्ज़ा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की ओर तेजी से अग्रसर है, जो प्रदेश के उज्ज्वल भविष्य का संकेत है। उल्लेखनीय है कि कानपुर के घाटमपुर में तापीय विद्युत परियोजना की यूनिट-1 एवं यूनिट-2 पहले ही क्रमशः दिसंबर 2024 और दिसंबर 2025 से सफलतापूर्वक संचालन में हैं, जो इस परियोजना की निरंतर प्रगति को दर्शाता है। भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय की ओर से निर्धारित आवंटन के अनुसार, इस परियोजना से उत्पादित लगभग 93.11 फीसदी बिजली उत्तर प्रदेश को प्राप्त होगी, जबकि शेष बिजली अन्य राज्यों को आपूर्ति की जाएगी। इससे न केवल प्रदेश की ऊर्ज़ा आवश्यकताओं की पूर्ति होगी, बल्कि अंतरराज्यीय ऊर्ज़ा संतुलन को भी मजबूती मिलेगी।

आईपीएल की ड्यूटी में तैनात पुलिसकर्मियों को दिया जा रहा बदबूदार खाना

लखनऊ। राजधानी के इकाना स्टेडियम में इन दिनो आईपीएल के मैचों का आयोजन किया जा रहा है। कानून व्यवस्था और सुरक्षा इंतजामों के लिये लखनऊ कमिश्नरेट के हर स्तर के पुलिसकर्मियों को ड्यूटी पर तैनात किया गया है। ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को इकाना स्टेडियम प्रशासन की तरफ भोजन के पैकेट प्रदान किये जाते है। वहां ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों ने आरोप लगाया है कि पैकेट में मिले भोजन की क्वालिटी ठीक नही है। हो सकता है देर से मिलने और गर्मी के कारण भोजन प्रदूषित हो गया हो। पुलिसकर्मियों के अनुसार मिले भोजन में सड़ने की बदबू आ रही थी। जिसके कारण उसे खाने की बजाय फ़ेकना पड़ा। सवाल यह उठता है आईपीएल जैसे आयोजनों में पैसो की कोई कमी नहीं होती है। जो बीसीसीआई की पूर्ण निगरानी में होते है। वहां रात-दिन ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों का इतनी घटिया क्वालिटी का खाना कैसे दिया जा सकता है। जबकि आयोजकों की तरफ से फंडिग भरपूर आती है। जिन घटिया काले रंग की प्लास्टिक की थाली में खाना पैक करके दिया जा रहा है वह किसी भी सूरत से फूड ग्रडेबल नहीं है। और किसी भी हालत में भोजन पैक करके दने लायक नहीं है। पुलिसकर्मियों का आरोप सत्य हो सकता है क्योकि गर्म भोजन को घटिया प्लास्टिक में तुरंत पैक कर दिया जाय तो कुछ ही घंटों की देरी से वह पूरी तरह खराब हो जाता है। इस समस्या को देखना स्टेडियम तथा प्रशासन का कार्य है कि ड्यूटी पर तैनात किसी भी कर्मचारी को समय पर ताजा भोजन मिल सके। इस संबंध में बात करने पर ज्वाइंट पुलिस कमिश्नर कानून व्यवस्था ने कहा कि ऐसी कोई शिकायत किसी अधिकारी ने नहीं की है। लेकिन यदि ऐसा है तो वे खुद इसकी जांच करेगें। पुलिसकर्मी उनका परिवार है उनकी देखभाल व उनकी सुविधाओं को देखना उनकी जिम्मेदारी है।

शिक्षा ही वह मजबूत आधार है, जो बच्चों के उज्जवल भविष्य का निर्माण करती है: प्रेमावती

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वाराणसी के कंपोजिट विद्यालय शिवपुर से प्रदेश व्यापी स्कूल चलो अभियान 2026 का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों को नवीन शैक्षणिक सत्र की पाठ्य पुस्तकें व निपुण विद्यालयों एवं निपुण विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। इसी क्रम मे बेसिक शिक्षा विभाग हरदोई द्वारा स्कूल चलो अभियान के अंतर्गत गुणवत्ता परक शिक्षा को जन-जन तक पहुंचाने तथा समाज मे शिक्षा के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से रसखान प्रेक्षागृह हरदोई मे एक जिलास्तरिय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि अध्यक्ष जिला पंचायत हरदोई प्रेमावती पीके वर्मा द्वारा माँ शारदे की प्रतिमा के सम्मुख दीप प्रज्वलन के उपरांत होनहार छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत प्रस्तुत कर तथा प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा पुष्प गुच्छ भेंट कर, मुख्य अतिथि का स्वागत अभिनन्दन किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष प्रेमावती ने शैक्षणिक क्षेत्र मे उल्लेखनीय योगदान प्रदान करने वाले गुरुजन एवं प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को पुरस्कृत करए विद्यार्थियों को नवीन शिक्षण सत्र का पाठ्यक्रम व् उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं प्रदान की गईं। इस अवसर पर अध्यक्ष प्रेमावती ने स्कूल चलो अभियान रैली को हरी झंडी दिखाकर, समाज मे शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने का आह्वान करते हुए, कहा कि शिक्षा ही वह मजबूत आधार है, जो बच्चों के उज्जवल भविष्य का निर्माण करती है। हम सभी का दायित्व है कि प्रत्येक बच्चे को विद्यालय से जोड़ें और उसे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दिलाने में अपना योगदान दें। कार्यक्रम मे प्रमुख रूप से मुख्य विकास अधिकारी सान्या छाबड़ा, जिला विद्यालय निरीक्षक बाल मुकुंद प्रसाद, प्राचार्य/उप शिक्षा निदेशक रमेन्द्र कुमार सिंह व् जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ० अजित सिंह सहित शिक्षा परिवार हरदोई व् होनहार विद्यार्थी उपस्थित रहे।

बिजली विभाग की समीक्षा बैठक का जनप्रतिनिधियों ने किया बहिष्कार

जनप्रतिनिधियों का इंतजार करते बिजली विभाग के अधिकारी व कर्मचारी फोटो: राष्ट्रीय प्रस्तावना

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। बिजली विभाग के चीफ इंजीनियर, अधीक्षण अभियंता, अधिशासी अभियंता समेत सभी उपखंड अधिकारी करते रह गए जनप्रतिनिधियों का इंतजार, मीटिंग का निर्धारित समय 12:00 था लेकिन 12:30 बजे तक स्वामी विवेकानंद सभाकर कलेक्ट्रेट में कोई भी जनप्रतिनिधि नहीं पहुंचा।

सदर सांसद जयप्रकाश बैठक में पहुंचे लेकिन उन्होंने अधिकारियों से दो टूक शब्दों में कहा यदि विधायक आपकी कार्य प्रणाली से नहीं संतुष्ट हैं तो मेरे संतुष्ट होने का कोई सवाल ही नहीं उठता है, जब तक जनपद के सभी विधायक, दोनों सांसद, दोनों विधान परिषद सदस्य, आपकी कार्यप्रणाली से संतुष्ट नहीं होते हैं तब तक ऐसी बैठकों का कोई औचित्य नहीं, सदर सांसद जयप्रकाश रावत ने कहा कि जिले के अधिकांश उपखंड अधिकारी 10 से 12 बजे तक अपने कार्यालय में नहीं बैठते हैं, जनता की समस्याओं को नहीं सुनते हैं और जन प्रतिनिधियों व पत्रकारों का फोन नहीं उठाते हैं, सदर सांसद जयप्रकाश रावत ने अधिकारियों को अपनी कार्यप्रणाली में सुधार लाने के लिए फटकार लगाई।

नगर पालिका के नामित सभासदों को शपथ ग्रहण कराई गई, मधु मिश्रा ने ग्रहण नहीं की शपथ

सभासदों को शपथ दिलाते हुए एसडीएम अंकित तिवारी

राष्ट्रीय प्रस्तावना

शाहाबाद (हरदोई)। शासन द्वारा नगर पालिका परिषद में नामित पांच सभासदों में से चार सभासदों ने शनिवार को शाम पालिका कैंपस में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में पद और गोपनीयता की शपथ ली। एसडीम अंकित तिवारी ने सभासदों को तालियों की गड़गड़ाहट के बीच शपथ दिलाई । नगर पालिका परिषद में शासन द्वारा नामित सभासद सुभाष रस्तोगी, महेंद्र बाल्मीकि, यदुवीर सिंह, अजीत सिंह एवं मधु मिश्रा को नामित किया गया था। शनिवार को पालिका कैंपस में शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया जिसमें मधु मिश्रा शपथ ग्रहण समारोह में अनुपस्थित रहीं। और उनकी अनुपस्थिति चर्चा का विषय रही। शेष चार सभासदों को एसडीएम अंकित तिवारी ने पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस कार्यक्रम में बतौर और मुख्य अतिथि प्रदेश सरकार की उच्च शिक्षा मंत्री और शाहाबाद विधानसभा क्षेत्र की विधायक श्रीमती रजनी तिवारी को आना था परंतु पार्टी के विशेष कार्य की वजह से वह लखनऊ रवाना हो गई। उनके स्थान पर भारतीय जनता पार्टी के जिला महामंत्री सतेंद्र राजपूत ने जिम्मेदारी संभाली। इस अवसर पर एसडीएम अंकित तिवारी ने कहा सभासद जनता की आवाज होते हैं। सभासद क्षेत्र की समस्याओं को नगर पालिका प्रशासन के समक्ष रखते हैं और पालिका प्रशासन समस्याओं का निराकरण करता है। उन्होंने कहा सभी सभासदों से उम्मीद है कि वह अपने पद की गरिमा बनाए रखते हुए जनता और प्रशासन के बीच एक संवाद का काम करेंगे।

भाजपा जिला महामंत्री सत्येंद्र राजपूत ने नामित सभासदों को शुभकामनाएं दी और उम्मीद जताई कि सभासद अपने कर्तव्यों का निर्वहन करेंगे और जनता के कार्यों को संपादित करने में पूर्ण सहयोग देंगे। इस मौके पर भारतीय जनता पार्टी के नगर अध्यक्ष अनिल पांडे पिंटूए आनंद गुप्ताए अंकित गुप्ताए गोपाल त्रिपाठी सहित बड़ी संख्या में भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भाजपा सरकार ने देशवासियों को लाइन में लगा दिया: विक्रम

राष्ट्रीय प्रस्तावना

परिचर्चा में बोलते कांग्रेस के पदाधिकारी

शाहाबाद (हरदोई)। मोहल्ला महुआटोला में कांग्रेस पार्टी द्वारा आयोजित परिचर्चा कार्यक्रम में पार्टी के जिला अध्यक्ष ने करीब आधा सैकड़ा लोगों को कांग्रेस पार्टी में शामिल करवाया। कार्यक्रम में कांग्रेस के पूर्व जिला अध्यक्ष सहित कई वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद रहे। कांग्रेस के जिला अध्यक्ष विक्रम पाण्डेय ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए भाजपा सरकार को नाकाम सरकार बताया। उन्होंने कहा भाजपा की सरकार का जब से गठन हुआ है तब से पूरे देश की आम जनता लाइन में लगकर त्राहि त्राहि कर रही है। नोट बंदी से लेकर घरेलू गैस तक सरकार ने आम जनता को केवल ठगने का कार्य किया है। कांग्रेस के पूर्व जिला अध्यक्ष अजय सिंह ने कहा भाजपा सरकार ने देश को बेरोजगार कर दिया। मंहगाई पर सरकार का कोई नियंत्रण नहीं है। हर जगह काला बाजारी ने अपने पाँव पसार रखे हैं। देश का अन्न दाता खाद, बिजली, पानी, बीज की समस्या से जूझ रहा है। सरकार किसानों के लिए बहुत कुछ मुफ्त देने के झूठे दावे कर रही है। पीसीसी सदस्य गुफरान कौसर ने कहा भाजपा सिर्फ धर्म के नाम पर अपनी राजनैतिक रोटियां सेक रही है उसे जनता के दर्द से कोई सरोकार नहीं है। कांग्रेस के हरदोई शहर अध्यक्ष अनुपम दीक्षित ने कहा सरकार पूँजीपतियों की है। भाजपा को गरीब, मजदूर, बेरोजगार, नौजवान से कोई हमदर्दी नहीं है। सरकार केवल पांच किलो राशन मुफ्त बाँट कर जनता को गुमराह कर रही है। सरकार विकसित देश की खोखली घोषणा कर अपनी पीठ थपथपाने का कार्य रही है। कार्यक्रम में मोहम्मद आजम खान, फैज खान, मोबिन खान, अजीम खान, सोनू, अमन, तकरीर, हकीमुल्ला, फैजल खांए जुबैर खां, जवाहर सिंह, रोहित पाठक, सलीम, हम्माद, रजनीश, पप्पू, महताब, पंकज सहित करीब पचास लोग कांग्रेस की नीतियों से प्रभावित होकर पार्टी में शामिल हुए। इस अवसर पर कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष कमलेश रस्तोगी, जिला महासचिव लक्ष्मी प्रकाश मिश्र, इरफ़ान अंसारी, बल्तेज बरार सहित कांग्रेस कार्यकर्त्ता उपस्थित रहे।

कांग्रेस प्रतिनिधि मंडल ने शोक जताया

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कांग्रेस हरदोई की पूर्व जिला सचिव के पुत्र के आकस्मिक निधन पर कांग्रेस के प्रतिनिधि मंडल ने जिला अध्यक्ष के नेतृत्व में उनके शाहाबाद स्थित आवास पर पहुंचकर शोक संवेदना व्यक्त की। कांग्रेस की पूर्व जिला सचिव शाहाबाद क़स्बा निवासी नीलू वर्मा के पुत्र चंदन वर्मा उर्फ़ शिवम की बीते दिनों ट्रेन दुर्घटना में आकस्मिक मौत हो गई थी। कांग्रेस के जिला अध्यक्ष विक्रम पाण्डेय, पूर्व जिला अध्यक्ष अजय सिंह, हरदोई शहर अध्यक्ष अनुपम दीक्षित, जिला उपाध्यक्ष कमलेश रस्तोगी, पीसीसी मेंबर गुफरान कौसर, महासचिव मोरध्वज वर्मा सहित सभी नेताओं ने शोक संतप्त परिवार से मुलाकात कर अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की, इस दु:ख की घड़ी में परिवार को धैर्य एवं शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से कामना की।

कांग्रेस नेत्री नीलू वर्मा के आवास पर कांग्रेस प्रतिनिधि मंडल

सम्पूर्ण समाधान दिवस हुआ सम्पन्न

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। शनिवार को तहसील सभागार में तहसील दिवस का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता एडीएम प्रियंका सिंह ने की। इस मौके पर राजस्व और अन्य विभागों से संबंधित 69 शिकायतें आई जिनमें से 7 शिकायतों का मौके पर निस्तारण कर दिया गया। शेष शिकायतों को निस्तारित करने के लिए संबंधित विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देशित किया गया है। एडीएम प्रियंका सिंह ने कहा संपूर्ण समाधान दिवस में आने वाली शिकायतों का समय के अंदर न्यायपूर्ण तरीके से निस्तारण किया जाए। संबंधित विभागीय अधिकारी और कर्मचारी मौके पर जाकर मौका मुआयना करें उसके बाद ही शिकायत का निस्तारण करें। अगर किसी भी अधिकारी या कर्मचारी ने बिना मौके पर जाए शिकायत का निस्तारण कर दिया तो उसके खिलाफदंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। इस मौके पर एसडीएम अंकित तिवारीए तहसीलदार संध्या यादवए प्रभारी निरीक्षक अरविंद राय सहित समस्त विभागों के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

शिकायत सुनती एडीएम प्रियंका सिंह फोटो: राष्ट्रीय प्रस्तावना

पूर्व सभासद के निधन पर शोक, सहानुभूति और श्रद्धांजलि का दौर जारी

कछौना (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। नगर पंचायत कछौना पतसेनी के पूर्व सभासद के निधन की खबर मिलते ही पूरे नगर में शोक की लहर दौड़ गई! उनके निधन से परिजनों के साथ.साथ समर्थकों और नगर वासियों में गहरा दुख व्याप्त है!जैसे ही लोगों इस दुखद समाचार की सूचना मिली उनके आवास पर शोक व्यक्त करने वाला का ताँता लग गया! 70 वर्षीय पूर्व सभासद जमील मंसूरी अपने सरल सौम्य और मिलनसार स्वभाव के लिए जाने जाते थे! अपने कार्यकाल के दौरान आमजन की समस्याओं को प्राथमिकता देते हुए वार्ड के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया! सड़क सफाई पेयजल आवास और अन्य मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए उनका प्रयास सदैव सराहनीय रहा! वह सामाजिक और धार्मिक कार्यक्रमों में भी बढ़कर हिस्सा लेते थे और हर वर्ग के लोगों के बीच उनकी अच्छी पकड़ थी! जिसके चलते क्षेत्र में उनकी एक अलग पहचान थी उनके निधन पर क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों समाजसेवियों राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं व अन्य गणमान्य नागरिकों ने गहरा शोक व्यक्त किया है! सभी ने उनके आवास पहुंचकर परिजनों को सहानुभूति और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की!

पूर्व सभासद स्वर्गीय जमील मंसूरी मंसूरी

घायल अवस्था में मिला मोटरसाइकिल चालक

कोथावाँ (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। अनियंत्रित बाइक सवार हुआ चोटिल। यूपी 30 बीके 1488 स्प्लेंडर मोटर साइकिल सवार कोतवाली क्षेत्र बेनीगंज के जरोआ गांव के समीप अतरौली सड़क मार्ग पर महालक्ष्मी धर्मकांटा के नजदीक सड़क किनारे चोटिल पाए जाने पर राहगीरों ने उसे नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र कोथावां भेजा। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक घायल युवक की पहचान नहीं हो सकी। हालांकि मौके पर कुछ देर बाद पहुंची पुलिस ने जांच शुरू की।

ससुर और बहू ने मिलकर पिटाई की

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कोतवाली के मोहल्ला सैय्यद वाडा में एक बहू ने अपने ससुर के साथ मिलकर सास की डंडों से पिटाई कर दी जिससे सास के काफी चोटें आई हैं । घटना की रिपोर्ट दर्ज कराई गई । सास का मेडिकल परीक्षण कराया गया। कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला सैय्यद बाड़ा निवासी गीता देवी पत्नी भगवान शरण के अनुसार 2 अप्रैल को दोपहर ०2:00 बजे उसकी बहू गायत्री पत्नी मोहित ने अकारण गाली गलौज किया। जब उसने विरोध किया तो गायत्री और पति भगवान शरण ने मिलकर उसे डंडों से पीटा जिससे उसे काफी चोटें आई। घटना की नाम जद रिपोर्ट दर्ज कराई गई। घायल का मेडिकल परीक्षण कराया गया।

देवर ने भाभी को पीट कर घायल किया

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला कटरा निवासी विकास श्रीवास्तव पुत्र जितेंद्र श्रीवास्तव के अनुसार उसकी पत्नी रीना श्रीवास्तव घर पर अकेली थी। उसके छोटे भाई अजय श्रीवास्तव उर्फ़ शिवम ने अकारण पत्नी को गाली गलौज किया। विरोध करने पर डंडों से पीट कर घायल कर दिया। घायल को तत्काल सीएचसी ले जाया गया। जहां से डॉक्टर ने जिला अस्पताल रेफर किया। जहां उसका इलाज चल रहा है। पीड़ित पत्नी ने कोतवाली में आरोपी भाई के खिलाफरिपोर्ट दर्ज कराई है।

भूमि विवाद को लेकर दबंगों ने महिलाओं को पीटा

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कोतवाली क्षेत्र के गहोरा गांव में भूमि विवाद के चलते दबंगों ने तीन महिलाओं को पीट कर घायल कर दिया। महिलाओं का डाक्टरी परीक्षण कराया गया। आरोपियों के खिलाफरिपोर्ट दर्ज कराई गई। कोतवाली क्षेत्र के गहोरा गांव निवासी फूलमती पत्नी संभू के अनुसार 3 मार्च को सुबह 10:00 बजे बटेश्वर, अवनीश, विदेश एवं बटेश्वर की पत्नी ने फूलमती पर डंडों से हमला कर दिया। चीखने चिल्लाने पर पुत्री दुर्गा और बहू सोनिका बचाने दौड़ी तो दबंगों ने उनके ऊपर भी डंडों और लाठियों से हमला कर दिया जिससे वह भी घायल हो गयीं। घटना की रिपोर्ट दर्ज कराई गई। घायलों का मेडिकल परीक्षण कराया गया। प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार राय ने बताया आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच पड़ताल की जा रही है।

आँगन बाड़ी केंद्र भवन, स्वास्थ्य उपकेंद्र का हुआ लोकार्पण

- महिलाओं के लिए जिले का पहला राजकीय महाविद्यालय शाहाबाद में खुलने जा रहा है
- जल्द ही इंजीनियरिंग भी खुलेगा: रजनी तिवारी

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरियावाँ (हरदोई)। क्षेत्र के ग्राम पंचायत अरुआ में विद्यालय के अतिरिक्त कक्ष, मॉडल आँगन बाड़ी केंद्र भवन, स्वास्थ्य उप केंद्र का लोकार्पण एवं होली मिलन समारोहों में मुख्य अतिथि राज्य मंत्री रजनी तिवारी ने बताया कि शासन की मंशा के अनुसार निरंतर विकास कार्य करवाए जा रहे है, जिले में पहला राजकीय महिला डिग्री कालेज शाहबाद क्षेत्र में स्थापित होने जा रहा है, जल्द ही इंजीनियरिंग कालेज की स्थापना होगी। ग्राम अरुआ के मजरा बनावा में प्रधान प्रतिनिधि अनिल के नेतृत्व में होली मिलन समारोह एवं लोकार्पण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में राज्य मंत्री रजनी तिवारी उपस्थित रहीं। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में ब्लॉक प्रमुख कुशी बाजपेई और जिला पंचायत सदस्य सोनू भारती, प्रधान जग देवी, लकी शर्मा एन एस रिसोर्ट, संतोष वर्मा, सज्जन तिवारी आदि मौजूद रहे जबकि इटारा में आदेश दीक्षित, रामपुर में सोनू अवस्थी तथा कोड़ा में प्रधान धर्मेंद्र कश्यप द्वारा कार्यक्रम आयोजित किए गए, इन कार्यक्रमों में अखिलेश तिवारी, प्रधान चंद्र शेखर, रंजीत सिंह, अखिलेश बाजपेई, कमल किशोर दीक्षित, सज्जन तिवारी, अनिल दीक्षित, अनिल शुक्ला, हर्ष द्विवेदी, मोहित तिवारी आदि क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। समारोहों में अतिथियों का सभी स्थानों पर फूल-मालाओं से स्वागत किया गया। इस अवसर पर अतिथियों ने सभी क्षेत्रवासियों को होली की शुभकामनाएं दीं।

साईं स्थापना दिवस पर आयोजित रात्रि जागरण में झूम उठे भक्त गण

राष्ट्रीय प्रस्तावना

मल्लावाँ (हरदोई)। साईं मंदिर श्यामपुर के 17 वें स्थापना दिवस वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में साईं भक्तों द्वारा धूमधाम से रात्रि जागरण का कार्यक्रम संपन्न किया गया। कानपुर से आए कलाकारों द्वारा साईबाबा एवं माता रानी के भजनों के प्रस्तुतीकरण एवं झांकियों के माध्यम से भक्तगण झूम उठे।

साईं बाबा के वार्षिकोत्सव कार्यक्रम के दौरान शुक्रवार की शाम माता मान देवी मंदिर प्रांगण श्यामपुर में मां अंबे जागरण ग्रुप बिल्हौर कानपुर नगर के कलाकारों ने माता रानी एवं साईं बाबा के विशेष भजनों को सुना कर भक्तों को जहां भाव विभोर किया वही अतुल सांवरे झांकी ग्रुप के कलाकारों द्वारा विभिन्न में झांकियों को देखकर लोग मंत्रमुग्ध हो गए। जागरण के शुभारंभ में मंदिर के मंदिर के व्यवस्थापक गौरव सोनी एवं सियाराम अर्कवंशी तथा दिल्ली से पधारे मुख्य यजमान महेश सिंह ए मीनू सिंह अर्कवंशी ने सभी कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर विधि विधान पूर्वक पूजन अर्चन किया। जगराते का शुभारंभ करते हुए पार्टी के संचालक अतुल सांवरे एडवोकेट ने गणेश वंदना एवं सरस्वती बंदना के साथ भजन कई भजन सुना कर भक्ति का माहौल बनाया। कानपुर से पधारी गायिका राधिका राधे बृजवासी ने माता का भजन-लगन मैया से लगा बैठे हो जो होगा देखा जाएगा, तेरी रहमतों का दरिया सरेआम चल रहा है बदौलत आप की मैया बनी इतनी बनी कदर मेरी, सहित भजन तेरा दर मिल गया मुझको सहारा हो तो ऐसा हो सुनाकर खूब तालियां बटोरी। कई बड़े प्लेटफार्म पर काम करने वाली सुप्रसिद्ध गायिका अनुष्का शर्मा ने मैया का चोला है रंग लाल सहित शिरडी वाले साईं बाबा आया है तेरे दर पर सवाली आदि भजन सुना कर भक्तजनों को भावविभोर किया। गायक सुरजीत सिंह सोना कानपुर ने मेरे घर के आगे साईं नाथ मेरा मंदिर बन जाए मैं खिड़की खोलूं जब तेरा दर्शन हो जाए आदि कई भजनों को प्रस्तुत कर भक्तगणों को खूब झुमाया। गायक उपदेश राज ने अपनी भक्तिमई शैली से माता का भजन चलो बुलावा आया है माता ने बुलाया है, सहित कई कई भजनों को प्रस्तुत कर लोगों को झूमने पर मजबूर कर दिया। अतुल सांवरे झांकी ग्रुप के द्वारा भगवान गणेश, शिव पार्वती, राधा कृष्ण, 51 मुखी मां काली तांडव नृत्य, कंस वध, वृंदावन का महारास, नारायण अवतार सहित कई झांकियों के प्रस्तुतीकरण को देखकर भक्त झूम उठे। जगराते का समापन तारा रानी की कथा के साथ कर के प्रसाद वितरण किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में माता मान देवी मंदिर समिति के अध्यक्ष राजेश पाठक, समाजसेवी विशाल जायसवाल, महेश सिंह अर्कवंशी, मीनू सिंह अर्कवंशी, मंदिर के व्यवस्थापक गौरव सोनी एवं सियाराम अर्कवंशी, रामकिशन, अनिल अर्कवंशी, सत्यशील पांडे, विपिन सोनी, महेश गुप्ता, धीरज सोनी, मनीष वर्मा, आकाश ओमर निक्की, आर्यन, सरोज अर्कवंशी, रवि सैनी, अंशु सिंह पटेल, हर्षित, धीरू, अखिलेश, छोटू यादव, अमर सिंह, भोला सैनी, रोहित सहित कई भक्तों का विशेष योगदान रहा।

धूमधाम से मनाया गया भगवान चित्रगुप्त का प्राकट्य दिवस

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। चित्रगुप्त भवन, सराय थोक पश्चिमी में भगवान चित्रगुप्त जी का प्राकट्य दिवस खूब धूमधाम से मनाया गया, जिसमें भगवान चित्रगुप्त जी को माल्यार्पण करके, उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की गई, एवं उनका आरती पूजन किया गया। संरक्षक राजवर्धन श्रीवास्तव एवं सुधीर श्रीवास्तव ने भगवान के प्राकट्य दिवस की विस्तृत व्याख्या की तथा समाज को भगवान चित्रगुप्त के बताए नीति एवं नियमों पर चलने की बात कही, अशोक श्रीवास्तव ने समाज को एक सूत्र में बंधकर आगे बढ़ने की बात कही। कार्यक्रम के दौरान कार्यकारिणी को और शसक्त एवं प्रभावशाली बनाने के लिए, सुधीर श्रीवास्तव के प्रस्ताव पर, संरक्षक राजवर्धन श्रीवास्तव एवं अध्यक्ष अशोक श्रीवास्तव के सहमति के बाद महामंत्री धीरज अस्थाना ने अमरेंद्र श्रीवास्तव को कार्यकारिणी में जिला उपाध्यक्ष पद पर नामित किया, साथ ही कार्यक्रम के दौरान, अध्यक्ष अशोक श्रीवास्तव को नृसिंह भगवान समिति में उपाध्यक्ष पद पर नामित होने के लिए सम्मानित किया गया, अंत में धीरज अस्थाना ने सभी आए हुए चित्रांश स्वजन को धन्यवाद ज्ञापित किया।

बैठक में श्याम प्रकाश श्रीवास्तव, हरि प्रकाश श्रीवास्तव, ज्योति सिन्हा, अनुराग श्रीवास्तव, आशीष अस्थाना, संजू श्रीवास्तव, वीरेश श्रीवास्तव, आकाश दीप अस्थाना, नीरज अस्थाना, महेश चंद्र श्रीवास्तव, सत्येंद्र नाथ वर्मा, विकास श्रीवास्तव, मृदुल श्रीवास्तव, पुनीत श्रीवास्तव सुशील श्रीवास्तव, महेंद्र श्रीवास्तव, गोपाल श्रीवास्तव सहित काफी संख्या में चित्रांश जन उपस्थिति रहे।

गरीबों के निवाले पर डाका डालने वाले कोटेदार नत्थूलाल के पाप का घड़ा फूटा, दर्ज हुई एफआईआर

कोथावाँ (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। सावधान!

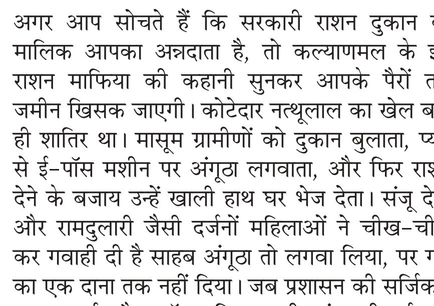

अगर आप सोचते हैं कि सरकारी राशन दुकान का मालिक आपका अन्नदाता है, तो कल्याणमल के इस राशन माफिया की कहानी सुनकर आपके पैरों तले जमीन खिसक जाएगी। कोटेदार नत्थूलाल का खेल बड़ा ही शातिर था। मासूम ग्रामीणों को दुकान बुलाता, प्यार से ई-पॉस मशीन पर अंगूठा लगवाता, और फिर राशन देने के बजाय उन्हें खाली हाथ घर भेज देता। संजू देवी और रामदुलारी जैसी दर्जनों महिलाओं ने चीख-चीख कर गवाही दी है साहब अंगूठा तो लगवा लिया, पर गल्ले का एक दाना तक नहीं दिया। जब प्रशासन की सर्जिकल स्ट्राइक हुई और स्टॉक रजिस्टर की जांच की गईए तो अधिकारी भी दंग रह गए। कागजों में जो राशन गरीबों के पेट में होना चाहिए था, वह काले बाजार की भेंट चढ़ चुका था। गेहूँ: 137 क्विंटल से ज्यादा गोल। चावल: 89 क्विंटल का कहीं पता नहीं। ज्वार- आवंटित कोटे का 80 प्रतिशत हिस्सा हवा हो गया। डीएम का हंटर चला, अब जेल की सलाखें तैयार। बताते हुए कि हरदोई के जिलाधिकारी ने इस धोखाधड़ी पर सख्त रुख अपनाते हुए 02 अप्रैल 2026 को ही एफआईआर लिखाने का फरमान जारी कर दिया है। इस खतरनाक धारा के तहत नत्थूलाल पर शिकंजा कसा गया है। जांच का जिम्मा: जांबाज उपनिरीक्षक अनेक पाल सिंह अब इस पूरे रैकेट की जड़ें खोदेंगे। बड़ा सवाल यह है कि क्या नत्थूलाल अकेला था या विभाग के कुछ सफेदपोश भी इस लूट में शामिल थे? प्रशासन की इस कार्रवाई से पूरे जिले के भ्रष्ट कोटेदारों में हड़कंप मच गया है।

गौ गीता गंगा रक्षा मंच के तत्वाधान मे बैठक हुई संपन्न

मल्लावाँ (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। क्षेत्र के ग्राम मगरहा मे श्री मानस मंदिर पारिसर मे गौ गीता गंगा रक्षा मंच के तत्वाधान में बैठक का आयोजन किया गया जिसमें गंगा को निर्मल बनाना गीता की सुरक्षा करना गौ माता की रक्षा करना पर चर्चा की गई। इस चर्चा में संगठन के राष्ट्रीय महामंत्री एस डी ग्रुप के संस्थापक श्यामू द्विवेदी ने कहा कि इन तीनों धरोहरो को राष्ट्रीय धरोहर घोषित कराने को संगठन प्रयास रत है भाजपा नेता अशोक सिंह ने कहा कि गंगा को निर्मल बनाना गौ माता गीता की सुरक्षा करने के बावजूद हमें पर्यावरण पर भी ध्यान देना होगा हम सब संकल्प लें कि अपने माता-पिता के नाम से एक पेड़ जरूर लगावे जिससे स्वच्छ वातावरण सुंदर पर्यावरण हमें आक्सीजन प्रदान करेगा। कार्यक्रम का आयोजन ग्राम प्रधान मगरहा सुरेश राजपूत ने किया जिसमे चोखा वाटी का दिव्य भोजन कराया गया। इस मौके पर उपस्थित श्यामू द्विवेदी गौ गीता गंगा रक्षा मंच राष्ट्रीय संगठन महा मंत्री, अशोक सिंह अध्यक्ष जिला सहकारी बैंक हरदोई, वरिष्ठ भाजपा नेता अजय कुमार अवस्थी, चन्दगीराम मिश्रा पत्रकार प्रदेश मीडिया प्रभारी, संजीव पाठक पत्रकार तहसील मीडिया प्रभारी, जितेन्द्र पाठक पत्रकार, बेचेलाल पत्रकार, चंद्र राम तिवारी कुश्ती कोच जनपद उन्नाव, सुरेश प्रधान, राजू यादव प्रधान, विजय यादव प्रधान, संतराम कोटेदार, डॉ० रतीभान सिंह, बबलू राजपूत, अमर सिंह पाल, सूरज, मोतीलाल, छोटे सिंह, मदन वर्मा, गोकुल राजपूत, बृजकिशोर शर्मा, रवि राजपूत, और छोटे यादव आदि लोग उपस्थित रहे।

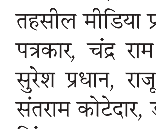

पाषाण युग का सच

क्या पाषाण युग में रहने वाले लोग दूरी तक मार करने वाली मिसाइल, अत्याधुनिक संचार प्रणाली, चिकित्सा विज्ञान में आधुनिक आविष्कार कर सकते हैं या इन सबसे बढ़कर परमाणु हथियार बना सकते हैं। यह सवाल इसलिए क्योंकि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को नयी धमकी देते हुए कहा है कि अगले दो से तीन हफ्तों में, हम उन्हें पाषाण युग में वापस भेज देंगे, जहां वे वास्तव में हैं। पाठक जानते हैं कि ट्रंप इससे पहले ईरान के लोगों को बेहद खतरनाक बताते हुए ईरान जैसे देश को पूरी तरह नेस्तनाबूद करने की बात भी कह चुके हैं। ईरान के पास परमाणु हथियार है और इसकी वजह से अमेरिका समेत पूरी दुनिया पर बड़ा खतरा है, इसी बहाने के साथ इजरायल और अमेरिका ने 28 फरवरी 2026 को ईरान पर हमला बोला था और उसके सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई की हत्या कर दी थी। जब इंसान सभ्यता की सीढ़ियों पर चढ़ने की कोशिश कर रहा था, उस समय के कबीलाई जीवन में इसी तरह का व्यवहार दो कबीलों में किया जाता था। अपना वर्चस्व कायम करने के लिए दूसरे कबीले के नेता को मार दो और फिर उसके लोगों से कहो कि हमारा आधिपत्य स्वीकार कर लो। उससे भी पहले जो पाषाण युग हुआ था, जिसका जिक्र ट्रंप इस सदी में कर रहे हैं, उस युग में पत्थर से हथियार बनाने का हुनर इंसान ने सीख लिया था, जिसके बूते अब वो जंगली जानवरों से खुद को बेहतर बताने लगा था। जानवरों के पास उनके पंजे और नाखून ही हुआ करते थे, इंसान के पास पंजे, नाखून के साथ अब औजार भी थे। उनके बीच फर्क केवल इन्हीं औजारों का ही था। बाकी प्रवृत्ति दोनों की एक जैसी ही थी कि अपना अस्तित्व बचाने के लिए दूसरे को मार डालो। लड़ाई के नियम-कायदे नहीं होते थे, ताकत और ही मायने रखती थी। कोई कमजोर है, निहत्था है, लड़ाई के लिए तैयार है या नहीं, लड़ाई की जरूरत है या नहीं, ऐसे सवालों में उलझे बिना केवल अपने फायदे के लिए हमले होते थे। इस लिहाज से देखें तो आज ईरान नहीं अमेरिका पाषाण युग का प्रतिनिधित्व करता हुआ दिख रहा है और डोनाल्ड ट्रंप इस कबीले के मुखिया के तौर पर जहां मर्जी वहां हमला कर रहे हैं। ईरान के साथ युद्ध पांचवे हफ्ते में प्रवेश कर चुका है, और अब तक डोनाल्ड ट्रंप और बेंजामिन नेतन्याहू को सफलता नहीं मिली है। ऐसे में ट्रंप ने जब राष्ट्र के नाम संबोधन का ऐलान किया तो सभी को लगा कि शायद युद्ध खत्म करने की बात कही जाएगी, इस वजह से शेयर बाजार भी चढ़ गया। लेकिन ट्रंप के भाषण में अब तक सोशल मीडिया और मीडिया में कही गई बातों का दोहराव ही था। यह बिल्कुल साफ हो गया कि ईरान युद्ध को लेकर अमेरिका के पास कोई रणनीति नहीं है और वह पूरी तरह से इजरायल लॉबी की गिरफ्त में है। इस युद्ध के कारण दुनिया में पहले ही काफी तबाही हो चुकी है और अब नजर आ रहा है कि युद्ध लंबा खिंचेगा और भारत समेत दुनिया के अधिकतर देशों के लिए आर्थिक चुनौतियां गंभीर होती जायेंगी। ऐसे में मोदी सरकार को अब वाकई संकट से निपटने के लिए कमर कस लेना चाहिए। अपने भाषण में ईरान को बर्बाद करने का दावा करते हुए ट्रंप ने कहा कि उसकी नौसेना श्नष्ट्ह हो गई है और उसकी वायुसेना खंडहर हो गई है। उनके अधिकांश नेता अब मर चुके हैं। मिसाइल और ड्रोन लॉन्च करने की उनकी क्षमता में भारी कमी आई है, और उनके हथियार, कारखाने और रॉकेट लॉन्चर टुकड़े-टुकड़े हो रहे हैं। जब यह सब कहा जा रहा था, उस समय ईरान ने इजरायल पर कई मिसाइलें दागीं। ईरानी सेना के प्रवक्ता ने कहा है कि अभी अमेरिका हमारे बारे में पूरी तरह जानता नहीं है। वैसे ट्रंप ने अपने बड़बोलेपन में पूर्व राष्ट्रपतियों का मजाक भी उड़ाया। उन्होंने कहा कि प्रथम विश्व युद्ध में अमेरिकी भागीदारी एक वर्ष, सात महीने और पांच दिन तक चली। द्वितीय विश्व युद्ध तीन वर्ष, आठ महीने और 25 दिन तक चला। कोरियाई युद्ध तीन वर्ष, एक महीने और दो दिन तक चला। वियतनाम युद्ध 19 वर्ष, पांच महीने और 29 दिन तक चला। इराक युद्ध आठ वर्ष, आठ महीने और 28 दिन तक चला। हम इस सैन्य अभियान में 32 दिनों से हैं। और ईरान पूरी तरह से तबाह हो चुका है और वास्तव में अब कोई खतरा नहीं है। यानी पहले के अमेरिकी नेतृत्व ने लंबे युद्धों में हिस्सा लिया, जबकि ट्रंप केवल 32 दिनों की लड़ाई लड़ रहे हैं, हालांकि उन्होंने ये भी कहा कि युद्ध अगले दो से तीन सप्ताह तक चलेगा।

> **ईरान के पास परमाणु हथियार है और इसकी वजह से अमेरिका समेत पूरी दुनिया पर बड़ा खतरा है, इसी बहाने के साथ इजरायल और अमेरिका ने 28 फरवरी 2026 को ईरान पर हमला बोला था और उसके सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई की हत्या कर दी थी। जब इंसान सभ्यता की सीढ़ियों पर चढ़ने की कोशिश कर रहा था, उस समय के कबीलाई जीवन में इसी तरह का व्यवहार दो कबीलों में किया जाता था। अपना वर्चस्व कायम करने के लिए दूसरे कबीले के नेता को मार दो और फिर उसके लोगों से कहो कि हमारा आधिपत्य स्वीकार कर लो।**

घुमंतू समाज की पहचान का आधार बनेगी जनगणना

डॉ. सत्यवान सौरभ

> **सबसे बड़ी विडंबना यह है कि जिन लोगों को आजादी के बाद मुख्यधारा में शामिल किया जाना चाहिए था, वे आज भी पहचान के संकट से जूझ रहे हैं। स्थायी निवास का अभाव, लगातार प्रवास और दस्तावेजों की कमी इनके जीवन की सबसे बड़ी बाधाएं हैं। आधार कार्ड, राशन कार्ड, वोटर आईडी जैसे सामान्य दस्तावेज, जो किसी भी नागरिक के अधिकारों का आधार होते हैं, इन समुदायों के लिए एक सपना बनकर रह जाते हैं। जब पहचान ही नहीं होगी, तो अधिकार कैसे मिलेंगे? यही कारण है कि ये समुदाय सरकारी योजनाओं, आरक्षण और कल्याणकारी कार्यक्रमों से लगातार बाहर रह जाते हैं। शिक्षा के क्षेत्र में स्थिति और भी चिंताजनक है। घुमंतू जीवनशैली के कारण बच्चों की पढ़ाई लगातार बाधित होती है।**

देश में कुछ समुदाय ऐसे भी हैं, जिन्हें आज तक ठीक से गिना ही नहीं गया—न आंकड़ों में, ना नीतियों में, और ना ही संवेदनाओं में। ये वे लोग हैं, जिन्हें कभी अंग्रेजों ने ''जन्मजात अपराधी'' घोषित कर दिया था और आजादी के 78 साल बाद भी जिनकी पहचान उसी कलंक के बोझ तले दबी हुई है। यह विमुक्त, घुमंतू और अर्द्ध-घुमंतू जनजातियां हैं। यह आज भी भारत के विकास के नक्शे में अदृश्य बनी हुई हैं। ऐसे में 2027 की जनगणना केवल एक सांख्यिकीय प्रक्रिया नहीं, बल्कि ऐतिहासिक न्याय का एक सुनहरा अवसर है। ब्रिटिश शासन के दौरान 1871 का आपराधिक जनजाति अधिनियम इन समुदायों के जीवन पर एक अमिट दाग बनकर चिपक गया। इस कानून ने उन्हें जन्म से ही अपराधी घोषित कर दिया, जिससे उनके जीवन का हर पहलू संदेह और निगरानी के घेरे में आ गया। यह केवल एक कानूनी प्रावधान नहीं था, बल्कि सामाजिक बहिष्कार की एक संगठित व्यवस्था थी। स्वतंत्रता के बाद 1952 में इस अधिनियम को समाप्त कर इन समुदायों को ल्लविमुक्तङ्क तो कर दिया गया, लेकिन समाज की मानसिकता आज भी उस औपनिवेशिक सोच से पूरी तरह मुक्त नहीं हो पाई। परिणामस्वरूप, ये समुदाय आज भी पुलिस के संदेह, सामाजिक तिरस्कार और सरकारी उपेक्षा का शिकार बने हुए हैं। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि जिन लोगों को आजादी के बाद मुख्यधारा में शामिल किया जाना चाहिए था, वे आज भी पहचान के संकट से जूझ रहे हैं। स्थायी निवास का अभाव, लगातार प्रवास और दस्तावेजों की कमी इनके जीवन की सबसे बड़ी बाधाएं हैं। आधार कार्ड, राशन कार्ड, वोटर आईडी जैसे सामान्य दस्तावेज, जो किसी भी नागरिक के अधिकारों का आधार होते हैं, इन समुदायों के लिए एक सपना बनकर रह जाते हैं। जब पहचान ही नहीं होगी, तो अधिकार कैसे मिलेंगे? यही कारण है कि ये समुदाय सरकारी योजनाओं, आरक्षण और कल्याणकारी कार्यक्रमों से लगातार बाहर रह जाते हैं। शिक्षा के क्षेत्र में स्थिति और भी चिंताजनक है। घुमंतू जीवनशैली के कारण बच्चों की पढ़ाई लगातार बाधित होती है। एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाते रहने के कारण स्कूलों में नामांकन और निरंतरता दोनों ही मुश्किल हो जाते हैं। परिणामस्वरूप, इन समुदायों में ड्रॉपआउट दर अत्यधिक है और साक्षरता का स्तर बेहद निम्न। शिक्षा से वंचित रहना केवल एक व्यक्तिगत नुकसान नहीं, बल्कि पूरे समुदाय के भविष्य को अंधकार में धकेल देना है। स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति भी इससे अलग नहीं है। स्थायी स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुंच न होने के कारण ये लोग कुपोषण, संक्रमण और अन्य बीमारियों से जूझते रहते हैं। सरकारी अस्पतालों तक पहुंच की कमी और जागरूकता का अभाव उनकी समस्याओं को और गंभीर बना देता है। इन सबके बीच सबसे ज्यादा कठिनाई महिलाओं को झेलनी पड़ती है। एक ओर वे सामाजिक और आर्थिक पिछड़ेपन से जूझती हैं, तो दूसरी ओर लैंगिक भेदभाव और असुरक्षा की मार भी सहती हैं। शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित रहने के कारण उनकी स्थिति और भी कमजोर हो जाती है। कई मामलों में वे राजनीतिक प्रतिनिधित्व से भी दूर रहती हैं, जिससे उनकी आवाज़ नीति-निर्माण तक पहुंच ही नहीं पाती। नीतिगत स्तर पर भी इन समुदायों के साथ लंबे समय तक न्याय नहीं हो पाया है। 2019 में विकास एवं कल्याण बोर्ड का गठन और सीड जैसी योजनाएं शुरू करना सकारात्मक कदम जरूर हैं, लेकिन उनका प्रभाव सीमित रहा है। बजट की कमी, कमजोर कार्यान्वयन और निगरानी तंत्र की अनुपस्थिति इन योजनाओं को प्रभावी बनने से रोकती है। सबसे महत्वपूर्ण समस्या यह है कि इन समुदायों के बारे में सटीक और विश्वसनीय आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं। जब तक किसी समूह की वास्तविक संख्या, स्थिति और आवश्यकताओं का स्पष्ट आकलन नहीं होगा, तब तक उसके लिए प्रभावी नीतियां बनाना संभव नहीं है। यही वह बिंदु है, जहां 2027 की जनगणना एक निर्णायक भूमिका निभा सकती है। अगर इस जनगणना में विमुक्त, घुमंतू और अर्द्ध-घुमंतू जनजातियों के लिए अलग कॉलम और कोड शामिल किया जाता है, तो यह उनके अस्तित्व को औपचारिक मान्यता देने की दिशा में एक बड़ा कदम होगा। यह केवल आंकड़ों का खेल नहीं है, बल्कि यह पहचान, सम्मान और अधिकारों की बहाली का प्रश्न है। हालांकि, इस दिशा में कई चुनौतियां भी सामने आ सकती हैं। जाति जनगणना को लेकर पहले से ही राजनीतिक बहस जारी है और ऐसे में एक नई श्रेणी जोड़ना विवाद को और बढ़ा सकता है। लेकिन यह समझना जरूरी है कि यह मुद्दा केवल राजनीति का नहीं, बल्कि मानवाधिकार और सामाजिक न्याय का है। अगर सरकार और समाज इस दिशा में ईमानदारी से प्रयास करें, तो इन चुनौतियों को पार किया जा सकता है। इसके लिए आवश्यक है कि केंद्र और राज्य सरकारें मिलकर एक समन्वित रणनीति तैयार करें। स्थानीय स्तर पर सर्वेक्षण और डेटा संग्रह की व्यवस्था को मजबूत किया जाए, ताकि घुमंतू समुदायों को सही तरीके से गिना जा सके। आधुनिक तकनीक—जैसे डिजिटल जनगणना और जीपीएस ट्रैकिंग—का उपयोग कर उनकी गतिशील जीवनशैली को ध्यान में रखते हुए डेटा एकत्र किया जा सकता है। साथ ही, गैर-सरकारी संगठनों और सामुदायिक समूहों को इस प्रक्रिया में शामिल करना भी महत्वपूर्ण होगा, क्योंकि वे इन समुदायों के साथ सीधे जुड़े होते हैं और उनकी वास्तविक स्थिति को बेहतर समझते हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के क्षेत्र में विशेष योजनाएं बनाकर इन समुदायों को मुख्यधारा से जोड़ना होगा। मोबाइल स्कूल, अस्थायी स्वास्थ्य केंद्र और कौशल विकास कार्यक्रम जैसे उपाय उनके जीवन में वास्तविक परिवर्तन ला सकते हैं। इसके अलावा, पुलिस और प्रशासनिक तंत्र में संवेदनशीलता लाना भी जरूरी है, ताकि इन समुदायों के प्रति मौजूद पूर्वाग्रहों को समाप्त किया जा सके। वैश्विक स्तर पर भी ऐसे कई उदाहरण मौजूद हैं, जहां घुमंतू और हाशिये पर मौजूद समुदायों के लिए विशेष नीतियां बनाकर उन्हें मुख्यधारा में शामिल किया गया है। यूरोप में रोमा समुदाय के लिए चलाए गए कार्यक्रम इस दिशा में एक सकारात्मक उदाहरण हैं। भारत भी इनसे सीख लेकर अपने संदर्भ में प्रभावी नीतियां विकसित कर सकता है। अंततः, यह सवाल केवल आंकड़ों का नहीं, बल्कि उस न्याय का है, जो इन समुदायों से दशकों से छीन लिया गया है। 2027 की जनगणना इस अन्याय को समाप्त करने का एक ऐतिहासिक अवसर है। अगर इस अवसर को भी गंवा दिया गया, तो यह केवल एक प्रशासनिक विफलता नहीं होगी, बल्कि यह हमारे संविधान के उस वादे का भी उल्लंघन होगा, जो समानता और न्याय की बात करता है। अब समय आ गया है कि हम इन अदृश्य नागरिकों को दृश्य बनाएं, उन्हें गिनें, पहचान दें और उनके अधिकारों को सुनिश्चित करें, क्योंकि जब तक समाज के सबसे अंतिम व्यक्ति को न्याय नहीं मिलेगा, तब तक विकास का कोई भी दावा अधूरा ही रहेगा।

जनजातीय खेल प्रतिभा, हमारा राष्ट्रीय गौरव

द्रौपदी मुर्मु

> **पोखरों-तालाबों में बच्चे खूब तैरते हैं। तैराकी की इस सहज प्रतिभा को अब उपलब्ध प्रशिक्षण और संसाधनों की सहायता से विकसित करके, केवल 15 वर्ष की, जाजपुर की बेटी अंजलि मुंडा ने प्रथम 'खेलो इंडिया जनजातीय खेल 2026' में पहले ही दिन 3 स्वर्ण पदक जीत कर पूरे देश के युवाओं को प्रेरित किया। तीरंदाजी के प्रति जनजातीय लोगों में सहज तरंग सी होती है। संताल-समुदाय ने वर्ष 1855 में शोषण के विरुद्ध एक घनघोर संग्राम किया था, जो 'संताल हूल' के नाम से अमर है।**

मैंने देखा है कि ग्रामीण क्षेत्रों और वनांचलों में, बच्चे घर के बाहर प्रकृति के सानिध्य में अधिक समय बिताते हैं। वे खेल-कूद के सहज तरीके खोज लेते हैं। वे मिट्टी में लकीरें खींचकर और आकृतियां बनाकर, खेलने की जगह तैयार कर लेते हैं। वे फलों के सूखे बीजों का खेल की गोटियों की तरह इस्तेमाल कर लेते हैं। सूखे पत्तों, पेड़ों की जड़ों और फटे-पुराने कपड़ों से गेंद बना लेते हैं। बांस का उपयोग करके हॉकी और फुटबाल के गोल-पोस्ट बना लेते हैं। बहुत से बच्चे बिना जूते और जर्सी के पूरे जोश से खेलते रहते हैं। पोखरों-तालाबों में बच्चे खूब तैरते हैं। तैराकी की इस सहज प्रतिभा को अब उपलब्ध प्रशिक्षण और संसाधनों की सहायता से विकसित करके, केवल 15 वर्ष की, जाजपुर की बेटी अंजलि मुंडा ने प्रथम 'खेलो इंडिया जनजातीय खेल 2026' में पहले ही दिन 3 स्वर्ण पदक जीत कर पूरे देश के युवाओं को प्रेरित किया। तीरंदाजी के प्रति जनजातीय लोगों में सहज तरंग सी होती है। संताल-समुदाय ने वर्ष 1855 में शोषण के विरुद्ध एक घनघोर संग्राम किया था, जो 'संताल हूल' के नाम से अमर है। आधुनिक हथियारों से लैस ब्रिटिश सेनाओं ने उस क्रांति को दबा तो दिया लेकिन अपने विवरणों में अंग्रेजों ने संताल वीरों के युद्ध कौशल, खासकर तीरंदाजी का विशेष उल्लेख किया है। संताल-हूल का नेतृत्व करने वाले बहादुर भाइयों सिद्धो-कान्हू तथा चांद-भैरव एवं वीरांगना बहनों, फूलो-झानो की प्रतिमाओं का झारखंड में उनके गांव उरी-मारी में जाकर अनावरण करने का सौभाग्य मुझे तब मिला था, जब मैं राज्यपाल थी। तीरंदाजी में एकलव्य की महानता से देश का बच्चा-बच्चा परिचित है। वे श्रेष्ठतम धनुर्धर के रूप में सम्मानित हैं। एकलव्य सभी देशवासियों के लिए, विशेषकर जनजातीय समाज के लिए एक प्रेरक विभूति हैं। एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों में स्थापित 'खेल उत्कृष्टता केंद्र' बच्चों को खेल-कूद की आधुनिक सुविधाओं और पद्धतियों से सक्षम बना रहे हैं। मेरे व्यक्तिगत प्रयासों से, मेरे गांव में वंचित वर्गों के बच्चों के लिए एक आवासीय स्कूल की स्थापना की गई है। इस विनम्र प्रयास के तहत स्कूल के परिसर में ही तीरंदाजी के प्रशिक्षण की व्यवस्था भी कराई गई है। मेरे गांव के अन्य जनजातीय बच्चों की तरह, मुझमें भी तैराकी सहित व्यायाम और खेलों के प्रति बहुत रुझान था। मैं स्कूल की खेल प्रतियोगिताओं में प्रायरू प्रथम स्थान पर रहती थी। एक प्रतियोगिता में जानबूझकर मैंने अपने को इसलिए पीछे रखा, ताकि मेरी एक सहेली को प्रथम पुरस्कार का आनंद मिल सके। खेल-कूद से टीम भावना विकसित होती है तथा सामाजिक संबंध मजबूत होते हैं। मैदान पर कड़ी प्रतिस्पर्धा और मैदान के बाहर गहरी मित्रता खिलाडियों में प्रायरू देखने को मिलती है। मेरे भाई फुटबाल के बहुत अच्छे खिलाड़ी रहे हैं, जो गंभीर चोट लगने के कारण आगे नहीं खेल सके। मेरे परिवार के कुछ अन्य सदस्यों ने भी विभिन्न खेलों में उत्कृष्टता प्रदध्र्शत की है। इस निजी विवरण से मैं यह बताना चाहती हूं कि जनजातीय परिवारों में खेल-कूद की जीवन्त परंपरा विद्यमान है। उनमें खेलों के लिए असीम प्रतिभा, ऊर्जा, रुचि है और आगे बढने का हौसला भी है। सुविधाओं और प्रशिक्षण के द्वारा ऐसी प्रतिभाओं को निखारने से, खेल-कूद उनके लिए केवल मनोरंजन और सामाजिक मेल-जोल का जरिया न होकर जीवन में आगे बढने का, आध्थक आत्म-निर्भरता और सामाजिक सम्मान प्राप्त करने का माध्यम बन सकता है। कुछ वर्षों पहले तक हमारे देश में खेल-कूद की अच्छी सुविधाएं केवल महानगरों तक सीमित थीं, जबकि ग्रामांचलों और वनांचलों में अनेक प्रतिभावान खिलाड़ी रहते हैं। जनजातीय क्षेत्रों में खेल-अकादमी और प्रशिक्षण सुविधाएं सुलभ नहीं होती थीं। अब एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों में बच्चों के खेल-कूद पर विशेष ध्यान देने से लेकर 'खेलो इंडिया जनजातीय खेल' जैसे प्रयत्नों के बल पर जनजातीय प्रतिभाओं को प्रशिक्षण और प्रोत्साहन मिल रहा है। मुझे याद है कि मेरे विद्यार्थी जीवन के दौरान ग्रामीण स्तर पर, 5-6 गांवों के लोग मिलकर खेल प्रतियोगिताएं आयोजित किया करते थे। प्रायरू ग्रामीण क्षेत्र की प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले अच्छे खिलाड़ी भी ग्रामीण स्तर से ऊपर नहीं उठ पाते थे। पिछले कुछ वर्षों में, इस स्थिति को बदलने के अनेक सराहनीय प्रयास किए गए हैं। ऐसे प्रयासों को आगे बढ़ाते हुए 'खेलो इंडिया जनजातीय खेल 2026' का आयोजन किया गया। इस आयोजन से जमीनी स्तर के जनजातीय खिलाडियों को भी पहचान मिली है तथा उन्हें सुविधाएं और प्रशिक्षण उपलब्ध कराए गए हैं। इन राष्ट्रीय खेलों में लगभग सभी राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों के खिलाडियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया है। भारत ने खिलाडियों की नैसघ्गक प्रतिभा के बल पर ओलिम्पिक खेलों में पहला स्वर्ण पदक हॉकी के लिए वर्ष 1928 में जीता था। उस विजय में जनजातीय समुदाय के खिलाडियों की महत्वपूर्ण भूमिका थी। तब से लेकर आज तक दिलीप तिर्की, सुबोध लाकड़ा और सलीमा टेटे जैसे स्टार हॉकी खिलाड़ी भारत की पुरुष तथा महिला टीमों को जनजातीय प्रतिभा से समृद्ध करते रहे हैं। 'खेलो इंडिया' नामक राष्ट्रीय खेल विकास कार्यक्रम के तहत स्थानीय स्तर से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक सभी भौगोलिक क्षेत्रों, सामाजिक वर्गों और संस्थाओं के लिए समुचित खेल इको-सिस्टम उपलब्ध कराने का समावेशी प्रयास किया जा रहा है। इसी कार्यक्रम के तहत, खेल-कूद में बेटियों की भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए चलाई जा रही 'अस्मिता' नामक योजना से जनजातीय बेटियों की क्षमता भी विकसित हो रही है। पिछले कुछ महीनों में आयोजित बस्तर एवं सरगुजा ओलिम्पिक में कुल 7 लाख से अधिक खिलाडियों ने भाग लिया, जिनमें कुछ ऐसे युवा भी शामिल थे जो नक्सलवाद के रास्ते को छोड़कर खेल-कूद के सन्मार्ग पर चल पड़े हैं। सरकार द्वारा युवाओं में खेल-प्रतिभा को पहचानने और विकसित करने के अच्छे परिणाम राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में दिखाई देने लगे हैं। युवाओं, विशेषकर जनजातीय युवाओं की खेल प्रतिभा हमारे राष्ट्र की अमूल्य सामाजिक पूंजी है। मुझे विश्वास है कि इस अनमोल संसाधन का सदुपयोग करते हुए हमारा देश खेल-कूद के क्षेत्र में उत्कृष्टता के अनेक गौरवशाली प्रतिमान स्थापित करेगा। इसी विश्वास के साथ मेरा संदेश है-खेलो इंडिया! खूब खेलो इंडिया!

पश्चिम बंगाल बढ़ती अराजकता: लोकतंत्र के लिए चुनौती

ललित गर्ग

> **पश्चिम बंगाल में राजनीतिक हिंसा का इतिहास नया नहीं है। 1960 और 70 के दशक में नक्सल आंदोलन के दौरान हिंसा का जो दौर शुरू हुआ था, उसने राज्य की राजनीतिक संस्कृति को गहराई से प्रभावित किया। इसके बाद वामपंथी शासन के लंबे कालखंड में भी राजनीतिक विरोधियों के प्रति असहिष्णुता और हिंसा की घटनाएं समय-समय पर सामने आती रहीं। सत्ता परिवर्तन के बाद तूणमूल कांग्रेस एवं ममता बनर्जी के शासन में यह प्रवृत्ति समाप्त नहीं हुई, बल्कि नए स्वरूप में सामने आई।**

पश्चिम बंगाल, जो कभी सांस्कृतिक चेतना, बौद्धिकता और राजनीतिक परिपक्वता का प्रतीक माना जाता था, आज एक ऐसे संक्रमणकाल से गुजर रहा है, जहां लोकतांत्रिक मूल्यों की जड़ें लगातार कमजोर होती प्रतीत हो रही हैं। जैसे-जैसे चुनाव का समय नजदीक आता जा रहा है, वैसे-वैसे राज्य में हिंसा, अराजकता अलोकतांत्रिकता और राजनीतिक असहिष्णुता की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। यह केवल राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का परिणाम नहीं है, बल्कि लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति घटते सम्मान और कानून व्यवस्था की गिरती स्थिति का भी द्योतक है। हाल ही में मालदा जिले में मतदाता सूची पुनरीक्षण अर्थात एसएआर को लेकर जिस प्रकार का असंतोष और तनाव देखने को मिला, वह भी लोकतांत्रिक प्रक्रिया के प्रति अविश्वास को दर्शाता है। मतदाता सूची में नाम जुड़ना या हटना एक कानूनी और प्रशासनिक प्रक्रिया है, जिसके लिए स्पष्ट नियम और प्रावधान होते हैं। यदि इस प्रक्रिया को राजनीतिक चश्मे से देखा जाएगा या प्रशासनिक अधिकारियों पर दबाव बनाया जाएगा, तो निष्पक्ष चुनाव की पूरी प्रक्रिया ही संदिग्ध हो जाएगी। एसएआर प्रक्रिया में बाधक बनते हुए जिसे तरह से न्यायिक अधिकारियों को नौ घंटे तक बंधक बनाए जाने की घटना सामने आयी है, वह न केवल चिंताजनक है बल्कि लोकतंत्र के लिये एक गंभीर चेतावनी भी है। यह उस व्यापक घातक एवं विडम्बनापूर्ण प्रवृत्ति का हिस्सा है, जिसमें प्रशासनिक और न्यायिक तंत्र को भी राजनीतिक दबाव और भीड़तंत्र के आगे झुकने के लिए मजबूर किया जा रहा है। विशेष रूप से यह तथ्य कि बंधक बनाए गए अधिकारियों में महिलाएं भी शामिल थीं, इस घटना को और अधिक गंभीर बना देता है। यह न केवल कानून के शासन पर प्रश्नचिह्न लगाता है, बल्कि समाज में बढ़ती असंवेदनशीलता को भी उजागर करता है। पश्चिम बंगाल में राजनीतिक हिंसा का इतिहास नया नहीं है। 1960 और 70 के दशक में नक्सल आंदोलन के दौरान हिंसा का जो दौर शुरू हुआ था, उसने राज्य की राजनीतिक संस्कृति को गहराई से प्रभावित किया। इसके बाद वामपंथी शासन के लंबे कालखंड में भी राजनीतिक विरोधियों के प्रति असहिष्णुता और हिंसा की घटनाएं समय-समय पर सामने आती रहीं। सत्ता परिवर्तन के बाद तूणमूल कांग्रेस एवं ममता बनर्जी के शासन में यह प्रवृत्ति समाप्त नहीं हुई, बल्कि नए स्वरूप में सामने आई। यह स्पष्ट संकेत है कि समस्या केवल किसी एक दल या विचारधारा की नहीं, बल्कि पूरे राजनीतिक तंत्र में व्याप्त एक गहरे संकट की है। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में, चुनावों के निकट आते ही जिस प्रकार की घटनाएं सामने आ रही हैं, वे लोकतंत्र के लिए गंभीर खतरे का संकेत देती हैं। मतदाता सूची के पुनरीक्षण जैसे संवेदनशील कार्य में लगे अधिकारियों को बंधक बनाना यह दर्शाता है कि कुछ तत्व चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। यह केवल कानून का उल्लंघन नहीं, बल्कि मतदाता की स्वतंत्रता और निष्पक्ष चुनाव के अधिकार पर सीधा हमला है। इस संदर्भ में सुप्रीम कोर्ट की सक्रियता उल्लेखनीय है। समय-समय पर न्यायालय ने राज्य सरकार को कड़े निर्देश दिए हैं और कानून व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी की याद दिलाई है। किंतु यह भी एक चिंताजनक तथ्य है कि इन निर्देशों का जमीनी स्तर पर अपेक्षित प्रभाव नहीं दिखाई देता। इससे यह प्रश्न उठता है कि क्या राज्य प्रशासन एवं सत्तारूढ पार्टी इन निर्देशों को लागू करने में अक्षम है या इच्छुक नहीं है? यदि सर्वोच्च न्यायालय के आदेश भी प्रभावी नहीं हो पा रहे हैं, तो यह लोकतंत्र के लिए एक गंभीर चेतावनी है। चुनाव के समय बढ़ती अराजकता के पीछे राजनीतिक बौखलाहट भी एक महत्वपूर्ण कारण हो सकती है। जब किसी दल को अपनी लोकप्रियता में गिरावट का भय होता है, तो वह अक्सर लोकतांत्रिक मर्यादाओं को दरकिनार कर असंवैधानिक उपायों का सहारा लेने लगता है। पश्चिम बंगाल में भी कुछ ऐसी ही प्रवृत्तियां देखने को मिल रही हैं, जहां सत्तारूढ़ दल के कार्यकर्ताओं पर विपक्ष को डराने, प्रशासनिक कार्यों में बाधा डालने और चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करने के आरोप लगते रहे हैं। यदि इन आरोपों में सच्चाई है, तो यह स्थिति अत्यंत चिंताजनक है और लोकतंत्र के मूल सिद्धांतों के विपरीत है। नागरिक समाज सक्रिय रूप से लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए आगे नहीं आएगा, तब तक केवल प्रशासनिक उपायों से इस समस्या का समाधान संभव नहीं है। लोकतंत्र केवल चुनावों तक सीमित नहीं होता, बल्कि यह एक सतत प्रक्रिया है जिसमें कानून का शासन, संस्थाओं की स्वतंत्रता और नागरिकों की भागीदारी महत्वपूर्ण होती है। पश्चिम बंगाल की वर्तमान स्थिति इन सभी पहलुओं पर गंभीर प्रश्न खड़े करती है। यदि चुनाव प्रक्रिया ही निष्पक्ष और शांतिपूर्ण नहीं रह जाती, तो लोकतंत्र का मूल उद्देश्य ही समाप्त हो जाता है। लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति मतदाता का विश्वास होता है, और यदि मतदाता को यह लगने लगे कि मतदाता सूची, चुनाव प्रक्रिया या प्रशासन किसी राजनीतिक दबाव में काम कर रहा है, तो लोकतंत्र की विश्वसनीयता स्वतः कमजोर होने लगती है। इस पूरे घटनाक्रम में प्रशासनिक नाकामी का प्रश्न भी गंभीरता से सामने आता है। किसी भी राज्य में यदि अधिकारी सुरक्षित नहीं हैं, न्यायिक अधिकारी तक बंधक बना लिए जाते हैं और पुलिस या प्रशासन समय पर प्रभावी कार्रवाई नहीं कर पाता, तो यह प्रशासनिक तंत्र की कमजोरी का स्पष्ट प्रमाण है। प्रशासन की सबसे बड़ी जिम्मेदारी कानून व्यवस्था बनाए रखना और सरकारी कार्यों को निर्भय वातावरण में संपन्न कराना होता है। यदि प्रशासन यह सुनिश्चित नहीं कर पा रहा है, तो इससे जनता में भय और अविश्वास दोनों बढ़ते हैं। जनता का विश्वास ही किसी सरकार की सबसे बड़ी पूंजी होता है, और जब यही विश्वास डगमगाने लगता है, तो शासन की वैधता पर भी प्रश्नचिह्न लगने लगते हैं। राजनीतिक दलों की भूमिका भी इस पूरे परिदृश्य में अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। लोकतंत्र में राजनीतिक दल केवल सत्ता प्राप्त करने का माध्यम नहीं होते, बल्कि वे लोकतांत्रिक मूल्यों के संवाहक भी होते हैं। उनसे अपेक्षा की जाती है कि वे अपने कार्यकर्ताओं को संयम, कानून के सम्मान और लोकतांत्रिक मर्यादाओं का पालन करने के लिए प्रेरित करें। लेकिन जब राजनीतिक प्रतिस्पर्धा कटु संघर्ष में बदल जाती है और कार्यकर्ताओं को किसी भी तरह से राजनीतिक लाभ प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, तो अराजकता की स्थिति उत्पन्न होती है। स्वस्थ लोकतंत्र के लिए आवश्यक है कि राजनीतिक दल चुनाव को युद्ध नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक उत्सव के रूप में देखें। आज आवश्यकता इस बात की है कि पश्चिम बंगाल की घटनाओं को केवल एक राज्य की समस्या न मानकर लोकतंत्र के लिए चेतावनी के रूप में देखा जाए। यदि प्रशासनिक तंत्र कमजोर होगा, राजनीतिक दल मर्यादा नहीं रखेंगे, और जनता का विश्वास कम होता जाएगा, तो लोकतंत्र केवल कागजों तक सीमित रह जाएगा। लोकतंत्र की रक्षा केवल संविधान या न्यायालय नहीं कर सकते, इसके लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति, प्रशासनिक निष्पक्षता और जनता की जागरूकताकृतीनों का संतुलन आवश्यक है। पश्चिम बंगाल की वर्तमान परिस्थितियां हमें यही संदेश देती हैं कि लोकतंत्र को केवल चुनाव से नहीं, बल्कि व्यवस्था की निष्पक्षता, कानून के शासन और नागरिक विश्वास से मजबूत बनाया जा सकता है। इस परिप्रेक्ष्य में आवश्यक है कि राज्य सरकार, चुनाव आयोग और न्यायपालिका मिलकर ठोस कदम उठाएं। कानून व्यवस्था को सख्ती से लागू किया जाए, दोषियों के खिलाफ त्वरित और निष्पक्ष कार्रवाई हो और प्रशासनिक तंत्र को राजनीतिक दबाव से मुक्त रखा जाए। इसके साथ ही राजनीतिक दलों को भी आत्ममंथन करना होगा और यह सुनिश्चित करना होगा कि उनके कार्यकर्ता लोकतांत्रिक मर्यादाओं का पालन करें। निश्चित ही यह समझना होगा कि लोकतंत्र की रक्षा केवल संस्थाओं की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। पश्चिम बंगाल की वर्तमान स्थिति एक चेतावनी है कि यदि समय रहते सुधारात्मक कदम नहीं उठाए गए, तो यह अराजकता और गहराई तक फैल सकती है। लोकतंत्र की मजबूती के लिए आवश्यक है कि हम सभी मिलकर कानून, नैतिकता और सहिष्णुता के मूल्यों को पुनः स्थापित करें। पश्चिम बंगाल आज एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है, जहां से वह या तो लोकतांत्रिक पुनर्ज़ागरण की ओर बढ़ सकता है या अराजकता के गहरे गर्त में गिर सकता है। यह निर्णय न केवल राजनीतिक नेतृत्व, बल्कि पूरे समाज को मिलकर लेना होगा।

मेडी लाइफ अस्पताल में भी अवैध किडनी ट्रांसप्लांट

महिला की मौत से गहराया मामला

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कानपुर। कानपुर में अवैध किडनी ट्रांसप्लांट कांड की जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, वैसे-वैसे इसके चौंकाने वाले पहलू सामने आ रहे हैं। अब इस मामले में एक और अस्पताल का नाम जुड़ गया है, जहां ट्रांसप्लांट के दौरान महिला की मौत होने की बात सामने आई है।

गिरफ्तार ओटी टेक्नीशियनों की पूछताछ में इस पूरे नेटवर्क के कई अहम सुराग मिले हैं, जिससे साफ हो रहा है कि यह रैकेट कई स्तरों पर सक्रिय था। देश के अलग-अलग राज्यों के साथ-साथ नेपाल तक से डोनर बुलाए जाने की बात भी सामने आई है। पुलिस अब इस पूरे नेटवर्क की कड़ियों को जोड़ने में जुटी है और फरार आरोपितों की तलाश तेज कर दी गई है।

रावतपुर क्षेत्र से उजागर हुए इस कांड में अब तक आठ आरोपितों को गिरफ्तार किया जा चुका है। पूछताछ के दौरान डॉक्टर रोहित, अली, अफजल और अंकित के नाम सामने आए हैं, जिनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें कई जनपदों में दबिश दे रही हैं।

दो दिन पूर्व पकड़े गए ओटी टेक्नीशियनों ने पूछताछ में बताया कि अहूजा अस्पताल के बाद केशवपुरम स्थित मेडी लाइफ अस्पताल में भी किडनी ट्रांसप्लांट किए गए। उनके अनुसार, बीते वर्ष उनकी मौजूदगी में एक महिला का ट्रांसप्लांट किया गया था, जिसकी हालत बिगड़ने पर उसे दिल्ली रेफर किया गया, जहां उसकी मौत हो गई।जांच में यह भी सामने आया है कि मध्य प्रदेश के शिवपुरी निवासी जय किशन का ट्रांसप्लांट भी इसी अस्पताल में हुआ था, जिसमें बिहार के शुभम ने किडनी दी थी। इसके अलावा नेपाल और जमशेदपुर से भी डोनर बुलाए जाने की जानकारी मिली है, जिनकी तलाश की जा रही है।

इस संबंध में पुलिस उपायुक्त पश्चिम एसएम कासिम आबिदी ने शनिवार को बताया कि अब तक आठ आरोपितों को गिरफ्तार किया जा चुका है और कई अन्य संदिग्धों की पहचान कर दबिश दी जा रही है। उन्होंने कहा कि कुछ अस्पताल भी जांच के दायरे में आए हैं और साक्ष्य जुटाकर आगे की वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है।

पुलिस का मानना है कि यह एक संगठित गिरोह है, जो विभिन्न राज्यों से लोगों को जोड़कर अवैध ट्रांसप्लांट करा रहा था। फिलहाल फरार आरोपितों की गिरफ्तारी के प्रयास तेज हैं और आने वाले समय में और बड़े खुलासे होने की संभावना है।

कौशल विकास पाठ्यक्रमों से ही भारत 2047 तक होगा विकसित राष्ट्र : प्रो. अशोक गाबा

- आज का युग कौशल का युग: प्रो0 सत्यकाम
- मुक्त विश्वविद्यालय में क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

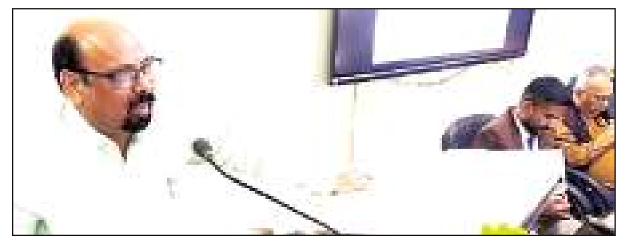

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश जैसे विशाल राज्य में कौशल विकास के द्वारा कुशल मानव संसाधनों को बेहतर प्रशिक्षण प्रदान कर रोजगारोन्मुख बनाया जा सकता है। यह बातें मुख्य अतिथि राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीवीईटी) के कार्यपालक सदस्य प्रोफ़ेसर अशोक गाबा ने कही।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में शनिवार को इम्प्लीमेंटिंग ग्रेजुएट एम्प्लायबिलिटी एण्ड नेशनल स्किल्स क्वालीफिकेशन फ्रेमवर्क पर एक दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रो0 गाबा ने कौशल विकास पाठ्यक्रमों के माध्यम से ही विकसित भारत 2047 बनाने के रोडमप को विस्तार से समझाया।

उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में भारत के सभी 17 मुक्त विश्वविद्यालय अहम भूमिका निभा सकते हैं। कौशल विकास संबंधी किसी भी कोर्स को बनाए जाने से पूर्व स्थानीय तथा क्षेत्रीय औद्योगिक प्रतिनिधियों के साथ चर्चा करके ही इस प्रकार के कोर्सों का निर्माण किया जाना चाहिए। जिससे युवकों को कौशल विकास की दिशा में अग्रसर करते हुए शत प्रतिशत रोजगार प्रदान करने की व्यवस्था सुनिश्चित कराई जा सके। इस अवसर पर उन्होंने भारत के प्रमुख स्टार्टअप की भी चर्चा की।

समारोह के विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीवीईटी) के मुख्य सलाहकार अमित शर्मा ने राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण परिषद के गठन, महत्व तथा कार्यों पर प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय अवॉर्डिंग और एसेसिंग बॉडी की मान्यता प्राप्त कर सकता है। उन्होंने कहा समय की मांग अनुसार कौशल विकास को प्रत्येक पाठ्यक्रम में समाहित करते हुए प्रेरणादाई बनाने पर कार्य करना होगा।

खतरनाक स्टंट करने वाली मोटरसाइकिल को सीज कर किया चालान

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। जनपद में लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरुक करने तथा यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालो पर की जा रही कड़ी कार्यवाही के क्रम में क्षेत्राधिकारी यातायात प्रतिज्ञा सिंह के नेतृत्व में यातायात पुलिस द्वारा दोपहिया वाहन से खतरनाक स्टंट करने वाले एक अन्य मोटरसाइकिल को सीज करते हुए 11 हजार 500 रुपए का चालान किया गया । गौरतलब हो कि सोशल मीडिया पर कुछ वीडियो संज्ञान में आये थे जिसमें कुछ युवकों द्वारा दोपहिया वाहनो से खतरनाक स्टंट किया जा रहा था । वीडियो को तत्काल संज्ञान में लेकर यातायात पुलिस द्वारा कार्यवाही करते हुए पूर्व में 03 मोटरसाइकिलों को सीज करते हुए कुल 30 हजार 500 रुपए का चालान किया गया । इसी क्रम में अन्य वाहनों पर की जा रही कार्यवाही के क्रम में एक अन्य मोटरसाइकिल को सीज करते हुए 11 हजार 500 रुपए का चालान किया गया । यातायात पुलिस द्वारा अन्य दोपहिया वाहनों की भी पहचान/तलाश कर सीज करने की कार्यवाही की जा रही है । पुलिस अधीक्षक बांदा द्वारा स्पष्ट किया गया है कि बांदा पुलिस जनपद में सुगम, सुरक्षित एवं व्यवस्थित यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है । सड़क सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए पुलिस द्वारा नियमित रूप से यातायात नियमों के प्रति जन-जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं और नियमों का उल्लंघन करने वालो पर सख्त कार्यवाही की जा रही है । यातायात नियमों का उल्लंघन किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा । नियम तोड़ने वालों के विरुद्ध सख्त से सख्त कानूनी कार्यवाही की जाएगी । यातायात नियमों का पालन करें अन्यथा परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहें।

शासन के जीरो टॉलरेंस के तहत डीएम ने की बड़ी कार्यवाही

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उरई। ग्राम पंचायत रूदावली, विकास खंड नदीगांव में विकास कार्यों में पाई गई अनियमितताओं पर शनिवार को जिलाधिकारी ने शासन की जीरो टॉलरेंस नीति के तहत सख्त एक्शन लिया है। शिकायत, जांच, मामले की शुरुआत उस समय हुई जब भगवान सिंह ने तत्कालीन जिलाधिकारी को शिकायत देकर ग्राम पंचायत रूदावली में कराए गए विकास कार्यों में गंभीर गड़बड़ियों की ओर ध्यान आकृष्ट कराया।

शिकायत को गंभीरता से लेते हुए 03 जनवरी 2023 को दो सदस्यीय जांच समिति गठित की गई, जिसमें भूमि संरक्षण अधिकारी एवं अधिशासी अभियंता जल निगम को जांच की जिम्मेदारी सौंपी गई। इसी क्रम में पंचायत सहायक मोहिनी द्वारा भी संबंधित प्रकरण में जिला पंचायत राज अधिकारी को शिकायत प्रस्तुत की गई थी, जिसे जांच में शामिल किया जाना था। हालांकि, जांच उप कृषि निदेशक को दे दिए जाने से प्रक्रिया का समुचित पालन नहीं हो सका और जांच की दिशा प्रभावित होती चली गई।

परिणामस्वरूप, प्रकरण लम्बित हुआ और मामला उच्च न्यायालय तथा लोकायुक्त तक पहुंच गया। जहां से समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिए गए।जांच के दौरान यह भी सामने आया कि ग्राम पंचायत में कराई गई इंटरलॉकिंग निर्माण कार्य में 08 मीटर कम निर्माण कराया गया। जिससे विकास कार्यों की गुणवत्ता और पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े हुए। साथ ही वित्तीय अनियमितताओं की पुष्टि होने पर 1,25,341 रुपये की धनराशि की रिकवरी संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों से कराए जाने के निर्देश दिए गए हैं। पूरे मामले में ग्राम पंचायत सचिव रोहित कुमार की भूमिका भी संदिग्ध पाई गई। जांच में यह स्पष्ट हुआ कि उन्होंने जांच समिति को अपेक्षित सहयोग नहीं दिया, आवश्यक अभिलेख उपलब्ध नहीं कराए और न ही समुचित जानकारी दी। इससे जांच प्रभावित हुई और प्रकरण के निस्तारण में अनावश्यक विलम्ब हुआ।

इस गंभीर लापरवाही को जिला विकास अधिकारी ने अत्यंत गंभीरता से लेते हुए रोहित कुमार को तत्काल प्रभाव से निलम्बित करने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही ग्राम प्रधान रूदावली जाकिर हुसैन के विरुद्ध पंचायत राज अधिनियम की धारा 95-जी के अंतर्गत नोटिस जारी कर जवाब तलब किया गया है। जिलाधिकारी ने कहा कि शासन की जीरो टॉलरेंस नीति के तहत जनपद में भ्रष्टाचार, वित्तीय अनियमितता, कर्तव्यों में शिथिलता और जांच में बाधा डालने जैसी किसी भी गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी कार्य पूर्ण पारदर्शिता, जवाबदेही और समयबद्धता के साथ किए जाएं।

जिलाधिकारी ने गौशाला व्यवस्थाओं का सुदृढ़ीकरण के दिए निर्देश, पशुओं की देखभाल पर विशेष जोर

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उरई। उत्तर प्रदेश के जालौन जिले में जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने शनिवार को छौक स्थित गौशाला का निरीक्षण कर वहां संचालित व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान सम्बंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने गौवंश की देखभाल, चारा-पानी की उपलब्धता एवं साफ-सफाई की स्थिति का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की।

जिलाधिकारी ने कहा कि गौशाला में एक अतिरिक्त टीन शेड बनाया जाए, गौशालाओं का सुचारू संचालन प्रशासन की प्राथमिकताओं में शामिल है और यहां रह रहे पशुओं की समुचित देखभाल सुनिश्चित करना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने निर्देश दिए कि पशुओं को नियमित रूप से हरा चारा, स्वच्छ पेयजल एवं समय पर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाती रहे। उन्होंने गर्मी के मौसम को देखते हुए गौशाला में छायादार व्यवस्था, पानी की उपलब्धता एवं साफ-सफाई को और बेहतर बनाए रखने के निर्देश दिए, ताकि गौवंश को किसी प्रकार की असुविधा न हो। साथ ही उन्होंने गौशाला प्रबंधन को प्रेरित करते हुए कहा कि व्यवस्थाओं को और सुदृढ़ बनाकर एक आदर्श गौशाला के रूप में विकसित किया जाए। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि गौशालाओं का नियमित निरीक्षण करते रहें और जहां भी सुधार की आवश्यकता हो, उसे प्राथमिकता के आधार पर पूरा कराया जाए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी केके सिंह, ग्राम प्रधान के प्रतिनिधि, केयरटेकर आदि मौजूद रहे।

आईजीआरएस पोर्टल पर आने वाली शिकायतों का समय से करें निस्तारण : मण्डलायुक्त भूपेन्द्र एस चौधरी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बरेली । उत्तर प्रदेश के बरेली जिले में तहसील सदर स्थित सभागार में शनिवार को मण्डलायुक्त भूपेन्द्र एस चौधरी की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित किया गया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को शिकायतों का त्वरित, गुणवत्तापरक और पारदर्शी निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मण्डलायुक्त ने सबसे पहले तहसील दिवस रजिस्टर और उपस्थिति रजिस्टर का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की मंशा है कि आमजन की शिकायतों का समयबद्ध और प्रभावी समाधान हो। इसी उद्देश्य से जिला मुख्यालयों पर जनसुनवाई की लाइव मॉनिटरिंग की जा रही है और जल्द ही सभी तहसील मुख्यालयों एवं सम्पूर्ण समाधान दिवसों की भी लाइव मॉनिटरिंग शुरू की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे सम्पूर्ण समाधान दिवस में समय से उपस्थित रहें, ताकि शिकायतकर्ताओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो। साथ ही आईजीआरएस पोर्टल पर आने वाली शिकायतों के निस्तारण में किसी प्रकार की लापरवाही न बरतने के निर्देश भी दिए। मण्डलायुक्त ने कहा कि जिस शिकायत का निस्तारण किया जाए, उसके बाद संबंधित शिकायतकर्ता से फोन पर संपर्क कर यह भी पूछा जाए कि वह कार्रवाई से संतुष्ट है या नहीं। इससे शिकायत निस्तारण की गुणवत्ता का सही आकलन हो सकेगा। उन्होंने अधिकारियों को आमजन के साथ संवेदनशील और सम्मानजनक व्यवहार करने की सलाह दी। कहा कि लोगों को जागरूक किया जाए कि वे अपनी समस्याएं स्वयं लेकर आएं और किसी बिचौलिये का सहारा न लें। सम्पूर्ण समाधान दिवस में उपजिलाधिकारी सदर, तहसीलदार सदर समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

मारपीट के मामले में चार दोषियों को तीन-तीन साल की सजा, 10 हजार जुर्माना

सुलतानपुर। उत्तर प्रदेश के जिला सुलतानपुर की कोर्ट ने मारपीट के एक मामले में शनिवार को चार आरोपियों को दोषी करार देते हुए तीन-तीन वर्ष के साधारण कारावास और 10-10 हजार रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई है। न्यायालय एसीजेएम सीएन-19, सुलतानपुर ने जिले के थाना जयसिंहपुर के हालापुर निवासी संतोष सिंह पुत्र नरेंद्र सिंह, बबलू सिंह उर्फ अखिलेश प्रताप सिंह पुत्र हरिश्चंद्र सिंह, राहुल निषाद और राममिन को दोषी ठहराया। भारतीय दंड संहिता की धारा 323, 325, 504 और 506 के तहत आरोपित थे। यह मामला थाना जयसिंहपुर में 22 अप्रैल 2021 को दर्ज किया गया था। वादी मुकदमा की तहरीर के अनुसार, आरोपितों ने उन्हें मारा-पीटा, गाली-गलौज की और जान से मारने की धमकी दी थी। उपनिरीक्षक धीरेंद्र प्रताप सिंह ने इस मामले की विवेचना की। साक्ष्यों के आधार पर, अभियुक्तों के खिलाफ आरोप पत्र संख्या ए-01 06 मई 2021 को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया था।

मोहनसराय में गायत्री परिवार के सदस्यों ने मनमोहक झांकियों के साथ निकाली मंगल कलश यात्रा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी नगवां स्थित गायत्री शक्तिपीठ की ओर से गंगापुर रोड के किनारे आयोजित तीन दिवसीय श्री पावन प्रज्ञा पुराण एवं गायत्री महायज्ञ में शामिल ग्रामीण महिलाओं ने शनिवार को मनमोहक झांकियों के साथ मंगल कलश शोभायात्रा निकाली।

गायत्री परिवार मोहनसराय शाखा से जुड़ी महिलाओं ने मोहनसराय चौराहा स्थित अदलपुरा रोड से नगवा शक्तिपीठ से आए लोगों की देखरेख में विधिवत वरुण पूजन किया। इसके बाद बाईपास ओवरब्रिज से बैरवन होते महिलाओं ने पूरे मोहनसराय गांव का भ्रमण कर मां गायत्री का जयकारा लगाया। इसके बाद वापस गायत्री महायज्ञ कार्यक्रम स्थल पर आई। यहां कार्यक्रम स्थल के मुख्य द्वार पर महिलाओं पर गुलाब की पंखुड़ियां बरसाई गई। इसके बाद मंत्रोंच्चारण के साथ मां गायत्री की विधिवत पूजन के उपरांत कलश यात्रा संपन्न हुआ।

कलश यात्रा में शामिल सभी श्रद्धालुओं ने प्रसाद के रूप में भोजन ग्रहण किया। उसके उपरांत शाम को 06 बजे से रात्रि 10 बजे तक चलने वाले संगीतमय पावन प्रज्ञा पुराण कथा में शामिल हुई। कथावाचक विद्याधर मिश्र ने मां गायत्री की महिमा का गुणगानकर लोगों को मंत्र मुग्ध कर दिया।

कार्यक्रम में नरेंद्र कुमार मिश्रा,अक्षय मिश्रा, कुमार सत्यम, बनारसी प्रसाद, अरविंद श्रीवास्तव, रमेश आचार्य, वीरेंद्र सिंह, रमाशंकर द्विवेदी ,विजय प्रकाश श्रीवास्तव, रमेश गुप्ता, शिव शंकर पाल आदि ने भागीदारी की।

संक्षिप्त समाचार

सुलतानपुर में अज्ञात वाहन की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार युवक की मौत

सुलतानपुर। उत्तर प्रदेश के सुलतानपुर जिले में अयोध्या-प्रयागराज हाइवे पर गोसाईंगंज थाना क्षेत्र के कटका बाजार में एक अज्ञात वाहन ने मोटरसाइकिल सवार युवक को टक्कर मार दी। घायल युवक को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। धनपतगंज थाना क्षेत्र के टीकर निवासी अमर बहादुर (30) पुत्र छोटेलाल शहर से शनिवार को अपने घर लौट रहे थे। द्वारिकागंज पुलिस चौकी के पास अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मारी और मौके से फरार हो गया। स्थानीय लोगों ने घायल अमर बहादुर को तत्काल अस्पताल पहुंचाया। इलाज के दौरान चिकित्कों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और परिजनों को घटना की जानकारी दी। गोसाईंगंज इंस्पेक्टर श्याम सुंदर ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। तहरीर मिलने पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

फरार पच्चीस हजार का ईनामी आरोपित गिफ्तार

सुलतानपुर। उत्तर प्रदेश के जिला सुलतानपुर के थाना बन्धुआकला पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट के आरोपित पच्चीस हजार रूपये के ईनामी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपित को न्यायिक प्रकिया के तहत जेल भेजने की कार्रवाई की है। बंधुआ कला थानाध्यक्ष प्रमोद कुमार ने शनिवार को बताया कि यूपी गैगस्टर एक्ट के तहत फरार आरोपित पर 25 हजार रूपये का पुरस्कार घोषित था। आरोपित अरूण कुमार श्रीवास्तव उर्फ बच्चा श्रीवास्तव पुत्र महेश चन्दर श्रीवास्तव निवासी ग्राम सराय भाई थाना धम्मौर का निवासी है। मुखबिर खास की सूचना पर खलेश्रपुर नहर के पास से आज गिरफ्तार किया गया । आरोपित पर लगभग चार आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं।

सपा मनाएगी निषादराज व अंबेडकर जयंती

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में समाजवादी पार्टी द्वारा भगवान निषादराज और भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती इस वर्ष भव्य रूप से मनाने का निर्णय लिया गया है। यह घोषणा जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य ने सदर चुंगी पार्टी कार्यालय में शनिवार को आयोजित मासिक बैठक के दौरान की। जिलाध्यक्ष ने बताया कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देशानुसार भगवान निषादराज की जयंती जनपद की प्रत्येक विधानसभा में समारोहपूर्वक आयोजित की जाएगी। इसके साथ ही संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती भी पूरे जिले में व्यापक स्तर पर मनाई जाएगी। कार्यक्रमों की विस्तृत रूपरेखा तैयार कर ली गई है। बैठक में संगठनात्मक गतिविधियों और आगामी कार्यक्रमों पर भी चर्चा की गई। जिलाध्यक्ष ने बताया कि 10 अप्रैल को मतदाता सूची के प्रकाशन के बाद सभी विधानसभा अध्यक्ष उसकी गहन समीक्षा करेंगे। किसी भी प्रकार की त्रुटि पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों को अवगत कराया जाएगा।

ओलावृष्टि पर प्रशासन अलर्ट, डीएम के निर्देश से राजस्व टीमें गांव-गांव पहुंचीं

उरई। शनिवार को जनपद में हुई बेमौसम ओलावृष्टि को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने तत्काल प्रभाव से राजस्व एवं विकास विभाग की संयुक्त टीमों को सक्रिय कर दिया है। उन्होंने उप जिलाधिकारी, खंड विकास अधिकारी, तहसीलदार, नायब तहसीलदार एवं लेखपालों को निर्देशित किया कि वे माधौगढ़, कुठौंद, रमपुरा एवं कोंच क्षेत्र के गांवों में पहुंचकर फसल क्षति का विस्तृत सर्वे सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने कहा कि किसानों की किसी भी प्रकार की क्षति का सही एवं पारदर्शी आंकलन किया जाए, ताकि शासन स्तर पर राहत दिलाने की कार्यवाही शीघ्रता से सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सर्वे कार्य पूरी संवेदनशीलता के साथ किया जाए और किसी भी प्रभावित किसान को नजरअंदाज न किया जाए।

संपूर्ण समाधान दिवस में 71 शिकायतें दर्ज, पांच का मौके पर निस्तारण

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र के निर्देशन में कलेक्ट्रेट स्थित प्रेक्षागृह में शनिवार को संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अपर जिलाधिकारी (वि./रा.) परमानन्द झा ने की। समाधान दिवस में विभिन्न विभागों से संबंधित शिकायतों को सुनकर त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए गए। कार्यक्रम के दौरान ग्राम शिवापार निवासी अमरनाथ यादव ने सीमांकन के बाद मेड़ निर्माण में अवरोध की शिकायत दर्ज कराई। इस पर अपर जिलाधिकारी ने तहसीलदार को नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए। वहीं ग्राम बेलापार से चकमार्ग की पैमाइश और ग्राम सुल्तानपुर निवासी दरवेश अली द्वारा सीमांकन की मांग पर भी तहसीलदार को मौके पर जांच कर शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए गए। समाधान दिवस में सर्वाधिक शिकायतें राजस्व विभाग से संबंधित प्राप्त हुईं।

मुरादाबाद रेल मंडल में 2025-26 के दौरान 4865 जोड़ी ट्रेनें चलाई गईं

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मुरादाबाद। उत्तर रेलवे के मुरादाबाद रेल मंडल में मंडल रेल प्रबंधक विनीता श्रीवास्तव ने शनिवार को प्रेस कांफ्रेंस में वर्ष 2025-26 में मुरादाबाद रेल मंडल की उपलब्धियों की जानकारी देते हुए बताया कि मुरादाबाद डिवीजन में ट्रेन ऑन डिमांड (टीओडी) के संचालन में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। 2025-26 के दौरान, लगभग 4865 जोडी ट्रेनें चलाई गईं, जिनमें 565 शुरुआती ट्रेनें शामिल थीं। 2024-25 की तुलना में शुरुआती जोड़ी ट्रेनों में 38% की वृद्धि हुई है। मंडल रेल प्रबंधक ने आगे बताया कि मुरादाबाद रेल मंडल उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखंड के 22 जिलों तथा 25 लोकसभा क्षेत्रों में फैला हुआ है। यह लगभग 1402 किमी के रेल नेटवर्क में 150 जोड़ी मेल-एक्सप्रेस तथा 43 जोड़ी पैसेंजर ट्रेनों के माध्यम से 150 स्टेशन एवं 48 हॉल्ट पर प्रतिदिन लगभग 3 लाख यात्रियों को सेवा प्रदान करता है।

डीआरएम ने आगे बताया कि उद्योग क्षेत्र में भी मुरादाबाद मंडल महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। खाद कारखानों, चीनी मिलों आदि को सेवा प्रदान करते हुए यह राष्ट्र की आवश्यकताओं की पूर्ति में अग्रणी है। साथ ही, एक राज्य से दूसरे राज्य तक खाद्यान्न परिवहन में भी इसकी महत्वपूर्ण भागीदारी है। यात्री सेवाओं के अंतर्गत, मंडल के सभी प्रमुख स्टेशनों पर 150 यूटीएस तथा 40 पीआरएस केंद्र उपलब्ध हैं। यात्रियों की सुविधा के लिए 14 यूटीएस-कम-पीआरएस काउंटर भी स्थापित किए गए हैं।

मंडल रेल प्रबंधक ने बताया कि खानपान सुविधाओं के तहत वर्तमान में मंडल में 6 रिफ्रेशमेंट रूम, 30 मल्टीपर्पस स्टॉल-ट्रॉली, 14 मिल्क स्टॉल, 18 वाटर वेंडिंग मशीन, 242 कैटरिंग यूनिट संचालित हैं। इसके अतिरिक्त 11 स्टेशनों पर 13 एटीएम, 16 स्टेशनों पर 27 पार्किंग यूनिट, 6 स्टेशनों पर 7 पे-एंड-यूज़ शौचालय, 17 एसएलआर एवं 1 वीपी लीज पर संचालित अवसंरचना विकास एवं उन्नयन, 17 स्टेशनों पर एबीएसएस के तहत सॉफ्ट अपग्रेडेशन कार्य जारी बिजनौर स्टेशन चालू, धामपुर स्टेशन तैयार हर्रावाला, नगीना, कोटद्वार कार्य प्रगति पर (जून 2026 तक पूर्ण) है। डीआरएम ने बताया कि हरिद्वार व देहरादून स्टेशनों का पुनर्विकास प्रस्तावित है।

रूड़की- देवबंद नई लाइन (29.55 किमी) का उद्घाटन हुआ है। खड़कौदा स्टेशन पर अतिरिक्त लूप लाइन देहरादून में इलेक्ट्रिक लोको पिट स्थापित हुई, चंदौसी में टॉवर वैगन शेड स्थापित हुआ। 619 किलोवाट घंटा सोलर प्लांट 8 स्टेशनों पर स्थापित हुए, 132 किमी ट्रैक नवीनीकरण, 13 लेवल क्रॉसिंग बंद 52.47 किमी में ऑटोमैटिक ब्लॉक सिग्नलिंग लागू हुआ है। उन्होंने बताया कि मुरादाबाद रेल मंडल में कोई भी प्रमुख दुर्घटना नहीं हुई।

22 लेवल क्रॉसिंग गेट इंटरलॉक किए गए, पिलखुआ एवं खुर्ज़ा में इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम कवच कार्य प्रारंभ है। इसके अलावा 1494 पोल, 150 हाईमास्ट आदि में आरसीसीबी लगाए गए, एआई आधारित है।सीसीटीवी निरीक्षण प्रणाली स्वीकृत हुई। इसके साथ सुरक्षा बढ़ाने और निवारक निगरानी के लिए गुजरने वाली ट्रेनों में लटके हुए हिस्सों, गायब हिस्सों का पता लगाने के लिए एआई-सक्षम सीसीटीवी आधारित रोलिंग एग्जामिनेशन सिस्टम को मंजूरी दे दी गई है। इस दौरान अपर मंडल रेल प्रबंधक (इन्फ्रा) प्रेमशंकर झा, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक आदित्य गुप्ता, वरिष्ठ मंडल अभियंता (समन्वय) सुशील कुमार उपस्थित रहे।

डीएम की अध्यक्षता में हुआ सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन

शिकायतों के समयबद्ध निस्तारण के निर्देश

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। आमजन की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण के उद्देश्य से शनिवार को तहसील पलिया में जिलाधिकारी दुर्गा शक्ति नागपाल की अध्यक्षता में ल्लसम्पूर्ण समाधान दिवसङ्क का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक डॉ. ख्याति गर्ग, मुख्य विकास अधिकारी अभिषेक कुमार, अपर जिलाधिकारी नरेंद्र बहादुर सिंह सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। समाधान दिवस में पहुंचे फरियादियों की समस्याओं को डीएम ने गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे प्रत्येक शिकायत की निष्पक्ष जांच करते हुए समयबद्ध एवं गुणवत्तापरक निस्तारण सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि जनसमस्याओं का समाधान शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है, इसलिए इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही क्षम्य नहीं होगी। डीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे संवेदनशीलता के साथ कार्य करते हुए गरीब, पीड़ित एवं जरूरतमंद व्यक्तियों को प्राथमिकता दें तथा उन्हें शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि शिकायतों के समाधान के दौरान शिकायतकर्ता से संवाद स्थापित कर उसकी समस्या को समझना आवश्यक है, जिससे संतुष्टिपरक निस्तारण हो सके। भूमि संबंधी मामलों में राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीमों को मौके पर जाकर प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए गए। सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 68 शिकायती प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिनमें से 07 का मौके पर ही निस्तारण किया गया। प्राप्त शिकायतों में सर्वाधिक 43 मामले राजस्व विभाग से संबंधित रहे, जबकि पुलिस के 09, विकास के 03, विद्युत के 03, नगर पालिका के 02, आपूर्ति विभाग का 01 तथा अन्य विभागों के 07 प्रार्थना पत्र शामिल रहे। सभी शिकायतों को संबंधित अधिकारियों को शीघ्र निस्तारण हेतु प्रेषित किया गया। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक अमित राय, उपजिलाधिकारी डॉ. अवनीश कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। समाधान दिवस के दौरान जनकल्याणकारी योजनाओं के तहत लाभार्थियों को लाभान्वित भी किया गया। जिलाधिकारी दुर्गा शक्ति नागपाल, पुलिस अधीक्षक डॉ. ख्याति गर्ग, मुख्य विकास अधिकारी अभिषेक कुमार एवं अपर जिलाधिकारी नरेंद्र बहादुर सिंह द्वारा मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत पात्र लाभार्थियों को आवास की चाबियां वितरित की गईं। योजनाओं का लाभ पाकर लाभार्थियों के चेहरों पर संतोष और खुशी साफ झलकती नजर आई।

अत्यधिक चेतना जागृत करने हेतु नगर में 6 अप्रैल से श्रीमद्भागवत कथा का भव्य आयोजन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। सनातन धर्म के प्रचार-प्रसार एवं समाज में आध्यात्मिक चेतना जागृत करने के उद्देश्य से नगर में श्रीमद्भागवत कथा का भव्य एवं दिव्य आयोजन किया जा रहा है। यह पावन कथा परम पूज्य संत श्री रामशरण शास्त्री जी महाराज के मुखारविंद से संपन्न होगी।

लखीमपुर रोड स्थित शहनाई गेस्ट हाउस में आयोजित यह धार्मिक अनुष्ठान 6 अप्रैल 2026 से 12 अप्रैल 2026 तक चलेगा। कथा का समय प्रतिदिन दोपहर 4 बजे से रात्रि 8 बजे तक निर्धारित किया गया है। इस दौरान श्रद्धालु भगवान श्रीकृष्ण की दिव्य लीलाओं, भक्ति, ज्ञान एवं धर्म के गूढ़ रहस्यों का रसपान कर सकेंगे।

कार्यक्रम के प्रमुख आयोजक भाजपा के जिला उपाध्यक्ष श्री विजय कुमार माहेश्वरी हैं, जिनके मार्गदर्शन एवं सहयोग से यह आयोजन संपन्न हो रहा है।

आयोजन समिति एवं क्षेत्रीय श्रद्धालुओं का भी इसमें सराहनीय योगदान है इस अवसर पर ज्योतिषाचार्य रामदेव मिश्रा शास्त्री जी ने कहा कि वर्तमान समय में युवाओं का धर्म एवं संस्कारों से जुड़ना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने बताया कि ऐसे धार्मिक आयोजनों में सहभागिता से युवाओं को सकारात्मक दिशा मिलती है और उनके जीवन में नैतिक मूल्यों का विकास होता है, जो राष्ट्र निर्माण में सहायक सिद्ध होता है आयोजन समिति ने समस्त श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे अपने परिवार सहित अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कथा श्रवण करें और पुण्य लाभ अर्जित करें।

यह आयोजन भक्ति, ज्ञान और संस्कारों का संगम बनकर समाज में आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार करेगा।

युवा नेता अमित सिंह को जिला मंत्री बनाए जाने पर कार्यकर्ताओं में जबरदस्त उत्साह

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मितौली खीरी। मितौली क्षेत्र के भारतीय जनता पार्टी के युवा नेता अमित सिंह निवासी बिछिया को जिले की टीम में जिला मंत्री की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपे जाने पर क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई। इस अवसर पर भाजपा मंडल मितौली के पदाधिकारी, बूथ अध्यक्ष, शक्ति केंद्र संयोजक, कार्यकर्ता एवं शुभचिंतक बड़ी संख्या में उनके आवास पर पहुंचे और पुष्पगुच्छ भेंट कर तथा मिठाई खिलाकर उन्हें बधाई दी। अमित सिंह वर्तमान में चंद्रिका सिंह सुंदर सिंह महाविद्यालय, फत्तेपुर के प्रबंधक होने के साथ-साथ एक कुशल व्यापारी भी हैं। वे लंबे समय से पार्टी के सक्रिय कार्यकर्ता के रूप में युवाओं के बीच मजबूत पकड़ और प्रभावी भूमिका के लिए जाने जाते हैं। संगठन में उनकी सक्रियता और समर्पण को देखते हुए उन्हें यह नई जिम्मेदारी सौंपी गई है। नवीन दायित्व मिलने पर अमित सिंह ने सभी कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे हमेशा एक सामान्य कार्यकर्ता के रूप में ही कार्य करते रहेंगे और जहां भी उनकी आवश्यकता होगी, वहां पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ उपस्थित रहेंगे। उन्होंने कार्यकर्ताओं से पार्टी के प्रति समर्पित भाव से कार्य करने और संगठन को मजबूत बनाने का आह्वान किया। उनकी नियुक्ति के बाद समर्थकों और स्थानीय कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह देखने को मिला। जगह-जगह मिठाइयां बांटी गईं और एक-दूसरे को बधाइयां दी गईं। स्थानीय लोगों का मानना है कि अमित सिंह के चयन से क्षेत्र में संगठन को नई ऊर्जा मिलेगी और युवाओं की भागीदारी में और अधिक वृद्धि होगी इस अवसर पर भाजपा के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं क्षेत्र के सम्मानित नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

अधूरे परीक्षा परिणाम पर छात्रों का हंगामा, पूर्वांचल विश्वविद्यालय में कुलपति कार्यालय घेरा

जौनपुर। यूपी के जौनपुर स्थित वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में शनिवार को टीडी कॉलेज के बीएससी तृतीय वर्ष के छात्रों ने अधूरे परीक्षा परिणाम के विरोध में जोरदार प्रदर्शन किया। करीब डेढ़ सौ छात्रों ने कुलपति कार्यालय के सामने धरना देते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की और आक्रोश में कार्यालय का दरवाजा तोड़ने का प्रयास भी किया।प्रदर्शन कर रहे छात्र बीएससी तृतीय वर्ष के पांचवें सेमेस्टर के थे। उनका आरोप था कि हाल ही में घोषित परीक्षा परिणाम में गंभीर त्रुटियां हैं, जिससे सैकड़ों छात्रों का भविष्य प्रभावित हो रहा है। छात्रों के अनुसार, सत्र 2025-26 के परिणाम में जीव विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और गणित जैसे विषयों में लगभग 350 छात्रों के परिणाम अधूरे या गलत घोषित किए गए हैं।छात्रों ने बताया कि इस समस्या को लेकर वे पहले भी कई बार विश्वविद्यालय प्रशासन को अवगत करा चुके हैं, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। इसी उपेक्षा से नाराज होकर उन्हें प्रदर्शन के लिए मजबूर होना पड़ा।

जल परी शो' में महिला सुरक्षा पर उठे सवाल

खबर के बाद प्रशासन की त्वरित कार्रवाई

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

अज़ान खीरी। छोटी काशी के नाम से विख्यात गोला गोकर्णनाथ में चल रहे ऐतिहासिक चैती मेले के दौरान आयोजित 'जल परी शो' में महिला सुरक्षा एवं भीड़ नियंत्रण को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए। भारी भीड़ के बीच महिलाओं और बच्चों को धक्का-मुक्की का सामना करना पड़ रहा था, वहीं कुछ स्थानों पर छेड़खानी की शिकायतें भी सामने आईं, जिससे सुरक्षा व्यवस्था की पोल खुलती नजर आई।

बताया जा रहा है कि 'जल परी शो' मेले का प्रमुख आकर्षण बना हुआ है, जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग उमड़ रहे हैं। शो में एक महिला कलाकार जलपरी की वेशभूषा में पानी के टैंक में फिल्मी गीतों पर प्रदर्शन करती है। हालांकि, लगभग पांच मिनट के इस कार्यक्रम के दौरान भीड़ अनियंत्रित हो जाती थी, जिससे अव्यवस्था का माहौल बन जाता था। मौके पर महिलाओं, बच्चियों और छोटे बच्चों के लिए कोई अलग व्यवस्था या बैरिकेडिंग नहीं थी, जिसके कारण उन्हें भीड़ में खड़े होकर शो देखना पड़ रहा था। छोटे कद की महिलाओं और बच्चों को शो देखने में भी काफी दिक्कत हो रही थी, जिससे उनमें निराशा देखने को मिली। भीड़ का फायदा उठाकर कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा महिलाओं से अभद्रता किए जाने की बातें भी सामने आईं। इसके अलावा, शो स्थल के आसपास पर्याप्त पुलिस बल की मौजूदगी भी नहीं थी। इस पूरे मामले को 'राष्ट्रीय प्रस्तावना' समाचार पत्र ने प्रमुखता से उठाया। विशेष संवाददाता द्वारा की गई पड़ताल में सामने आए तथ्यों के आधार पर खबर प्रकाशित होते ही मेला प्रशासन हरकत में आया और तत्काल प्रभाव से आवश्यक कदम उठाए गए। प्रशासन ने 'जल परी शो' संचालक को सख्त निर्देश देते हुए शो स्थल के अंदर महिलाओं के लिए अलग दीर्घा (सीटिंग एरिया) में बैरिकेडिंग कराई। साथ ही, शो के आसपास अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित की गई, जिससे व्यवस्था में सुधार देखा गया। प्रशासन की इस त्वरित कार्रवाई से मेले में आने वाली महिलाओं और बच्चों को राहत मिली है। वहीं, सामाजिक कार्यकर्ताओं ने इस मुद्दे को उठाने के लिए समाचार पत्र की सराहना करते हुए कहा कि ऐसी पहल से ही जनहित से जुड़े मामलों में सुधार संभव है।

सफाई से महरूम गांव रायपुर में गंदगी का अंबार, नालियां जर्जर, बीमारियों का खतरा बढ़ा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। तहसील गोला क्षेत्र के ग्राम रायपुर में सफाई व्यवस्था बदहाल होने से ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। गांव में जगह-जगह कूड़े के ढेर लगे हैं और नालियां टूटी-फूटी व जाम होने के कारण गंदा पानी सड़कों पर भर रहा है, जिससे लोगों को उसी गंदे पानी से होकर गुजरना पड़ रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि कई हफ्तों से गांव में नियमित सफाई नहीं कराई गई है। सद्दाम, बबलू राजा, इरफान, राजू समेत अन्य ग्रामीणों ने बताया कि यदि सफाई कर्मी आता भी है तो वह केवल प्रधान के मोहल्ले तक ही सीमित रहता है और पूरे गांव में सफाई नहीं की जाती। गांव में फैली गंदगी के कारण मच्छरों का प्रकोप बढ़ रहा है, जिससे डेंगू व अन्य संक्रामक रोग फैलने का खतरा बना हुआ है। वहीं, इस मामले में ग्राम प्रधान शहनाज अंसारी ने ग्रामीणों के आरोपों को निराधार बताते हुए कहा कि गांव में नियमित सफाई कराई जा रही है और समय आने पर दवा का छिड़काव भी कराया जाएगा। उधर, एडीओ पंचायत अवनीश त्रिपाठी ने बताया कि उन्हें इस संबंध में कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई है। यदि कोई ग्रामीण सफाई व्यवस्था को लेकर शिकायत करता है, तो तत्काल कार्रवाई कर सफाई सुनिश्चित कराई जाएगी ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि गांव में नियमित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित की जाए और नालियों की मरम्मत कराई जाए।

थाना के पीछे से बाइक चुराने वाला चोर गिरफ्तार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उरई। जिले के कुठौंद थाना क्षेत्र में पुलिस ने थाना के पीछे से बाइक चुराने वाले शातिर चोर को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के खिलाफ पहले से छह से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं। थाना प्रभारी अजय पाठक ने बताया कि बीते दिनों कुठौंद थाना के पीछे खड़ी एक युवक की बाइक चोरी हो गई थी। इस घटना के बाद थाना पुलिस सक्रिय थी। शनिवार को मिली सूचना पर पुलिस ने आरोपित फैजान को चोरी की बाइक समेत धर दबोचा। पूछताछ में आरोपित ने थाना के पीछे से बाइक चुराने की घटना को अंजाम देना स्वीकार किया। थाना प्रभारी अजय पाठक ने बताया कि आरोपित पर पहले से ही चोरी और अन्य गंभीर धाराओं में छह से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। कुठौंद थाना पुलिस ने आरोपित को न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

चोरों का आतंक: भल्लिया बुजुर्ग मोड़ पर दुकान से नगदी सहित हजारों का सामान पार, पुलिस की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

अज़ान खीरी। गोला थाना क्षेत्र में चोरों के हौसले लगातार बुलंद होते नजर आ रहे हैं। बीते शुक्रवार की रात खम्हौल गांव के पास नेशनल हाईवे स्थित भल्लिया बुजुर्ग मोड़ पर एक परचून की दुकान को निशाना बनाते हुए अज्ञात चोरों ने नगदी सहित हजारों रुपये का सामान पार कर दिया। घटना के बाद पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े हो गए हैं। जानकारी के अनुसार, सौठन गांव निवासी ललित कुमार त्रिपाठी की परचून की दुकान का शटर तोड़कर चोर अंदर घुस गए और काउंटर में रखे करीब 3 हजार रुपये नकद, लगभग 13 किलोग्राम रिफाइंड के पैकेट, 14 किलोग्राम सरसों के तेल की बोतलें तथा दो बोरी चावल चोरी कर ले गए। चोरों ने पास में स्थित सत्य ज्वैलर्स नामक सर्राफा दुकान की पिछली दीवार तोड़ने का भी प्रयास किया, लेकिन इसमें सफल नहीं हो सके। शनिवार सुबह जब दुकान मालिक अपनी दुकान खोलने पहुंचे तो शटर टूटा हुआ और सामान बिखरा देखकर उनके होश उड़ गए। उन्होंने तत्काल घटना की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची गोला पुलिस ने प्रारंभिक जांच के दौरान इसे अपना क्षेत्र मानने से इनकार कर दिया, जिससे स्थानीय ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया। बाद में ग्रामीणों के विरोध और क्षेत्र गोला थाना क्षेत्र में होने की पुष्टि के बाद पुलिस ने तहरीर लेकर जांच शुरू की इस घटना के बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि यदि पुलिस को अपने ही क्षेत्र की स्पष्ट जानकारी नहीं है, तो आमजन की सुरक्षा कैसे सुनिश्चित होगी। ग्रामीणों ने क्षेत्र में नियमित गश्त बढ़ाने और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। घटना के बाद इलाके में भय और असुरक्षा का माहौल बना हुआ है।

जीएसटी में कर प्रणाली के सरलीकरण की मांग हुई मुखर, व्यापारियों ने सौंपा ज्ञापन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

औरैया। उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में व्यापारियों के हितों को ध्यान में रखते हुए विभिन्न संशोधनों की मांग तेज हो गई है। इस संबंध में व्यापारिक संगठनों ने कर प्रणाली को अधिक सरल, न्यायसंगत और व्यावहारिक बनाने की मांग करते हुए उप जिलाधिकारी सदर अजय आनंद वर्मा को ज्ञापन सौंपा। व्यापारियों का कहना है कि नए बर्तनों पर 5 प्रतिशत जीएसटी जबकि पुराने बर्तनों पर 18 फीसदी जीएसटी दर लागू होना तर्कसंगत नहीं है। इस असमानता को समाप्त करते हुए पुराने बर्तनों पर भी 5 प्रतिशत कर निर्धारित करने की मांग की गई है। इसके अलावा, ई-वे बिल और टैक्स जमा होने के बावजूद मामूली कागजी त्रुटियों पर वाहनों को रोककर भारी जुर्माना वसूलने की कार्रवाई पर भी आपत्ति जताई गई। व्यापारियों ने मांग की कि सचल दल की ओर से बाजारों और गोदामों में जांच के बजाए केवल हाईवे पर चेकिंग की व्यवस्था लागू की जाए, ताकि छोटे और ग्रामीण व्यापारियों को अनावश्यक परेशानियों से बचाया जा सके। उन्होंने जीएसटी प्रक्रिया को सरल बनाने, छोटी त्रुटियों पर दंडात्मक कार्रवाई न करने, ईंट भट्टों के लिए पूर्व में लागू समाधान योजना को पुनः शुरू करने तथा फर्जी फर्मों पर रोक लगाने के लिए भौतिक सत्यापन अनिवार्य करने की मांग भी उठाई। साथ ही विक्रेता ने टैक्स जमा न करने की स्थिति में खरीदार पर बोझ डालना अन्यायपूर्ण बताया गया।

व्यापारियों ने ऑनलाइन व्यापार पर नियंत्रण लगाने की मांग करते हुए कहा कि इससे छोटे और मध्यम व्यवसाय प्रभावित हो रहे हैं। इस दौरान अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष सुधीर पुरवार, राजकुमार सक्सेना, गोपाल जी दुबे, अजीत मिश्रा, कन्हैया पोरवाल, शीलू पोरवाल, गुड्डू शुक्ला, रामचंद्र, रिंकू वर्मा, बबलू अग्निहोत्री, ओम प्रकाश शुक्ला, आशीष वर्मा, हर्षित बिश्नोई एवं अमन गुप्ता सहित दर्जनों व्यापारी मौजूद रहे।

केवल रस्म अदायगी बनकर रह गया सम्पूर्ण समाधान दिवस

31 में से सिर्फ एक शिकायत का निस्तारण

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। प्रदेश सरकार के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद तहसीलों में आयोजित होने वाले सम्पूर्ण समाधान दिवस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े होने लगे हैं। माह के पहले और तीसरे शनिवार को आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य जहां आमजन की समस्याओं का त्वरित निस्तारण करना है, वहीं गोला तहसील में आयोजित समाधान दिवस में स्थिति इसके विपरीत नजर आई। तहसील गोला के सभागार में उपजिलाधिकारी प्रतीक्षा त्रिपाठी की अध्यक्षता में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 31 शिकायतें प्राप्त हुईं, लेकिन मौके पर मात्र एक शिकायत का ही निस्तारण किया जा सका। शेष 30 शिकायतों को संबंधित अधिकारियों को स्थलीय निरीक्षण कर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश देते हुए अग्रसारित कर दिया गया। समाधान दिवस में पहुंचे फरियादियों में सर्वाधिक 22 शिकायतें राजस्व एवं आपदा विभाग से संबंधित रहीं, जबकि पुलिस विभाग की 4, संयुक्त जांच से संबंधित 2, खाद्य एवं रसद विभाग की 1, स्टांप एवं रजिस्ट्रेशन विभाग की 1 तथा विद्युत विभाग की 1 शिकायत शामिल रही। सभी फरियादी न्याय की उम्मीद लेकर पहुंचे थे, लेकिन केवल एक को ही तत्काल राहत मिल सकी। इस स्थिति को लेकर फरियादियों में निराशा देखी गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समाधान दिवस में भी समस्याओं का मौके पर समाधान नहीं हो पा रहा है, तो इसकी उपयोगिता पर सवाल उठना स्वाभाविक है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि इस व्यवस्था को प्रभावी बनाते हुए अधिक से अधिक शिकायतों का तत्काल निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, ताकि आमजन को वास्तविक राहत मिल सके।

जौनपुर में करंट से तीन की मौत मामले में मुख्य अभियंता को जांच के आदेश, 7 अप्रैल तक रिपोर्ट तलब

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले में 25 अगस्त 2025 को नगर कोतवाली थाना अंतर्गत मछलीशहर पड़ाव के पास बिजली के खंभे में उतरे विद्युत करंट की चपेट में आकर तीन लोगों की मौत हो गई थी। इस मामले में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) न्यायालय ने गंभीर रुख अपनाते हुए शनिवार को जांच के आदेश दिए हैं। वाराणसी क्षेत्र के मुख्य अभियंता, विद्युत विभाग को पूरे प्रकरण की जांच सौंपी गई और उन्हें सात अप्रैल तक अपनी रिपोर्ट न्यायालय में प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है। मामले में मियापुर लाइन बाजार निवासी साक्षी मिश्रा ने अधिवक्ता उपेंद्र विक्रम सिंह एवं हिमांशु श्रीवास्तव के माध्यम से न्यायालय में प्रार्थना पत्र दाखिल किया था।

मेला चैती की सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़

सीसीटीवी निगरानी से हर गतिविधि पर नजर

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। ऐतिहासिक चैती मेले में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आ रहा है। मेला परिसर में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं, जिसके तहत पूरे मेला ग्राउंड को सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में रखा गया है। मेला प्रशासन द्वारा मेले के विभिन्न प्रमुख स्थलों पर कुल 36 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, जिनके माध्यम से हर गतिविधि पर लगातार नजर रखी जा रही है। इसके साथ ही प्रत्येक प्वाइंट पर एक उपनिरीक्षक के साथ चार सिपाहियों की तैनाती की गई है, ताकि किसी भी प्रकार की अव्यवस्था या अप्रिय घटना को रोका जा सके। सुरक्षा व्यवस्था की कमान मेला प्रभारी क्राइम इंस्पेक्टर संतोष कुमार सिंह के नेतृत्व में संभाली जा रही है। वहीं, लखीमपुर पुलिस लाइन से विशेष ड्यूटी पर आए रविन्द्र कुमार पाण्डेय भी सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। उनके नेतृत्व में पुलिस बल हर आधे घंटे के अंतराल पर पूरे मेला परिसर में गश्त कर रहा है। इसके अलावा रविन्द्र कुमार पाण्डेय लगातार सीसीटीवी कंट्रोल रूम में बैठकर सभी कैमरों की निगरानी कर रहे हैं। वे हर प्वाइंट पर भीड़ की स्थिति और तैनात सुरक्षा कर्मियों की गतिविधियों पर नजर बनाए हुए हैं तथा आवश्यकतानुसार माइक के माध्यम से अनाउंसमेंट कर लोगों को दिशा-निर्देश भी दे रहे हैं प्रशासन की इस मुस्तैदी से मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को सुरक्षा का भरोसा मिल रहा है और व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने में मदद मिल रही है।

सनराइजर्स के खिलाफ एलएसजी के बल्लेबाजों को दिखाना होगा दम

एजेंसी

हैदराबाद। लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में रविवार को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ यहां होने वाले मैच में अगर जीत दर्ज करनी है तो उसके बल्लेबाजों को अहम भूमिका निभानी पड़ेगी।

सनराइजर्स की टीम ने अपने पिछले मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को 65 रन से हराया था जिससे वह अपने घरेलू मैदान पर सत्र के पहले मैच में आत्मविश्वास के साथ उतरेगी। उप्पल के स्टेडियम में दोपहर के खेल में बल्लेबाजों को मदद मिलने की उम्मीद है जिससे कि एलएसजी के लिए यह मैच अधिक चुनौतीपूर्ण बन गया है। सनराइजर्स को यहां की परिस्थितियां पसंद हैं और इसलिए वह मैच में जीत के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेगा। अपने पहले दो सत्र में प्लेऑफ में जगह बनाने के बावजूद संजीव गोयनका के स्वामित्व वाली एलएसजी की टीम पिछले कुछ वर्षों से खराब प्रदर्शन कर रही है। इस बार भी उसका अभियान अच्छा नहीं रहा है। जस्टिन लैंगर की कोचिंग वाली टीम में ऑस्ट्रेलिया के टी20 कप्तान मिचेल मार्श, दक्षिण अफ्रीका के एडन मारक्रम, कप्तान ऋषभ पंत और विस्फोटक निकोलस पूरन जैसे दमदार बल्लेबाज शामिल हैं। लेकिन इसके बावजूद उसकी टीम आईपीएल के अपने पहले मैच में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ अपने घरेलू मैदान इकाना में 141 रन पर आउट हो गई जिससे टीम की कई गंभीर समस्याएं उजागर हुईं। टीम के लिए बल्लेबाजी

क्रम में रणनीतिक फ़ेरबदल भी काम नहीं आया। एलएसजी ने मार्श और मार्करम की अपनी स्थापित सलामी जोड़ी से हटकर भारतीय टीम से बाहर चल रहे विकेटकीपर बल्लेबाज पंत को पारी का आगाज करने के लिए भेज दिया। पंत रन आउट होने से पहले केवल सात रन ही बना पाए, जिससे उनके बल्लेबाजी क्रम को लेकर बहस फिर से शुरू हो गई। उन्हें अब तीसरे नंबर पर भेजा जा सकता है। पिछले साल उन्होंने इसी नंबर पर खेलते हुए शतक लगाया था। पूरन ने भी इस नंबर पर खेलते हुए अच्छा प्रदर्शन किया है, लेकिन वेस्टइंडीज के इस स्टार खिलाड़ी को बीच के ओवरों की जिम्मेदारी संभाली पड़ सकती है। मार्श ने पिछले मैच में 35 रन बनाकर एलएसजी को अच्छी शुरुआत दिलाई थी लेकिन अन्य बल्लेबाज खास योगदान नहीं दे पाए। एलएसजी की बल्लेबाजी में तालमेल की कमी नजर आ रही है और इसे देखते हुए उसके लिए मार्श और मार्करम की जोड़ी से पारी की शुरूआत करवाना अच्छा होगा। गेंदबाजी एलएसजी का मजबूत पक्ष है। पिछले मैच में मोहम्मद शमी ने युवा तेज गेंदबाज प्रिंस यादव के साथ मिलकर नई गेंद से शानदार गेंदबाजी करते हुए पुराने दिनों की याद दिला दी, लेकिन बीच के ओवरों में उसके गेंदबाज अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए जिससे पिछले सत्र में 14 विकेट लेने वाले मिस्ट्री लेग स्पिनर दिग्वेश राठी को टीम से बाहर रखने पर सवाल उठने लग गए हैं।

मुझे नहीं लगता कि अब फिनिशर की भूमिका प्रासंगिक रह गई है: फ्लेमिंग

एजेंसी

चेन्नई, चार अप्रैल (भाषा) चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग का मानना ??है कि वर्तमान समय में टी20 क्रिकेट में पारंपरिक फिनिशर की भूमिका बहुत प्रासंगिक नहीं रह गई है, क्योंकि मैच की शुरुआत से ही पूरी तरह से आक्रामक खेल खेला जा रहा है। सीएसके ने अपनी टीम में काफी फ़ेरबदल किया है। उसकी बल्लेबाजी इकाई में शीर्ष क्रम के विशेषज्ञ बल्लेबाजों का दबदबा है, जिससे मध्य और निचले क्रम में विशेष रूप से फिनिशर की भूमिका की कमी महसूस हो रही है। फ्लेमिंग ने पंजाब किंग्स के हाथों सीएसके की पांच विकेट से हार के बाद पत्रकारों से कहा, ''मुझे नहीं लगता कि अब फिनिशर जैसी कोई चीज रह गई है। पहली गेंद से ही हर कोई ताबड़तोड़ बल्लेबाजी कर रहा है। अब

ऐसा नहीं है कि 16वें ओवर तक रन गति कुछ धीमी रखकर फिर तेजी से रन बनाए जाएं। पहली गेंद से ही प्रत्येक बल्लेबाज आक्रामक अंदाज में खेल रहा है। उन्होंने कहा, ''इसलिए पारी की शुरुआत से ही 10, 11, 12 का रन रेट अपेक्षित है। आपको 40 रन तक पहुंचने के लिए अधिक आक्रामक दृष्टिकोण अपनाना होगा। इसलिए आपके पास ऐसे बल्लेबाज होने चाहिए जो शुरू से लेकर आखिर तक आक्रामक खेल खेलें और निश्चित रूप से हमारे पास वही टीम है। फ्लेमिंग ने कहा, ''डेवाल्ड ब्रेविस चोट के कारण बाहर हैं और सर्वश्रेष्ठ फिनिशरों में से एक महेंद्र सिंह धोनी चोटिल हैं। इसलिए हमारे पास कुछ ताकत तो है। हमें उम्मीद है कि ब्रेविस की वापसी के बाद बीच के ओवरों में उनका दबदबा रहेगा। मैं अपनी टीम के खेल के तरीके से संतुष्ट हूं। भारत को टी20 विश्व कप में चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाने वाले बल्लेबाज संजू सैमसन पहले दो मैचों में संघर्ष करते नजर आए हैं। फ्लेमिंग ने हालांकि उनका समर्थन किया। उन्होंने कहा, ''वह अच्छा अभ्यास कर रहा है और जब वह लय में आ जाता है तो अक्सर मैच विजेता खिलाड़ी साबित होता है। इसलिए पहले दो मैच में उसका प्रदर्शन चिंता का विषय नहीं है। फ्लेमिंग ने बल्ले और गेंद के बीच बेहतर संतुलन बनाए रखने की भी अपील की और कहा कि इम्पैक्ट प्लेयर नियम ने खेल को बल्लेबाजी के पक्ष में झुका दिया है।

गेंदबाजी सीएसके के लिए सबसे बड़ी चिंता: गावस्कर

एजेंसी

चेन्नई। भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर का मानना है कि पांच बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के लिए सबसे बड़ी चिंता उसकी गेंदबाजी है और उन्हें अपना अभियान पटरी पर लाने के लिए इस विभाग पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। सीएसके को मौजूदा सत्र के अपने पहले दोनों मैच में हार का सामना करना पड़ा, जिसमें शुक्रवार को पंजाब किंग्स के हाथों पांच विकेट से मिली हार भी शामिल है।

गावस्कर ने स्टार स्पोर्ट्स के एक कार्यक्रम में कहा, ''हमने अब तक जो देखा है उससे लगता है कि टूर्नामेंट के बाकी बचे मैचों में सीएसके के लिए सबसे बड़ी चिंता उसकी गेंदबाजी होगी। इसका मतलब है कि उन्हें अपने गेंदबाजों को मौका देने के लिए लगातार 225-230 के आसपास रन बनाने होंगे। उन्होंने कहा, ''आजकल अधिकतर टीमों की बल्लेबाजी में गहराई है। पंजाब किंग्स को ही लीजिए जिसके पास सातवें नंबर पर मार्कस स्टोइनिस जैसा धाकड़ बल्लेबाज है। कई टीम की बल्लेबाजी में इस गहराई को देखते हुए सीएसके को अपनी गेंदबाजी मजबूत करनी होगी। युवा आयुष म्हात्रे ने सीएसके के लिए 43 गेंदों में 73 रन बनाए जिससे उसकी टीम पांच विकेट पर 209 रन बनाने में सफल रही। गावस्कर ने कहा, ''मेरा मानना है कि आयुष म्हात्रे के लिए बल्लेबाजी क्रम में तीसरा नंबर अच्छा है। उन्होंने अंडर-19 टीम की तरफ से निचले क्रम में बल्लेबाजी की है, लेकिन नंबर तीन उनके लिए उपयुक्त हो सकता है,'' गावस्कर ने कहा। भारत के पूर्व कप्तान ने कहा, ''म्हात्रे पिछले मैच में पहली ही गेंद पर आउट हो गए थे, लेकिन उन पर इसका कोई असर नहीं दिखा। यही अगली पीढ़ी की सोच की खूबसूरती है। वे अतीत पर ज्यादा ध्यान नहीं देते और वर्तमान पर केंद्रित रहते हैं। यह शानदार रवैया है।''

आरसीबी की निगाह दूसरी जीत पर, सीएसके को गेंदबाजी में करना होगा सुधार

एजेंसी

बेंगलुरु। अपने पहले मैच में शानदार जीत हासिल करने के बाद पर्याप्त आराम पाने वाली रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम रविवार को यहां चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैच में लगातार दूसरी जीत हासिल करने की कोशिश करेगी। सीएसके के लिए संजू सैमसन की फॉर्म और गेंदबाजी विभाग का कमजोर होना चिंता का विषय है। आरसीबी की टीम 28 मार्च को एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ छह विकेट से जीत दर्ज करने के बाद अच्छी तरह से आराम कर चुकी है और वह तरोताजा होकर मैदान पर उतरेगी। मानसिक और शारीरिक ताजगी के अलावा आरसीबी अब अपने प्रतिद्वंद्वियों की

तुलना में कहीं बेहतर टीम नजर आ रही है। आरसीबी के पास विराट कोहली की अगुवाई में शीर्ष क्रम में दमदार बल्लेबाज हैं। कोहली ने अपने बेजोड़ कौशल के दम पर पावर हिटिंग के इस जमाने में खुद को प्रासंगिक बनाए रखा है। देवदत्त पडिक्कल ने अपने भीतर के असली बल्लेबाज को जगा दिया है जो सनराइजर्स के खिलाफ उनकी 26 गेंद पर खेली गई 61 रन की तूफानी पारी में स्पष्ट नजर आया। रजत पाटीदार टीम की कप्तानी करने और आरसीबी के मध्य क्रम को मजबूती देने की दोहरी भूमिका अच्छी तरह से निभा रहे हैं। आरसीबी में अपनी गेंदबाजी में बहुत ज्यादा सुधार किया है। कभी उसकी गेंदबाजी को कमजोर माना जाता था लेकिन उसने कुछ प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को शामिल करके इसे पूरी तरह से बदल दिया है। आरसीबी को जोश हेज़लवुड की अनुपस्थिति से काफी नुकसान होने की उम्मीद थी, लेकिन जैकब डफी ने सहजता से उनकी जगह ली और तीन विकेट लेकर सनराइजर्स के शीर्ष क्रम को ध्वस्त कर दिया। आरसीबी की टीम इस मैच के लिए अभिनंदन सिंह की जगह बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मंगेश यादव को टीम में शामिल करने पर भी विचार कर सकती है। क्रुणाल पंड्या और सुयश शर्मा टी20 के दिग्गज स्पिनरों में शामिल नहीं हैं, लेकिन उन्होंने बीच ओवरों में अपनी कसी हुई गेंदबाजी से आरसीबी का उद्देश्य बखूबी पूरा किया है। उन्हें अब शिवम दुबे, सरफराज खान और आयुष म्हात्रे जैसे बल्लेबाजों पर अंकुश लगाना होगा। जहां तक सीएसके का सवाल है तो उसके गेंदबाजों को अच्छा प्रदर्शन करने की जरूरत है। उन्होंने पहले दो मैचों में 30.5 ओवर में सिर्फ सात विकेट लेकर 338 रन लुटा दिए। उसके स्पिनर नूर अहमद और राहुल चाहर शुक्रवार को पंजाब किंग्स के खिलाफ बुरी तरह फ्लॉप रहे।

संक्षिप्त समाचार

पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर पर धीमी ओवर गति के लिए 24 लाख का जुर्माना

चेन्नई। पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर पर चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेले गए इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैच के दौरान धीमी ओवर गति बनाए रखने के लिए 24 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। पिछली बार के उपविजेता पंजाब किंग्स ने शुक्रवार को यहां पांच बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स को पांच विकेट से हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की। आईपीएल के एक बयान के अनुसार, ''पंजाब किंग्स का न्यूनतम ओवर गति से संबंधित आईपीएल आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत इस सत्र का यह दूसरा अपराध था, इसलिए अय्यर पर 24 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। इसमें कहा गया है, ''इंपैक्ट प्लेयर सहित अंतिम एकादश में शामिल खिलाड़ियों पर छह लाख रुपये या उनकी मैच फीस के 25 प्रतिशत में से जो भी कम हो,का जुर्माना लगाया गया।'

श्याम सुंदर स्वामी ने कांस्य पदक जीता राकेश और अंजुम चौथे स्थान पर रहे

बैंकॉक। श्याम सुंदर स्वामी ने अपने सीनियर साथी खिलाड़ी और पेरिस पैरालंपिक के पदक विजेता राकेश कुमार को कड़े मुकाबले वाले प्लेऑफ में हराकर विश्व तीरंदाजी पैरा सीरीज में कांस्य पदक जीता। पुरुषों की कंपाउंड व्यक्तिगत स्पर्धा के कांस्य पदक मैच में स्वामी प्लेऑफ में 10–9 से विजयी रहे। इससे पहले दोनों खिलाड़ियों ने समान 143 अंक बनाए थे और इसलिए टाईब्रेक का सहारा लेना पड़ा। पेरिस पैरालंपिक्स में मिश्रित टीम के कांस्य पदक विजेता राकेश ने टाईब्रेक में हार के कारण चौथे स्थान पर रहकर अपना अभियान समाप्त किया। महिला वर्ग की व्यक्तिगत स्पर्धा में अंजुम तनवार भी दक्षिण कोरिया की प्रतिद्वंदी के खिलाफ कांस्य पदक मैच में 2–6 से हारने के बाद चौथे स्थान पर रहीं। बैंकॉक में हाल में इसी स्थान पर खेले गए एशिया कप के पहले चरण में भारत ने दो स्वर्ण, चार रजत और चार कांस्य सहित 10 पदक जीतकर शानदार प्रदर्शन किया था।

ग्रीन और मायर का शानदार प्रदर्शन, न्यूजीलैंड ने दक्षिण अफ्रीका से वनडे श्रृंखला जीती

वेलिंगटन। मैडी ग्रीन के करियर के तीसरे शतक और तेज गेंदबाज रोजमैरी मायर के पांच विकेट की मदद से न्यूजीलैंड ने शनिवार को यहां तीसरे और अंतिम महिला एकदिवसीय क्रिकेट मैच में दक्षिण अफ्रीका को 66 रन से हराकर तीन मैच की श्रृंखला 2–1 से जीती। ग्रीन ने 128 गेंद पर नाबाद 141 रन बनाए जो उनके करियर का सर्वोच्च स्कोर है। अपनी पारी में 15 चौके लगाने वाली ग्रीन ने ब्रूक हालीडे (124 गेंद पर 98 रन, 13 चौके) के साथ चौथे विकेट के लिए रिकॉर्ड 211 रन की साझेदारी करके न्यूजीलैंड को शुरुआती झटकों से उबारा। पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किए जाने के बाद न्यूजीलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी और उसने तीन रन पर तीन विकेट गंवा दिए थे। लेकिन ग्रीन और हालीडे की पारियों की मदद से वह सात विकेट पर 306 रन का मजबूत स्कोर खड़ा करने में सफल रहा। इसके जवाब में दक्षिण अफ्रीका की टीम 46.1 ओवर में 240 रन पर आउट हो गई। उसकी तरफ से कप्तान लॉरा वूलफार्ट (68 गेंदों पर 69 रन) और अनेरी ड्रैकसन (52 गेंदों पर 47 रन) ही कुछ योगदान दे पाई। न्यूजीलैंड की तरफ से मायर ने 50 रन देकर पांच विकेट लिए जो उनके करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। एमिलिया केर ने 37 रन देकर दो विकेट हासिल किए। दक्षिण अफ्रीका ने पहला मैच दो विकेट से जीता था जबकि न्यूजीलैंड ने दूसरा वनडे दो विकेट से जीतकर वापसी की थी। न्यूजीलैंड ने इससे पहले इन दोनों टीम के बीच पांच मैच की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला 4–1 से जीती थी।

केंद्र सरकार युद्ध प्रभावित उद्योगों को देगी 2.5 लाख करोड़ रुपये की बड़ी राहत

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी भीषण संघर्ष के बीच भारतीय उद्योगों को बड़ी राहत देने के लिए केंद्र सरकार एक महत्वाकांक्षी कर्ज गारंटी योजना लाने की तैयारी कर रही है। वित्तीय सेवा विभाग द्वारा तैयार की जा रही इस योजना के तहत लगभग 2 से 2.5 लाख करोड़ रुपये की कर्ज गारंटी दी जा सकती है। यह पहल मुख्य रूप से उन कंपनियों और क्षेत्रों को लक्षित करेगी जो कच्चे माल की बढ़ती लागत, लॉजिस्टिक चुनौतियों और आपूर्ति श्रृंखला में आए व्यवधानों के कारण नकदी के संकट से जूझ रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, इस योजना का ढांचा कोविड–19 महामारी के दौरान सफल रही 'ईसीएलजीएस' योजना पर आधारित होगा, जिसकी आधिकारिक घोषणा अगले 15 दिनों के भीतर होने की संभावना है। ईरान युद्ध के चलते सबसे ज्यादा दबाव सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों और निर्यात क्षेत्र पर देखा जा रहा है। बढ़ते समुद्री मालभाड़े और अंतरराष्ट्रीय सीमाओं पर आवाजाही में रुकावट ने इन क्षेत्रों के लाभ मार्जिन को काफी कम कर दिया है। सरकार की इस नई योजना से छोटे उद्यमियों को बिना किसी अतिरिक्त कोलेटरल के बैंक से कर्ज मिल सकेगा, जिससे वे न केवल अपना कारोबार सुचारू रख पाएंगे, बल्कि अपने कर्मचारियों का वेतन भी समय पर दे सकेंगे। यह कदम अनिश्चित वैश्विक माहौल में उद्यमियों का मनोबल बढ़ाने और भारतीय अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले अतिरिक्त दबाव को कम करने के लिए एक रणनीतिक सुरक्षा कवच के रूप में देखा जा रहा है। भू–राजनीतिक तनाव और यूक्रेन युद्ध जैसी चुनौतियों के बावजूद, भारत के निर्यात क्षेत्र ने अद्भुत जुझारूपन दिखाया है। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2025–26 के रुझान सकारात्मक बने हुए हैं और कई बाधाओं के बावजूद वस्तु निर्यात की रफ्तार थमी नहीं है। सरकार विभिन्न क्षेत्रों के साथ निरंतर संपर्क में है ताकि उत्पादन पर पड़ने वाले प्रभाव का सटीक आकलन किया जा सके। विशेषज्ञों का मानना है कि समय रहते 2.5 लाख करोड़ रुपये की इस लिक्विडिटी सहायता से भारतीय निर्यातक वैश्विक बाजार में अपनी प्रतिस्पर्धात्मकता बनाए रखने में सक्षम होंगे और आपूर्ति श्रृंखला के झटकों को आसानी से झेल सकेंगे।

डाबर को मार्च तिमाही में राजस्व में मध्यम वृद्धि की उम्मीद

एजेंसी

नयी दिल्ली। दैनिक उपभोग के सामान बनाने वाली घरेलू कंपनी डाबर को हाल ही में समाप्त मार्च तिमाही में अपनी एकीकृत आय में मध्यम स्तर की वृद्धि होने की उम्मीद है। इसके साथ ही कंपनी ने कहा कि घरेलू बाजार में सुधार और अंतरराष्ट्रीय व्यापार में अच्छी बढ़त से उसे समर्थन मिलेगा। कंपनी ने 31 मार्च, 2026 को समाप्त हुई तिमाही के वित्तीय अनुमानों की जानकारी देते हुए कहा कि घरेलू बाजार में मांग लौटने से भारतीय कारोबार में लगातार सुधार हो रहा है। हालांकि, पश्चिम एशिया में जारी राजनीतिक और सैन्य तनाव के कारण वहां सामान की आपूर्ति और मांग पर बुरा असर पड़ा है। डाबर के अनुसार, घर की साफ-सफाई और व्यक्तिगत सौंदर्य से जुड़े उत्पादों के खंड में अच्छी तेजी बनी हुई है। इसके अलावा, रियल एक्टिव जूस और नारियल पानी के कारोबार में 20 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि जारी है। डाबर ने कहा कि वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जारी तनावों पर नजर बनाए हुए है और भविष्य में होने वाले नुकसान से बचने के लिए जरूरी कदम उठाती रहेगी।

आइनॉक्स एयर का तमिलनाडु में अति–उच्च शुद्धता वाला तरल ऑक्सीजन संयंत्र शुरू

नयी दिल्ली। आइनॉक्स एयर प्रोडक्ट्स ने शुक्रवार को कहा कि उसने भारत के सेमीकंडक्टर एवं सौर विनिर्माण क्षेत्रों को सहायता देने के लिए तमिलनाडु के होसुर में अपना पहला अति-उच्च शुद्धता वाला तरल ऑक्सीजन संयंत्र शुरू किया है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि यह संयंत्र प्रतिदिन 17 टन (500 घन मीटर प्रति घंटा) की क्षमता के साथ '6एन ग्रेड' (99.9999 प्रतिशत शुद्धता) वाला तरल ऑक्सीजन का उत्पादन करता है। इससे इलेक्ट्रॉनिक्स और फोटोवोल्टिक उद्योगों की जरूरतों को पूरा करने में मदद मिलेगी। आइनॉक्स एयर प्रोडक्ट्स ने कहा कि यह संयंत्र अति-उच्च शुद्धता वाले ऑक्सीजन के आयात पर निर्भरता कम करने में मदद करेगा, जिसे पहले विदेशों से मंगाया जाता था। साथ ही इससे घरेलू निर्माताओं के लिए आपूर्ति की विश्वसनीयता में भी सुधार होगा।

जम्मू–कश्मीर की आर्थिक वृद्धि दर 2024–25 में घटकर 11.18 प्रतिशत रही: कैग रिपोर्ट

एजेंसी

जम्मू। वित्त वर्ष 2024-25 में जम्मू-कश्मीर के सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) की वृद्धि दर घटकर 11.18 प्रतिशत रह गई जबकि इससे एक साल पहले यह 12.51 प्रतिशत थी। भारत के नियंत्रक और महालेखापरीक्षक (कैग) की रिपोर्ट में यह जानकारी सामने आई है। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बृहस्पतिवार को विधानसभा में कैग की यह रिपोर्ट पेश की। रिपोर्ट के अनुसार, देश के कुल सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में जम्मू-कश्मीर की हिस्सेदारी मामूली रूप से बढ़कर 0.79 प्रतिशत हो गई है। रिपोर्ट कहती है कि वित्त वर्ष 2020-21 से लेकर 2024-25 के दौरान जम्मू-कश्मीर की अर्थव्यवस्था का आकार 1.67 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 2.62 लाख करोड़ रुपये हो गया। केंद्रशासित प्रदेश में प्रति व्यक्ति सालाना आय वर्ष 2020-21 के

1,01,645 रुपये से बढ़कर 2024-25 में 1,54,826 रुपये हो गई है। हालांकि यह अब भी राष्ट्रीय औसत से कम है। कैग ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि जम्मू-कश्मीर में कुल खर्च का एक बड़ा हिस्सा पहले से तय आर्थिक देनदारियों और सब्सिडी को चुकाने में चला जाता है। इसके कारण बुनियादी ढांचे और विकास कार्यों पर निवेश के लिए बहुत कम पैसा बचता है। रिपोर्ट के मुताबिक, बढ़ता हुआ कर्ज का बोझ और कम पूंजीगत निवेश जम्मू-कश्मीर की वित्तीय स्थिति के लिए चिंता का विषय है। कैग ने जम्मू कश्मीर की सरकार को अपनी कमाई बढ़ाने और खर्चों पर बेहतर नियंत्रण रखने का सुझाव दिया है।

वेदांता का मार्च तिमाही में एल्युमिनियम, जिंक का उत्पादन बढ़ा, लौह अयस्क उत्पादन घटा

नयी दिल्ली। खनन क्षेत्र की प्रमुख कंपनी वेदांता लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2025-26 की अंतिम तिमाही के लिए शुक्रवार को मिला-जुला परिचालन प्रदर्शन दर्ज किया।

आलोच्य अवधि में कंपनी का एल्युमिनियम और जस्ता उत्पादन बढ़ा, जबकि लौह अयस्क, इस्पात और तेल एवं गैस का उत्पादन घटा। कंपनी के अनुसार, समीक्षाधीन तिमाही में कुल एल्युमिनियम उत्पादन में दो प्रतिशत वृद्धि हुई, जबकि जिंक इंडिया के खनन धातु उत्पादन में भी दो प्रतिशत का इजाफा हुआ। तेल एवं गैस खंड में, कंपनी का औसत दैनिक सकल परिचालित उत्पादन मार्च तिमाही में 15 प्रतिशत घटकर 81,500 बैरल तेल प्रति दिन रह गया।

पश्चिम एशिया संकट से वैश्विक खाद्य सुरक्षा पर मंडराया काला साया

एजेंसी

नई दिल्ली। संयुक्त राष्ट्र के खाद्य और कृषि संगठन ने पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव को लेकर दुनिया भर में आर्थिक चेतावनी जारी की है। एफएओ की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, मार्च महीने में वैश्विक खाद्य मूल्य सूचकांक औसतन 128.5 अंक दर्ज किया गया, जो फरवरी की तुलना में 2.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। इस उछाल का मुख्य कारण कच्चे तेल की कीमतों में आई तेजी और ऊर्जा संकट को माना जा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि यह संघर्ष 40 दिनों की समयसीमा को पार कर जाता है, तो आपूर्ति श्रृंखला में आने वाले व्यवधान के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजारों में खाद्यान्न की कीमतें अनियंत्रित हो सकती हैं, जिससे विकासशील देशों में भुखमरी

■ 40 दिनों से अधिक युद्ध खिंचने पर आसमान छू सकती हैं खाने–पीने की चीजों की कीमतें, एफएओ ने जारी की चेतावनी

और महंगाई का संकट गहरा जाएगा। एफएओ के मुख्य अर्थशास्त्री मैक्सिमो टॉरेरो ने स्पष्ट किया है कि युद्ध लंबा खिंचने का सीधा असर खेती की लागत पर पड़ेगा। ईंधन और उर्वरक (फर्टिलाइजर) महंगे होने के कारण किसानों का मुनाफा कम होगा, जिससे वे उत्पादन में कटौती करने या

कम खाद का उपयोग करने पर मजबूर हो सकते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, लागत बढ़ने पर किसान कम रकबे में बुवाई करेंगे या ऐसी फसलों की ओर रुख करेंगे जिनमें उर्वरक की कम आवश्यकता हो। यह बदलाव न केवल वर्तमान वर्ष के लिए, बल्कि पूरे 2027 के लिए वैश्विक खाद्य आपूर्ति चक्र को प्रभावित करेगा। अनुमान है कि इस साल वैश्विक गेहूं उत्पादन पिछले साल के मुकाबले 1.7 प्रतिशत घटकर 820 मिलियन टन रह सकता है, जो भविष्य के लिए अच्छे संकेत नहीं हैं। खाद्य पदार्थों की श्रेणी में सबसे अधिक असर चीनी और वनस्पति तेलों पर देखा जा रहा है। मार्च में चीनी की कीमतों में 7.2% की भारी वृद्धि दर्ज की गई है, क्योंकि प्रमुख निर्यातक देश ब्राजील अब ऊंचे कच्चे तेल के दामों के कारण गन्ने का उपयोग चीनी के बजाय 'इथेनॉल' बनाने में अधिक कर रहा है। इसी तरह, बायोफ्यूल की मांग बढ़ने की उम्मीद में वनस्पति तेलों के दाम 5.1% तक बढ़ गए हैं। अमेरिका में सूखे और ऑस्ट्रेलिया में खाद की कमी के डर से गेहूं की कीमतें भी 4.3% तक चढ़ गई हैं। एफएओ ने चेतावनी दी है कि यदि पश्चिम एशिया का संकट जल्द नहीं सुलझा, तो परिवहन और उर्वरक की बढ़ी हुई लागत दुनिया के गरीब और विकासशील देशों की 'थाली' पर सीधा प्रहार करेगी।

स्वामी मुद्रक प्रकाशक एवं सम्पादक हरिनाथ सिंह * द्वारा टिनटिन प्रिन्टेक प्राइवेट लिमिटेड डी-33 अमौसी इण्डस्ट्रीयल एरिया, नादरगंज, लखनऊ से मुद्रित एवं 1/39 प्रथम तल करामत मार्केट निशातगंज, लखनऊ से प्रकाशित, सम्पर्क-522-4064242
Email: noidarp@gmail.com, therptimes@yahoo.com, 9918735329 * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

सूचना
पाठकों को सुझाव दिया जाता है, कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले स्वयं उचित जाँच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावें की सच्चाई का आश्वासन नहीं देता तथा ऐसे विज्ञापनों पर विश्वास करके किसी भी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि, परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री और उनके परिजन बनारसी कचौड़ी-जलेबी के हुए कायल

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

वाराणसी। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का वाराणसी दौरे के दूसरे और अंतिम दिन शनिवार को बेहद सादगीपूर्ण और बनारसी रंग में रचा-बसा अंदाज देखने को मिला। शनिवार सुबह वाराणसी से मध्य प्रदेश लौटने से पहले मुख्यमंत्री यादव ने नदेसर स्थित मिंट हाउस के पास एक प्रसिद्ध मिठाई की दुकान पर अचानक अपना काफिला रुकवा दिया। यहां उन्होंने अपने परिजनों के साथ आम लोगों की तरह टेबल पर बैठकर बनारसी व्यंजनों—कचौड़ी, जलेबी और लस्सी का स्वाद लिया। स्थानीय व्यंजनों का आनंद लेने के बाद मुख्यमंत्री ने बनारसी खान-पान की सराहना करते हुए कहा कि भारत के हर प्रांत और शहर की अपनी विशिष्ट खान-पान की संस्कृति होती है, जो वहां की पहचान है। स्थानीय स्वाद और पारंपरिक व्यंजन हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। मुख्यमंत्री के इस सहज और सादगीपूर्ण व्यवहार की खबर फैलते ही दुकान के बाहर राहगीरों की भीड़ जुट गई। लोग उन्हें करीब से देखने के लिए उत्साहित नजर आए और उनके इस 'खांटी बनारसी' अंदाज की जमकर सराहना की। मिष्ठान्न भंडार में जलपान के बाद मुख्यमंत्री कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच बाबतपुर एयरपोर्ट के लिए रवाना हो गए, जहां से वे मध्य प्रदेश के लिए प्रस्थान कर गए।

स्कूल चलो अभियान में गूंजा शिक्षा का संदेश खिलाड़ियों और प्रतिभाशाली छात्रों का सम्मान

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बरेली। बरेली में शनिवार को स्कूल चलो अभियान और प्रवेश उत्सव का आयोजन अर्बनहाट स्थित ऑडिटोरियम में किया गया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने हिस्सा लिया। इस दौरान वाराणसी के कंपोजिट विद्यालय शिवपुर से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा स्कूल चलो अभियान के शुभारंभ का सजीव प्रसारण भी देखा गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ हुआ। स्कूली छात्राओं ने स्वागत गीत प्रस्तुत कर अतिथियों का स्वागत किया। मंच से जनप्रतिनिधियों ने छात्र-छात्राओं को किताबें वितरित कीं और उन्हें शिक्षा के प्रति प्रेरित किया। इस मौके पर खेल प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। प्रांतीय स्तर पर आयोजित ताइक्वांडो प्रतियोगिता में विजयी बच्चों को मेडल देकर सम्मानित किया गया। हरुगला विद्यालय के छात्र हर्षित को उनके बनाए साइंस प्रोजेक्ट के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में स्कूल चलो अभियान के प्रचार-प्रसार के लिए एलईडी वैन और जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। अधिकारियों ने कहा कि अभियान का उद्देश्य अधिक से अधिक बच्चों का स्कूलों में प्रवेश कराना और शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। इस दौरान वन एवं पर्यावरण मंत्री अरुण कुमार, सांसद छत्रपाल सिंह, विधान परिषद सदस्य कुंवर महाराज सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष रश्मि पटेल, महापौर उमेश गौतम और नवाबगंज विधायक एमपी आर्या मौजूद रहे।

सीतापुर-जामुन के पेड़ से लटका मिला युवक का शव, जांच में जुटी पुलिस

सीतापुर। उत्तर प्रदेश के सीतापुर जिले में सदरपुर थाना क्षेत्र स्थित फतेहपुरवा गांव में शनिवार सुबह एक युवक का शव पेड़ से लटका मिला। पुलिस ने शव की शिनाख्त कर आगे की कार्रवाई में जुट गई। थानाध्यक्ष मुकेश कुमार ने बताया कि मृतक की पहचान संतोष उर्फ टम्पू (22) के रूप में हुई है। उसका शव गांव के दक्षिण दिशा में कुट्टी के पास जामुन के पेड़ से शर्ट के सहारे लटका पाया गया। खेतों की ओर जा रहे ग्रामीणों ने संतोष का शव लटका देखकर उसके परिवार और पुलिस को सूचित किया है। सूचना मिलते ही सदरपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया।

औरैया की हरचंदपुर पुलिस चौकी को आवासीय भवन की सौगात, 453.53 लाख की मंजूरी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

औरैया। उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद के दिबियापुर थाना क्षेत्र अंतर्गत हरचंदपुर पुलिस चौकी के लिए एक बड़ी सौगात मिली है। प्रदेश सरकार ने चौकी के लिए आवासीय भवन निर्माण को मंजूरी दे दी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस परियोजना के लिए 453.53 लाख रुपये की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है। इस संबंध में राज्य गृह विभाग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व ट्विटर) पर आधिकारिक जानकारी साझा की है। पुलिस अधीक्षक अभिषेक भारती ने चौकी के आवासीय भवन निर्माण को लेकर कहा कि हरचंदपुर पुलिस चौकी पर तैनात पुलिसकर्मियों को लंबे समय से आवासीय सुविधा की कमी का सामना करना पड़ रहा था। कई पुलिसकर्मी दूर-दराज क्षेत्रों से आकर ड्यूटी करते थे, जिससे उन्हें असुविधा होती थी और समय पर ड्यूटी में भी बाधाएं आती थीं। अब नए आवासीय भवन के निर्माण से इस समस्या का स्थायी समाधान होने की उम्मीद है। प्रस्तावित भवन में पुलिसकर्मियों के रहने के लिए आधुनिक सुविधाओं से युक्त आवास बनाए जाएंगे, जिससे वे अपने परिवार के साथ सुरक्षित और सुविधाजनक वातावरण में रह सकेंगे। इससे पुलिसकर्मियों का मनोबल भी बढ़ेगा और वे अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन और अधिक प्रभावी ढंग से कर सकेंगे। वहीं स्थानीय लोगों का मानना है कि इस पहल से क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को और मजबूती मिलेगी। साथ ही, किसी भी आपात स्थिति में पुलिस का रिस्पॉन्स टाइम भी बेहतर होगा। कुल मिलाकर, यह परियोजना न केवल पुलिसकर्मियों के लिए बल्कि आम जनता की सुरक्षा के लिए भी एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

देह व्यापार मामले में दरोगा निलंबित, बंगाल के एक युवक का नाम हुआ उजागर

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कानपुर। उत्तर प्रदेश में कानपुर नगर के कल्याणपुर थाना क्षेत्र में नौकरी के नाम पर युवती को देह व्यापार के दलदल में धकेलने वाले गिरोह के खुलासे के बाद पुलिस महकमे में बड़ी गाज गिरी है। मामले में संदिग्ध भूमिका और अपराधियों को संरक्षण देने के आरोप में उपनिरीक्षक (एसआई) नितिन यादव को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। इस गिरोह के तार पश्चिम बंगाल से जुड़ने के बाद पुलिस की एक टीम वहां दबिश देने की तैयारी में है। अपर पुलिस उपायुक्त शिवा सिंह ने शनिवार को बताया कि जांच के दौरान एसआई नितिन यादव की भूमिका संदिग्ध पाई गई। साक्ष्यों से स्पष्ट हुआ कि दरोगा को इस अनैतिक कारोबार की जानकारी पहले से थी, लेकिन उन्होंने इसे रोकने के बजाय अनदेखा किया। वर्तमान में उसकी तैनाती सीसामऊ थाने में है। अनुशासनहीनता और कार्य में शिथिलता के चलते पुलिस आयुक्त के निर्देश पर दारोगा को निलंबित कर विभागीय जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने बताया कि पीड़ित युवती से पूछताछ और अब तक की जांच पड़ताल में पश्चिम बंगाल के रहने वाले 'दादा' नाम के एक व्यक्ति का नाम प्रमुखता से उभरा है। उसी 'दादा' ने युवती को अच्छी नौकरी और ऊंचे वेतन का लालच देकर बंगाल से कानपुर भेजा था। कानपुर पुलिस ने बंगाल पुलिस से संपर्क साधा है और आरोपित की गिरफ्तारी के लिए आगे की कार्रवाई शुरु कर दी है।

संपादक मण्डल

संस्थापक/संरक्षक
संजीव श्रीवास्तव

प्रधान संपादक
हरिनाथ सिंह

समूह सम्पादक
डा. सुशील चन्द्र त्रिवेदी 'मधुपेश'

सलाहकार संपादक
डॉ एमएए खान आईएएस (रि)
डॉ ओम प्रकाश आईएएस (रि)
आर पी शुक्ल आईएएस (रि)
राधेश्याम मिश्रा आईएएस (रि)
विवेक वार्ष्णेय आईएएस (रि)
आशुतोष रंजन
अनिल तिवारी

स्थानीय संपादक
दिनेश कुमार गर्ग

कार्यकारी संपादक
अभयानंद शुक्ल

आध्यात्मिक संपादक
राम महेश मिश्र

ब्यूरो चीफ
मनोज कुमार शुक्ला

स्टेट कोआर्डिनेटर
विपिन सोनी

संपर्क मुख्यालय
कार्यालय फोन नं.: 0522-4643988
www.rashtriyaprastavana.com
ई-मेल: noidarp@gmail.com

संपर्क कार्यालय
प्रधान कार्यालय: 1/39, प्रथम तल करामत मार्केट, निशातगंज, लखनऊ
प्रशासनिक कार्यालय: 61 ए, मानस नगर, जियामऊ, हज़रतगंज, लखनऊ

गोरखपुर-लालकुआं के बीच चलेगी साप्ताहिक विशेष ट्रेन

बरेली । गर्मी के मौसम में यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए रेलवे प्रशासन ने गोरखपुर-लालकुआं रूट पर साप्ताहिक ग्रीष्मकालीन विशेष ट्रेन चलाने का फैसला किया है। यह ट्रेन 10 अप्रैल से 10 जुलाई 2026 तक कुल 14 फ़ेरों के लिए संचालित होगी। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक संजीव शर्मा ने बताया कि गर्मी की छुट्टियों में यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए यह विशेष ट्रेन चलाई जा रही है। (05009) गोरखपुर-लालकुआं ग्रीष्मकालीन साप्ताहिक विशेष ट्रेन प्रत्येक शुक्रवार को गोरखपुर से शाम 5:05 बजे रवाना होगी। ट्रेन बस्ती, गोंडा, सीतापुर जंक्शन, लखीमपुर, गोला गोकरननाथ, मैलानी, पूरनपुर, पीलीभीत, भोजीपुरा और किच्छा होते हुए अगले दिन सुबह 8 बजे लालकुआं पहुंचेगी। ट्रेन बस्ती से शाम 6:20 बजे, गोंडा से रात 8:10 बजे, सीतापुर जंक्शन से रात 11 बजे, लखीमपुर से रात 12:05 बजे, गोला गोकरननाथ से 12:37 बजे, मैलानी से 1:35 बजे, पूरनपुर से 2:27 बजे, पीलीभीत से 3:30 बजे, भोजीपुरा से 5:15 बजे और किच्छा से सुबह 6:05 बजे रवाना होगी। वापसी में (05010) लालकुआं-गोरखपुर ग्रीष्मकालीन साप्ताहिक विशेष ट्रेन 11 अप्रैल से 11 जुलाई 2026 तक प्रत्येक शनिवार को लालकुआं से सुबह 10 बजे चलेगी। यह ट्रेन किच्छा, भोजीपुरा, पीलीभीत, पूरनपुर, मैलानी, गोला गोकरननाथ, लखीमपुर, सीतापुर जंक्शन, गोंडा और बस्ती से होकर अगले दिन रात 1:15 बजे गोरखपुर पहुंचेगी। रेलवे के अनुसार ट्रेन में कुल 17 कोच लगाए जाएंगे। इनमें एक जनरेटर सह लगेज यान, एक एलएसएलआरडी, चार साधारण द्वितीय श्रेणी, तीन शयनयान, पांच वातानुकूलित तृतीय श्रेणी, दो वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी और एक वातानुकूलित प्रथम श्रेणी का कोच शामिल रहेगा। इससे गोरखपुर, पीलीभीत, भोजीपुरा, किच्छा और लालकुआं रूट के यात्रियों को काफी राहत मिलेगी।

गैस सिलेंडरों की आस में दुल्हनों का कलेक्ट्रेट परिसर में जमावड़ा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उरई। जालौन जिले में एक अनोखा मामला सामने आया है, जहां शादी की तैयारियों के बीच गैस सिलेंडरों की कमी से परेशान परिवारों ने जिला प्रशासन से मदद की गुहार लगाई है। कोंच तहसील क्षेत्र के ग्राम चमेड़ की निवासी एक महिला अपनी बेटी की शादी के लिए गैस सिलेंडरों की मांग को लेकर जिलाधिकारी कार्यालय पहुंच गई। इस दौरान दुल्हन और परिवार के अन्य सदस्य भी मौजूद रहे। जानकारी के मुताबिक, ग्राम चमेड़ निवासी मोहिनी पत्नी ओमजी खैमरिया शनिवार को जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचीं। उन्होंने जिलाधिकारी राजेश कुमार पांडेय को एक शिकायती पत्र सौंपते हुए बताया कि उनकी पुत्री नंदिनी का विवाह आगामी 20 अप्रैल 2026 को निर्धारित है। शादी की तैयारियों के लिए उन्हें लगभग 17 गैस सिलेंडरों की आवश्यकता है, लेकिन पर्याप्त सिलेंडर उपलब्ध नहीं हो पा रहे हैं। मोहिनी ने बताया कि वह कोंच की दिवौलिया गैस एजेंसी की उपभोक्ता हैं, लेकिन शादी के लिए अतिरिक्त सिलेंडर की व्यवस्था नहीं हो पा रही है। उन्होंने प्रशासन से अनुरोध किया कि बेटी की शादी को देखते हुए विशेष अनुमति देकर आवश्यक गैस सिलेंडर उपलब्ध कराए जाएं, ताकि विवाह समारोह में किसी प्रकार की असुविधा न हो। इस दौरान दुल्हन नंदिनी भी अपने परिवार के साथ जिलाधिकारी कार्यालय पहुंची। शादी की तैयारियों को लेकर परिवार में चिंता का माहौल दिखाई दिया। परिजनों का कहना है कि विवाह समारोह में खाना बनाने और अन्य व्यवस्थाओं के लिए गैस सिलेंडर की आवश्यकता है, लेकिन सीमित संख्या में सिलेंडर मिलने से परेशानी हो रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि शादी-ब्याह के मौसम में अक्सर गैस सिलेंडरों की मांग बढ़ जाती है, जिससे अतिरिक्त सिलेंडर प्राप्त करना मुश्किल हो जाता है। ऐसे में कई परिवारों को प्रशासन की मदद का सहारा लेना पड़ता है। मामले को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

हर बच्चे तक शिक्षा पहुंचाना हम सभी की जिम्मेदारी : गिरीश चंद्र यादव

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में नए शैक्षिक सत्र 2026-27 के तहत 'स्कूल चलो अभियान' का भव्य शुभारंभ शनिवार को बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा डायट परिसर में आयोजित समारोह के साथ हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि खेल एवं युवा कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गिरीश चंद्र यादव रहे, जबकि जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र ने अध्यक्षता की और मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर दीप प्रज्वलन के साथ अभियान की शुरुआत की। कार्यक्रम में बच्चों ने आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं, वहीं मुख्यमंत्री द्वारा वाराणसी से अभियान के शुभारंभ का सजीव प्रसारण भी दिखाया गया। अभियान का मुख्य उद्देश्य जिले में शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करना और परिषदीय विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता को सुदृढ़ करना है।इस अवसर पर बच्चों का नामांकन किया गया तथा उन्हें निशुल्क पाठ्य-पुस्तकें, यूनिफॉर्म और बैग वितरित किए गए। इसके बाद 'स्कूल चलो रैली' निकाली गई, जिसे मंत्री व सीडीओ ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली शहर के विभिन्न प्रमुख मार्गों से होकर गुजरते हुए पुनः डायट परिसर पहुंचकर समाप्त हुई। रैली में छात्र-छात्राएं और शिक्षक सब पढ़ें, सब बढ़ें, आधी रोटी खाएंगे, स्कूल जरूर जाएंगे जैसे नारों के साथ लोगों को जागरूक करते नजर आए। बैंड-बाजे और सजे रथों के साथ निकली इस रैली ने पूरे शहर में शिक्षा के प्रति सकारात्मक संदेश फैलाया। मुख्य अतिथि गिरीश चंद्र यादव ने अपने संबोधन में कहा कि प्रदेश सरकार शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने कहा कि हर बच्चे तक शिक्षा पहुंचाना हम सभी की जिम्मेदारी है। कोई भी बच्चा आर्थिक या सामाजिक कारणों से शिक्षा से वंचित न रहे, इसके लिए सरकार निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे बच्चों को नियमित रुप से विद्यालय भेजें और उनकी पढ़ाई में रुचि लें। उन्होंने आगे कहा कि परिषदीय विद्यालयों में अब बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं—जैसे निशुल्क किताबें, यूनिफॉर्म, मिड-डे मील और डिजिटल शिक्षा की पहल—जिससे गरीब से गरीब परिवार का बच्चा भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त कर सके।शिक्षा ही वह माध्यम है जो बच्चों के भविष्य को संवारती है और समाज को मजबूत बनाती है, उन्होंने जोर देकर कहा। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे, इसके लिए घर-घर जाकर नामांकन सुनिश्चित किया जाए। अभियान का पहला चरण 15 अप्रैल तक तथा दूसरा चरण 1 जुलाई से 15 जुलाई तक चलेगा।जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ. गोरखनाथ पटेल ने बताया कि ड्रॉपआउट और दिव्यांग बच्चों के नामांकन पर विशेष जोर दिया जा रहा है। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि, शिक्षा विभाग के अधिकारी, शिक्षक-शिक्षिकाएं और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

अवैध अल्ट्रासाउंड सेंटर पर छापा बिना पंजीकरण चल रहा केंद्र सील

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बरेली। बरेली में अवैध रूप से चल रहे अल्ट्रासाउंड सेंटरों के खिलाफ स्वास्थ्य विभाग ने सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। डीएम अविनाश सिंह और सीएमओ डॉ. विश्राम सिंह के निर्देश पर गठित टीम ने शहर और देहात के कई सेंटरों पर छापेमारी कर दस्तावेजों की जांच की। कार्रवाई की भनक लगते ही कई सेंटर संचालकों में हड़कम्प मच गया। डिप्टी सीएमओ डॉ. लईक अहमद अंसारी के नेतृत्व में टीम सबसे पहले बहेड़ी क्षेत्र पहुंची। यहां हिंद अल्ट्रासाउंड सेंटर की जांच के दौरान गंभीर अनियमितता सामने आई। संचालक टीम को सेंटर का पंजीकरण प्रमाण पत्र और अन्य जरूरी कागजात नहीं दिखा सके। इस पर टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए सेंटर को मौके पर ही सील कर दिया। स्वास्थ्य विभाग ने सेंटर संचालक को तीन दिन के भीतर सभी जरूरी दस्तावेज पेश करने का नोटिस दिया है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि यदि तय समय में संतोषजनक जवाब नहीं मिला तो संचालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया जाएगा। टीम ने इसके अलावा कुंडरा कोठी स्थित मन्नत अल्ट्रासाउंड सेंटर, जीवन ज्योति अल्ट्रासाउंड सेंटर और रिछा क्षेत्र के हर्ष कला अल्ट्रासाउंड सेंटर का भी निरीक्षण किया। बहेड़ी में ग्लोबल, यूनिक, अरोरा, नियाजी और विद्या अल्ट्रासाउंड सेंटरों की भी जांच की गई। छापेमारी के दौरान मैक्स अल्ट्रासाउंड और लाइफ लाइन अल्ट्रासाउंड सेंटर बंद मिले। इस पर अधिकारियों ने नाराजगी जताते हुए संचालकों को कारण बताने के निर्देश दिए हैं। डिप्टी सीएमओ डॉ. लईक अहमद अंसारी ने कहा कि जिले में बिना पंजीकरण या नियमों के विपरीत चल रहे किसी भी अल्ट्रासाउंड सेंटर को बख्शा नहीं जाएगा। सभी संचालकों को शासन की गाइडलाइन के अनुसार सेंटर संचालित करने होंगे। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इस अभियान में राहुल शर्मा, राजेश कुमार और विपिन कुमार भी शामिल रहे।